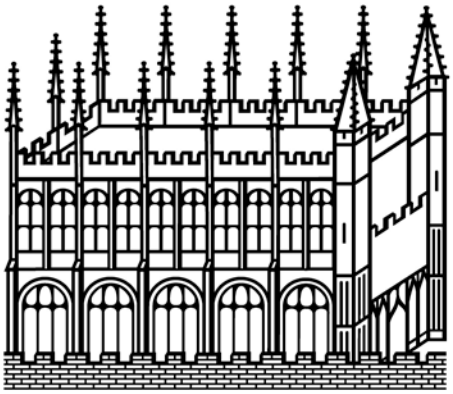


Bodleian Libraries

UNIVERSITY OF OXFORD

This book is part of the collection held by the Bodleian Libraries and scanned by Google, Inc. for the Google Books Library Project.

For more information see:

http://www.bodleian.ox.ac.uk/dbooks

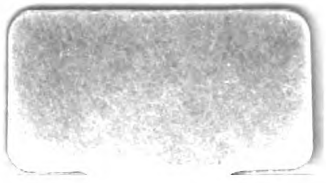


This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 2.0 UK: England & Wales (CC BY-NC-SA 2.0) licence.

Hindi
Misc A 254

13.E.27.

Indian Institute, Oxford.
The Lucknow Sparks Library.
Presented
by
Munshi Newul Kishore.



Rasacandrodaya
and
Rasavrishti.

Ras Chandorda Bisht

रसचंद्रोदय व रसवृष्टि ॥

जिसमें ।

परकिया, स्वकिया, उत्तमा, सामान्या, मध्यमा, लघुमा, धीरा अधीरा आदि अष्ट नायका भेद व शृंगारकरुणा, रौद्र, भयानक, बीर, बीभत्स, हास्य, अद्भुत, भूषणादि शोभा आदि नव रस रसिक काव्य उत्तम२ दोहा छन्द कवित्त आदि में श्रीराधाकृष्णचरित बर्णित हैं ॥

जिसको ।

श्रीमन्गुणिगणमण्डलीमण्डनमहाराजाधिराज श्री कुशलसिंह वीरेशपवावाँग्रामनिवासीकीआज्ञानुसारश्रीकविकुलशिरोमणिश्रीउदयनाथवश्रीशिवनाथ द्विवेदीनेनिर्माणकिया ॥

वही ।

सम्पूर्णरसरसिकविलासियोंवश्रीपरब्रह्मसच्चिदानन्दश्रीकृष्णचन्द्रआनन्दकन्दक रहस्यउपासकों के मनोरञ्जनार्थ

दूसरीबार

स्थानलखनऊ

मुंशी नवलकिशोर के छापेखानेमें छापी गई ॥
नवम्बर सन् १८८२ ई०

विज्ञप्ति ॥

इसमहीने अर्थात् नवम्बर सन् १८८२ ई० पर्य्यन्त जो पुस्तकें बेंचने के लिये तैय्यार हैं वह इस सूचीपत्र में लिखी हैं और उनका मोल भी बहुत किफ़ायत से घटाकर नियत हुवाहै परंतु व्यापारियों के लिये और भी सस्ती होंगी जिनको व्योपार की इच्छाहो वह छापेख़ाने के मुहतमिम अथवा मालिक के नाम ख़त भेजकर क़ीमत का निर्णय करलें ॥

नामकिताब	नामकिताब	नामकिताब
भाषा (इतिहास)	१ आदिपर्व	तथा जिल्दबन्धी
महाभारत	२ सभापर्व	तथा मोटे अक्षरोंकी
१ पहिले हिस्सामें	३ बनपर्व	मयतसबीर व चेपक
आदि पर्व, सभा पर्व	४ विराटपर्व	रामायणतुलसीकृत
बनपर्व	५ उद्योगपर्व	सातोकाण्ड
२ दूसरे हिस्सामें	६ भीष्मपर्व	१ बालकांड
विराटपर्व, उद्योगपर्व	७ द्रोणपर्व	२ अयोध्याकांड
भीष्मपर्व, द्रोणपर्व	८ कर्णपर्व	३ आरण्यकाण्ड
३ तीसरे हिस्सामें	९ शल्यपर्व व गदापर्व	४ किष्किन्धा कांड
कर्णपर्व, शल्यपर्व	सौप्रिकपर्व मय	५ सुन्दरकांड
गदापर्व, सौप्रिकपर्व	योशिक व विशोक	६ लंका कांड
योशिकपर्व, विशोकपर्व	व स्त्रीपर्व	७ उत्तर कांड
स्त्रीपर्व, शान्तिपर्वमें	१० शान्तिपर्व राजधर्म	रामायण शब्दार्थ कोष
राजधर्म आपदधर्म,	व आपदधर्म व मोक्ष	रामायण का इतिहास
मोक्षधर्म	धर्म दान धर्म	रामायण मानसदीपिका
४ चौथे हिस्सामें	११ अश्वमेध, आश्रम	रामायण कबितावली
शान्तिपर्व, दानधर्म	वासिकपर्व व मौशल	रामायण गीतावली सटीक
अश्वमेध, आश्रमवासिक	पर्व,महाप्रस्थान स्वर्गारोहण	विनयपत्रिका बा० मो०
पर्व, व मौशलपर्व	१२ हरिवंशपर्व	बिनयपत्रिका बा० शि०
बाणप्रस्थान पर्व	रामायणरामबिलास	लिंगपुराण
स्वर्गारोहण पर्व	रामायण तुलसीकृत	बिष्णुपुराण
हरिवंश पर्व	रामायण सटीक मय	गरुड़ पुराण प्रेत कल्प
महाभारतपर्वअलेहदाभीहै	मानसदीपिका कोषआदि	ब्रह्मोत्तर खंड

श्रीगणेशायनमः ॥

रसचन्द्रोदय ग्रथलिख्यते ॥



का कबित्त ॥ ग्रंथपरिपूरणकेतूरणबिघनहारीमुकुताकेचूरणजवा हिरजुवानके पराग्रपराकेबैखरीकेमध्यगाके प्रतिभाके भेदसंधी अनुबंधीकबितानके भनतकबीन्द्र प्रतिदिननयेनयेकटें न्यारेन्यारे प्यारनहूंरसकेनिधानके बाणीकेबरणयुगपरेतेचतुरमुखहोतहैचतु रमुखबाणीकेसमानके १ ॥ अथ यन्यप्रशन्सा ॥ दो ०॥ बाणीदीन्ह्यो बुद्धिबरभयोग्रंथविस्ताररतिबिनोदरसग्रंथको सुनिरीझैसंसार २ रसिकचकोरनकोसदा सूझिपरैरसपंथ तातेरच्योकवीन्द्रयह रस चन्द्रोदयग्रंथ ३ कविकुलकुमुदअमंदमति प्रफुलितहैचहुंकोद पढ़ै बढ़ैआनँदलहै उलहैउदयबिनोद ४ राहमुकुतिगतिकीनहीं यह औरैरसराह करिसराहचरचाचतुर चाहकरैनरनाह ५ ॥ तचथ ङ्गार रसेप्रथमतो नायका निरूप्यते ॥ भागभरी यौबनभरी रतिरस भरी निहारि पियजियकीसुखदायका यहैनायकानारि ६ उदाहरण ॥ क ० ॥ चलतमरालनकीमहिमाघटावैबैनबोलत अचैनकरैप्रभुता पिकनकी मुसक्यातसुधाकोसुहागसोसकेलिलेति बरणसोजीतै सुंदराईसुबरनकी भनतकवीन्द्रवाकीनिरखिसुयरताईपाईहै दृगन बड़ाईडीठिपनकी मनतेनभूलतिभुलावैमनहींकोवह चहचहेचष- नकीलहलहे तनकी ७ दो ० ॥ आलम्बनशृंगारके दम्पतिदरश उदार प्रथमहिंबरणोंनायका पुनिनायकनिरधार ८ इति प्राचीन सम्मतिसाच त्रिबिधा स्वीया परकिया सामान्या चेतिस्वीया लक्षण ॥ दो ० ॥ मृदुतासमताशीलतापतिसेवनसन्तोष स्वीयातासोंकहतहैं जामें दोषनरोष ९ क० ॥ क्षितसमताकीपरमितमृदुताकीकियों ता

कीहै अनीतिसौतिजानताकीदेहकी सत्यकीसताहै शीलतरुकी लताहैरस्ताहैकबिनीतिपरनीतिनिजनेहकी भनतकवीन्द्रसुरनर नागनारिनकी शिक्षाहैकिइच्छारूपरक्षनअक्षेहकी पतिब्रतपारावारवारीकमलहैसाधुतासैलाहै कीकलाहै कुलगेहकी ॥ १० ॥ स्वीया त्रिबिधा मुग्धा मध्या प्रगल्भाच मुग्धा लक्षण ॥ दो० ॥ जामें यौबनकीझलक शैशवसहितदेखाति मुग्धातासों कहतहैं जेप्रबीण कबिज्ञाति ११ ॥ क० ॥ पथऐंड़िनअरुणाईअंगओपतिगुराई जंघयुगुलनितम्बपीनताईपकरतिहै कटिखीनताईलरिकाईलीन ताईमुखचन्दमेंजोन्हाईज्योतिजालबगरतहै भनतकवीन्द्रपेखिअंकुर उरोजनके पियहियप्रेमके खजानेसेभरतहै कुंवरिकेतनतरुणाईकी अवातीपेखि सौतिनके मननमिवातीसेपरतहै ॥ १२ ॥ मुग्ध चतुर्थाकी बेससन्धियथा ॥ क० ॥ यौबनकनकलरिकाईकीबन करतीडारीमैनफेरघेरसूधेभौंहभालको भनतकवीन्द्रसोधिसन्धि केउतारेपलाज्योतिनमें झलझलारूपज्योतिजालकोदेहकीदराबी फाबी उतारीहिसाबीतौलतौलतसुनारमैनकौतुकबिशालको खीचैबीचअबहींदुइदिनते देखोमनसुईलोरह्योहै ठहराई ठीकबालको ॥ १३ ॥ अज्ञात यौबना लक्षण ॥ दो० ॥ यौबनआयोगात में जानिपरतनहिंजाहि सोअज्ञातलघुयौबना कहतसुकबिसबताहि १४॥ क०॥ पैंजनीपगनचुवैकंजनकरनचारुछोटीसीनथूली बड़ेमोतिनकीसोहीहैसारीओढ़नीकीजरतारीसीदिखानलागीछोटीघांघरीमेंघेरवारीजेबजोहीहै भनतकवीन्द्ररंगहोनलागेअंगनमें शिशुतामेंयौबनकीज्योतिअवरोहीहै तोहीमेंउरोजनकेअंकुर उठन लागेतोहीतूनिहारि जानिपरतनतोहीहै ॥ १५ ॥ ज्ञातयौबना मुग्धालक्षण॥ दो० ॥ यौबनआयोगातमेंयहजानतिजोबाम ज्ञात यौंबनाकहतहैंताकोकबिकुलनाम १६ ॥ क० ॥ गौनेकेसुदिनगुन गौरितेरेसासुतेरे शुभघरीशोधिकैसँदेशोलिखिआयोहै हालऐसे

कालसोनिहालकरुणाहैजाइ चाहैं सुनिसुनिकैचतुरचैनपायोहै का
ल्हिहीउघारेशीशफिरतसखीनमध्यभणतकबीन्द्रआजु औरैरंगछा
योहै आंचरकोकरिबो अचानकहीमेरीआली मैंनहींसिखायोतोहिं
मैंनहीं सिखायोहै १७ ॥ अथनवोढ़ालक्षण ॥ दो० ॥ पराधीनरतिला
जडर छांहींछुवतभगाइ ताहिनवोढ़ाकहतहैं जिनकेरसिकस्वभा
इ १८ क० ॥ आलीकेलिमन्दिरमेंल्याईछलबलकरिप्यारेपेखिप
करी उछरिपर्य्यंकते भणतकबीन्द्रकैसेथिररहैथोरीबैस पारदकी
रदकीचपलताईशंकते नीबीकरधारिरहीझनकवगारिरहीछलकप
सारिरहीबदनमयंकते लालभुजभरीबालऐसीतरफरीहालजाल
कैसोसफरीउछरिपरीअंकते १९ ॥ अथविअब्धनवोढ़ालक्षण ॥ दो०॥
लाजकोपकोमलसडर नवभूषणरुचिअंग दुबिधहोतबिश्रब्धते व
हैनवोढ़ाअंग २० ॥ क० ॥ मुखौरुखफेरेदेतिघूंघुटनछोरेदेतिचूमि
योनभोरेदेतिबदनमयंककी लाजतेनचूनरीलपेटतिनगोवैहरेहरेग
रेरोवैहिटैहिलकिनअंककी भणतकबीन्द्रलाल करकेपरशहोतधर
तेमिटैनसरसाईबालशंककी जकरिजकरिजंघैसकरिसकरिपरैपक
रिपकरिपाणिपाटीपर्य्यंककी २१ ॥ अथमध्यालक्षण ॥ दो० ॥ जाके
तनमेंजगमगैलज्जामदनसमान ताकोमध्याकहतहैंजेकबीन्द्रमति
मान २२ ॥ क० ॥ मुखसोलगतमुखसोहैंनकरतिरुख लाजकाम
समताबपुषमेंपगीरहै रतिकेबिलासउरअंतरबसावैपैप्रकाशनकर
तिरंगप्रेमकेखगीरहै केलिकथाकंथकहैंउत्तरनदेताकोझूंठेनयन
मूंदैहौससुनैकीलगीरहै प्यारेकोजगोहेजानिवोढ़ैपटतानितानिल
गीरहैंउरजोलौपलकलगीरहै २३ ॥ प्रौढ़ालक्षण ॥ दो० ॥ पतिसो
केलिकलानिकेप्रकटैरंगअनेक तासोंप्रौढ़ाकहतहैंजेकबिबुद्धिबिबे
क २४ ॥ क० ॥ रंगमगीसेजपरजगमगीशोभाचारुमणिमयमंदि
रमयूखनअथाहकीउदयनाथतामेंप्राणप्यारीऔरप्राणप्यारोलाल
कोककीकलानिकरतसराहकी किंकिणीकीनीकीधुनि नूपुरननाद

सुनिसौतिनकेबाढ़तबिषादबादगाहकी त्रिभुवनजीतिकैउछाहकी बजतिमानोनौबतिरसीलीमन्मथबादशाहकी २५ ॥ पुनः ॥ राधा बनमालीसंगकरतअनंगरंगढरतचहूंधाबासफूलनकेढेरकी उदय नाथसुकबिसुहाईसखीश्रवननि,कोकिंकिणीझनककामनौबतसीजे रकी मोतिनकोहारुचारुअटकोकुचनतरेलटक्योडुलतिकियेशोभा घनेघेरकी पांतिपांतिह्वैकैनक्षत्रसबैदेतमानोपुण्यहेतपूरणप्रदक्षि णासुमेरकी २६ ॥ अथप्रौढ़ाकोविपरीतिबर्णन ॥ क० ॥ दंपतिसुरतिबि परीतिकोरमतमतकोककीकलानिकेअखिल अवधारेहैं भणतकबी न्द्रबिहँसतबतरातसरसातअंगअंगनिअरंगरंगभारेहैं उचतेलला टतेसमेतबेनामांगमोतीऐसेकेशपासनपैपरेउलझारेहैं। बदननक्षत्र पतिछत्रपतिहुकुमतेकूदेमनोंतमैंपैकतारेबांधितारेहैं २७ ॥ पुनः ॥ अरसोहेनयनाकरिकरिसोहेंमुसुकात त्योंत्योंअकुलातज्योंज्योंहो तहेलेप्रातरी दोऊवैपरसपरपीवतअधररसचूमिचूमिचटकीलेमुख जलजातरी भणतकबींद्रभरिभरिअंकह्वैनिशंकनेहभरेदोऊफिरि फिरिबतरातरी बिछुरनकाजरीदुहूंकेगातबीतेदोऊ लपटिलपटि जात नेकु न अघातरी २८ ॥ अथप्रौढ़ाकीसुरतांतकोउदाहरणम् ॥ क०॥ करिरतिरंगपतिसंगतेसलोनीप्रात उठिअँगरातओपउलहीअपार हैं भनतकबींद्रटूटेसकलशृंगारहैंनसौतिसुखहारहैंनिहारेटूटेहार हैं छबिरहीललितकपोलनपैपीकलीकबलितनखछतउरोजनिअ गारहैं मुरिरहीबेसरिसिकुरिरहीसारीअंगफुरिरह्योआलसबिथु रिरहेबारहैं २९ ॥ अथमानरातिधीराधीरलक्षण ॥ दो० ॥ त्रिबिधिमा नमैंद्वैगनो मध्याप्रौढ़ाबाम धीराबहुरिअधीरपुनि धीराधीरानाम ३० धीराबोलैंब्यंगसोबिनहीब्यंगअधीर धीराधीराकेगनौब्यंगा ब्यंगशरीर ३१ बचनचातुरीसोरचैमध्याधीरारोष मध्यअधीरकु बैनकहिभरैकोपकोकोप ३२ मध्याधीराकेबचनअतिरूदितरिस रास प्रौढ़ाधीरारुखरचैरतिउदासपियपास ३३ प्रौढ़अधीराके

कटैतर्जनताजड़तीर रतिउदासताड़नसहितप्रौढ़ाधीराधीर ३४ मध्याधीरा यथा ॥ क० ॥ गुंजरतभौंरनकेपुंजतिनकुंजनतेआयेहौभ-योहैश्रमआवतकोजातको आंखिनतेउलहीलिलाईपरैआलसकीअं-गनतेउमगैथकेलौअँगिरातकोभणतकवीन्द्रघामग्रीषमदुपहरीको तिक्षणलग्योहैतनपरबिनबातको पंकजकेपातकोपवनकरौप्राण प्यारेपौढ़ौपर्यंकमें पसीनोमिटैगातको ३५ ॥ मध्याधीरा यथा ॥ सवैया॥कुंजनिकुंजनिकौतुकहेतुफिरौतुमश्रीफललेतसुढारेबाणन बेधतकामहमैंभरिकोपकसीसनिकानकिनारेपीवतहौतुमतोमदिरा हमपैमदमोहनजातसम्हारे लालजगेकितहूतुमरैनिभयेदृगआल-सलालहमारे ३६ ॥ मध्याधीराधीरा ॥ यथा ॥ सवैया ॥ मंजुलकुं-जतेआयेहौआजु बिलोकिलतानकीबेपबहारै भौंरनिके भरेभार निहारचहूंदिशिचारुसुगंधपसारै भागभलेतिनकेसुकवीन्द्र जेरा-वरेकीरसरीतिनिहारै योंकहिकैतियनैननितेतरराइचलींअँशुवान कीधारै ३७ ॥ प्रौढ़ाधीरा यथा ॥ क० ॥ जागीहैतमासेनैंकिपागी रोषरासेमें किलागीमित्रबासे चित्तचाहचितचाहेते भणतकवींद्र शशिबाहनकेगरबकैयौं गाहनकैदौरीहै उमाहनउमाहेते जा-वकजपामाननावककेबानपेखि पावकप्रमानउपमान अवगाहेते लालहूतेलालऔगुलालहूतेलालआजुलाललालआंखैंईभईहैंला लकाहेते ३८ ॥ प्रौढ़ाधीरा ॥ यथा ॥ क० ॥ परतीकिदेखिबेकोप-रतीसीलेतिआंखै हमसोनजोरौडीठिनीठिकैनिहारैहै परैहैंसुभाइ जैसेजिनकेकवींद्रजहां तैसेनिर्बाहिबेको परततिन्हैंभारेहै दाबे पगपाइपाइदाबतहमारेआइ सिखापाइसिखायेन औटपाइडारेहै कालिहमारितारेआजुवेसईनिहारेनाह जुवाज्योंनछोड़तजुवारीजु-वाहारेहै ३९ ॥ प्रौढ़ाधीराधीरा ॥ कहरयभयेहौहरिताके क्योंन जाहुजाके हराकेहिंडोरेमध्यनायकह्वैझूलेहौ इतैगलबाहींडारि होतगरपरेवकि वाकेगरेपरेतऊमौनतनतूलेहौ भणतकवींद्रभारे

भोगीहौनिपटकारे टेढ़ेह्वैपरतसकिलौनअनकूलेहौ सोवननदेत हमआनिदुखदेतसौंतिहारीकेसिखाये सौतिहारीतुमभूलेहौ ४० अथज्येष्ठाकनिष्ठाकोउदाहरण ॥ दो० ॥ कहिजेष्ठाअरुकही बहुरिकनिष्ठा नारि कहौंभेदधीरादियेइनहूंमेंनिरधारि ॥ ४१ ॥ पतिकीब्याही कुलबधू ज्येष्ठाबहुरिकनिष्ठ बढ़िसनेहघटिनेहते बरणतरसिकअधिष्ठ ॥ ४२ ॥ अथधीराज्येष्ठाकोउदाहरण ॥ क० ॥ दोऊएकठौरजहां बैठीहैंजलजमुखीप्यारोतहांआयोधीरताईतकिनेहकीनेहसरसाई निरसाईनकछपाईकछपैसमताईसुलहकीकहुक ज्योंमेंहकीभणतकवींन्द्ररंगभेदहीमेंअंगद्युति एकरंगदेखिपरीदुहुनकीदेहकी पीरीसारी दैकैलालएकवहराई पहिराईलालसारी लालसारी जासोंनेहकी ४३ ॥ अथअधीराज्येष्ठाकनिष्ठाकोउदाहरण ॥ क० ॥दोऊशिरसाजेराजेचित्रितमहलमध्यबागकी बनकजहांजोहैजोहैजालसों भणतकवींद्र तहांकामहूंतेअभिरामआयेसरसाये श्यामसुखमाबिशालसों लालवारीबेंदीबालवारीअलसेटेपटघूंघुटकेलागेते उचटिपरीभालसों आरसीसँवारिकेंनिहारिदेनलागीयकनेहलागी तौलगिलपटिलागीलालसों ॥ ४४ ॥ अथधीराअधीरा ज्येष्ठाकनिष्ठाको उदाहरण ॥ क० ॥ धीरजअधीरजकोनीरजनयन दोऊएकठौरबैठीआयोतितहीरंगीनोहै पंचमीबसंतकीहै सुमनगुलाबीयह ईशपैचढ़ावेकह्योअचहीं नबीनोहै एकवापठाईजोलौंआवैठीकठाईतौलौंभणतकवींद्रकंत ऐसोमतकीनोहै जोरिअंकअंकसोंमरोरिकुचप्यारेलालतौलौंबालदूजीकोअरिरसलीनोहै ४५ ॥

इतिश्रीकबिकुलकुमुदानन्दवर्द्धनेश्रीगोपीजनबल्लभरहस्ये उदयनाथकवींद्रबिरचितेबिनोदचंद्रोदयाख्येकाव्यकुलबधूबर्णनंनामप्रथमःप्रकाशः ॥ १ ॥

दो० ॥ प्रीतिकरैपरपुरुषसोंप्रगटहोतसोजान परकीयातासों कहतजेकबींद्रमतिमान १ परकीयाकेभेदद्वैवरणतकबिनरनाह ऊढ़ाकहियतब्याहितासो अनूढ़बिनब्याह २ ॥ क० ॥ राजैरसमय रीतैसीबरषासमयरीचढ़ीचंचलानचैरीचकचौंधाकौंधावारैरी व्रती बतहारैहियपरतफुहारैकछुछोड़ैकछुधारैजलधरजलधारैरी भणत कबींद्रकुंजभौनपौनसोरभसोकौनकोकपाइकैपरावोहाथपारैरी का मकेतुकासेफूलडोलिडोलिडारैमन औरैकरिडारैयेकदंबनकीडारै-री ३ ॥ अनूढ़ा ॥ ताहीठौरलालककुखेलतहैख्यालजहां बालको गमनआगमनदिनरातिहै जानतनसखीसखालखीलखादुहुनकी लाजमयीनईयों लगनसरसातिहै उदयनाथप्यारोइतैन्यारोगात बैठोउतैघातगहेप्यारीककुन्यारीअठिलातिहै ऐंचिकरिआंचरउरो जउकसोहेकरिभौंहेंकैलगौहेतिरछौहेतकिजातहै ॥ ४ ॥ लाल नकोपीजरानिहारिकरलालनके बालहाथपटैलैरुखाईभरै रतिवै भणतकबींद्र नैनखंजनसचावैदोऊ धावैफिरिआवैनेह जेरीभरै नितवै दोऊमुसकातसोहै देखतसकातदोऊ जानतनघात कोऊ जातकितकितवै सुरुखकेमिसप्योसुरुखरांखैवाहिबासु वाकीवो-रचाहिवासुवाकीवारचितवै ५ ॥ गुप्ता ॥ दो० ॥ प्रथमकियोओ करैगीकियोकरैगीताहि तीनोरतिगोपणकरैंगुप्ताकहियेताहि ६ ॥ क० ॥ सेकपाइलेनकोगुलाबकीबढ़ीहैंडारैं बारीकीमजारीशीशद्भूते अधिकाईहै फूललेतकरतेबिछूटिछतियामेंअटैछुटैछतियातेफटैब-सनबनाइकै खंडतअधरभौरजपाकेकुसुमजानिकगठकितहोतगात जातछेदछाइकै ननदजेठानी ठकुरानीभईबैठीरहै मोहीकोनदेखि देहिमोहीकोपठाईहै ७॥ अथ परकिया भेद ॥ दो० ॥ सुरतगोपनात्रि विधहैद्विबिधिबिदग्धानारिलछिताअरुकुलटाबहुरिकहियेसुकबि बिचारि ॥ ८ ॥ अनुसयानकात्रिबिधिगनिमुदिताएकगनाव पर कीयामेंहीगनौयेसबअन्तरभाव ॥ ९ ॥ क्रियाबिदग्धायथा ॥ यथा ॥ बा-

सरनबीतैनयनाभरिभरिरीतेप्यारीचढ़ैनअटारीओंक ढ़ैनापाउँगेह ते भणतकबींद्रकैसेदेखैदुरिशाँवरेकोझाँवरेबदनहोतदेखेबिनदेहते खिरकीनदीनीताकीपियसुधिकीनीतियअतिपरबीनीछीनीछलबलछेहते कुंजीकुंजमंदिरकीपतिहिदेखाइराखै कुलुफदुराययदुराय केसनेहते १० ॥ पुनः ॥ कुलुफहिरानीजानिपतिवाकेतुरतहीखिरकीमुदायलीन्हीचूनोईंटचुनिकै छोटीहीदिवालसोबिलंदकैउठाय लीन्ही फांदिबेको फालुरहोकाहूकोनझुनिकै मैलोशीशकहिनिज नाहतेनिरालीपरीभणतकबींद्रचैनचातुरीकोगुनिकै पाहरूकेमिस प्यारेकहोजागोजागोप्यारीद्वारेकेकेवारखोलदीन्हेटेरसुनिकै ११ अथवा बिदग्धा ॥शहरमझावतपहरएकलागिजैहैबस्तीकेछोरमेंसराइहैउतारेकी भणतकबींद्रमगमांझहीपुरैगीसांझखबरिउड़ानीहैबटोहीद्वैकमारेकी घरकेहमारेपरदेशकोसिधारेतातेदयाकरिबूझैंहमरीतिराहवारेकी करकेनदीकेबरबरकेतरेतूबसचौंकैमतिचौंकीइहां पाहरूहमारेकी १२ ॥ अथ लक्षितायथा ॥ तेरेक्योंछिपायेछिपैछापेदारअँगियामेंअंतरगुलाबीजोलगायोरंगबागको रदछदऊपरदरदसरहदयेरीरदकरिसकैकौनलाग्योरदभागको बातबनिआईप्यारेभीजतबचाईप्रीतिप्रगटीसोहाईसुखपायोनेहलागको लालकीकुसुंभीलालपागदागवारीवहैसखिकहेदेतहैकिशोरीअनुरागको १३ अथ कुलटा यथा ॥ छिनुकुदुवारेछिनुआवतवसारेछिनुचोवारेकेवारेनयनसैननिसजतहै औरगहनेनकेगहककोगनावैजाकीआठहूपहरक्षुद्रघंटिकाबजतहै उपपतिमण्डलीकेमण्डलकीमण्डतिसरतिकेचमण्डनितेनेकुनजरतिहै मैनमदछाकीरीतिदेखिकरिजाकीकेतीसासहूसजाकीपैकजाकीनातजतिहै १४ ॥ पुनः ॥ फेरतिअनोटपीछेहेरतितिरीछेबालगैलमेंकरतफैलछैलकोदेखाइकै बातकहिबेकेमिससजनीकोठाढ़ीकरैरजनीमिलापकोठेकानोठहराइकै भणतकबींद्रसासुननदके आगेऐसी सूधीहवैरहतिमानोंरूधीहैउपाइकै

नयननकेडोरेबांधियौबनकेजोरेमनु लेतहैमरोरेकुचकोरेदर्शाइकै १५ ॥ अनुशयनालक्षण ॥ दो० ॥ थानुबिघट्टनहोतहीदेखिदुखितजो होइ पहिलीसोनुसयानकाताहिकहतकबिलोइ १६॥ यथा ॥ अरहरपकीताकीथरहरिपरीप्यारीबरहरिआनिकैहरहरिभाप्योहै सूनोगेहपरोहोपरोसरोसोजानिऊनेउरआनिमनदूनोंअभिलाष्योहै भनतकविन्द्रवाहिकछुवैसोहातहैनवाहीवोरदृगनपियूषमान्योचाष्योहै सनबनसूखेकटेऊँखौसूखिजातपरिचेतमनवाकेमनवाकेखेतराष्योहै १७॥२दो०॥जाकेथानअभावकीशंकाउरसरसाइसोनुसयानादूसरीकहतसकलकविराय १८॥ यथा॥बिचकिलबल्लिकाकीमाधुरीसुमल्लिकाकीएलाकीलवांगकीअनेकक्यारीन्यारीहैं चम्पककोचंदनकीमौलैशिरीवृंदनकीबलितलतानसोमिलतशाखासारीहैं भनतकवीन्द्रमतिदेखिकरैमृगनयनीतेरेहेतलाईहमखबरिआगारीहैं गहगहीगुलवारीसुन्दरसुगुलवारीतेरे सासुरेमेंसुनीकैयोफुलवारीहैं १९ ॥ अनुशयना ॥ ३ दो० ॥पियआवैंसंकेतते दुखितहोइलखिताहि सोनुसयानातीसरीबरणतसुकबिसराहि २० ॥ स० ॥ कुंजनतेमगआवतगावत रागबनावतदेवगिरीको सोसुनिकैवृषभानसुता तलफैजिमिपंजरजीवचिरीको मारथकैनहिं नैननिते सजनीअँशुवानकीधारझिरीको मारमनोहर नन्दकुमारके हारहियेलखिमौलशिरीको २१ ॥ अथ मुदिता लक्षण ॥ दो० ॥ चितहितकोहेरेहिये मुदितहोइजोबाम परबनिताकेभेदमें मुदिताताकोनाम २२ ॥ स० ॥ सासुरेआईसरोजमुखीबिरुखीरुखमाइकेकेसुखथाकेपासपरोसकेभौनके कोनलखीखिरकीनिजभौनकेनाके ब्योंतुबन्योहितकोहितचाहि चख्योचितुआनँदवृन्दकेचाके फूलिगयेकुचकंचुकीजूटि गयेबँदटूटितराकितराके २३ ॥ क० ॥ सासुरेकीमालिनिअशीषकैसोहागभागपहिरायो चौसेरचबेलीको उनतही रावरेमहलपरोसकोसुमेंधोसबीतै वाकेमोहिंफूलनचुन-

तही सूचितसकेतभोनिकेतकेनिकट सरसानोसुखवृन्दमंदगुननि गुनतही माइकेकीबिरहकीजरदीरदीकेमुख लालीचढ़ीबालकेखु-शालकेसुनतही २४ ॥ अथमानलक्षण ॥ दो० ॥ उपजैपियअपराधते तियहियरोषकृशानुछुटैनजोउद्योगबिन तासेकहियतमानु २५ सिद्धकुतूहलतेछुटै लघुकरिताहिबखानि बचनशपथमध्यममिटै पाइपरेगुरुजानि २६ ॥ लघुमान ॥ क० ॥ आगेह्वैकटैजोआनि ताहिदेखेकहादोषदेखेदोष लागतदुहूंकीआँखियानको भणतक-बीन्द्रतेरेरंगकोछक्योरीछैल ताहिफैलभावैकैसेआनबनितानको त्यौरीकोचढ़ाइरहीत्यौरीतूअयानमहाप्योरीहोततोबिनबिरोधी पं चबानको होरीकीनिहोरीगोरीखेलैबरजोरीफागुबौरीकरिबौरीक-हाऐसेसमयमानको २७॥ मध्यममान ॥क०॥पासहीपरोसकेनिका-सबासएकैठौरकहांलौंबचावैरीपरसमिलिजानमें शंखचक्ररेखको फलाफलबिचारबेकोहाथकोदेखायोप्यारेपररुयोनिदानमें भणत कवीन्द्रयहैदेखितूरहीहैरूठि कैसीतूअहीरीपगीमोहनकेप्रानमें उठिचलुहाहाभटूतोसोमहालटूलाल कहाऐसेमानकोगुमानबनि तानमें २८ ॥ स० ॥ गंगलसैमुकताहलमालकलाशशिकीन खरेखसोहाई कंचुकीबंदजटाझलकै मिलिचन्दनलेपबिभूतिरु-हाई आनबधूअभिधानकेमानमें जोमुरिऐंठतिठानिकुहाई आपने तौकुचशंभुकेशीशमेंहाथधराइकराइदोहाई २९ ॥ अथगुरुमान यथा ॥ आनबधूपगजावककोभइलालकिलालवैभालतटीहैं ते लखिकैसखिबालहियेबिरहानलज्वालठटीप्रगटीहैं नाहकीवोर तकीतियनैननियोरसरंजितडीठिवटीहैं ग्रीषमकैरबिकी किरणौं अरुणौमनोकंजनतेउचटीहैं ३० ॥ दो० ॥ बैनकहेसजनीनहू पीतमपरशेपाइ लघुमध्यमगुरुमानको छूटिगयोसमुदाइ ॥ ३१ ॥ अथअन्यसंभोगदुख्यता ॥ आनबधूसंभोगसोदुखितहोइजोबाम अन्यसं भोगदुख्यता ताकोबरणतनाम ३२ ॥ क ० ॥ छूटिगयोचन्दन

उरोजनकीओरनतेछूटीनयनकोरनिकेकज्जलकराईहैभणतकबींद्र कंटकितदेहद्यु तिभईछुटिगईनईअधरनतेललाईहै पीरीपरिगई हैकपोलनकीथलीअलकनझलकनकीओजौलौअधिकाईहैजितैहौ पठाईताबिसासीपैगईनदीसी औरकितहूतेतूनदीसीन्हाइआईहै ३३ ॥ अथवक्रोक्तिगर्बिता ॥ दो० ॥ प्रेमरूपकेगर्बतेताकोद्विबिधि बिबेक प्रेमगर्बिताएकअरुरूपगर्बिताएक ३४ ॥ प्रेमगर्बितायथा ॥ सखिकन्तभलेतिनकेतियवैनितभूषणजेपहिरेईरहै तनअन्तरसो उतरावणकोपियनेरेकेनैनअरेईरहैमणिमाणिकमालअमोलनिसो सुकबीन्द्रभजूसभरेईरहै गहनोपहिरैनहिंपावतिहौंगहनेमहनेसे धरेईरहै ३५ ॥ अथरूपगर्बितायथा ॥ क० ॥ मुखकोमयंककहै सोतोहैकलंकभर्योलंककहैकेशरीजकैनपशुजानिकैगातकोकहत जातरूपकेसमानउपमानपंकजातकरचरणप्रमानिकै भणतकबी न्द्रयहैअवगुणहैमोमेंकहौसुनिचुपरहोकहौबचननकानिकै सुन्दर सलोनेमेरेअंगनकोनाहमेरेनाहकबखानतनजानतबखानिकै३६॥

इतिश्रीकबिकुलकुमुदानंदबर्द्धने श्रीगोपीजनबल्लभरह स्येउदयनाथकबीन्द्रबिरचितेबिनोदचंद्रोदयाख्येका व्येपरकीयाप्रकरणम् द्वितीयःप्रकाशः २ ॥

अथसामान्यलक्षण ॥ दो० ॥ चित्तमिलेतेनहिंमिलेबित्तमिले मिलिजाइ बारबधूतासोंकहैंजिनकेरसिकसुभाइ १ ॥ उदाहरण ॥ क० ॥ लहलहे लंककी लुनाईलचकत लखे लोभिहू के मन मेंनरहै मोहमालको भनतकबीन्द्रजाकेतनकोनिहारेरूपकनकौन पूजै रीतपायोततकाल को आभरनअंबर बशीकरनहास और अं गनकेलासजाकेबरणौ बिशालको छबिकेझिकोरेदृगजोरेमुखमोरे एकतानहींकेतोरेधनछोरेलेतिलालको ॥ २ ॥ अथाष्टनायकाबरण्यते ॥

दो० ॥ पियबिदेशसंतापवशव्याकुलहोइजुबाल ताकोप्रोषित प्रेयसीकहैंसुबुद्धिबिशाल ॥ ३ ॥ अथप्रोषितपतिकामुग्धा ॥ क० ॥ घोरै घनसारऔरैऔरैबारबारसीरेकरनीरेलैपटोरपंकधसेहैं लाजते करैनअबलाजवहलेपसाज सिगरे इलाजलईलाजह्वैकैलसेहैं भणतकबीन्द्र वाकेतनकीअतनव्यथा जानिबेकोयतनसखीनहू केनसेहैं जानैवहबामकैतौजानतहैकामकेतौ जानेघनश्यामजे बिदेशजाइबसेहैं ४ ॥ मध्याप्रोषितपतिका यथा ॥ नकरैशीतल उपचारप्यारीलाजनिते औधबीतेहीतलमेंधंधरिसीधसीहै आन सोकहाहै सखियानसोनभेदकहै कैसोमनकैसीव्यथा कासोंदेह कसीहै भणतकबीन्द्रपंचवाणआंचतायेतन कंचनकीपूतरीनि रुत्तरीत्योंलसीहै नाहबिनअबला बिकलकरीऐसीत्रसी पूरण शशीकी कलामानों राहुग्रसीहै ५ ॥ प्रौढ़ाप्रोषित पतिका ॥ छुप्पर उसीरकेपटीरनीरनीरेकरि शशीमुखीसीरेयोकरतउपचारहै पंक-जकेपातनकोढारतसखीपवन त्योंत्योंबिरहाकिब्यथाबढ़तअपारहै भणत कवींद्रया अंदेशको संदेशोकोऊ कहौ जायआली जहां नंदकेकुमारहै अंगनकीझारलागेमहसूखोआगनकोदेहलागेखेह भयोजातघनसारहै ६ ॥ परकीया प्रोषितपतिका यथा ॥ ननदरि-सानीरहैसासुअरसानीरहैऐंठीसीजेठानीरहैकासोंकहैबातरी जर केअजारमिसपलकापरपरीआनि बरैबिरहानलअखिलवाकेगात री अँशुवाकुटैनकुलकानितेदृगनश्वासपरीजातपातरीमनोजउत पातरीसाऊतौबिदेशबस्योसोऊतैलखीनबाम रैनिचारौयामवाको रोवतैबिहातरी ७॥ अथ सामान्या प्रोषित पतिका ॥ प्यारोपरदेशनिर-देशीऔरकौनऐसो जोहमारेमनभावनकोआवनसुनाईहै भणत कवींद्रबारबनितानिहारैराहहारनकसीसनकीसुधिसरसाईहै र-सिकरसीलेछैलगुणनकीजानैगैलसादीकीरचैलचैनचाइसोसुना-ईहै देहबिरहानलसोंजरीसारीदेखिकबआइधोंकरारी जारीसा-

रीपहिराईहै ८ ॥ अथखंडितालक्षण ॥ दो० ॥ प्रातहोतपरभोगके चिन्हदेखावैदेह ताकीतियसोखंडिता कहतसुकबिरसनेह ९ ॥ अथ मुग्धाखंडिता यथा ॥ ओठनमेंअंजनकीलीकपीकपलकनिदीन्हे ठीकभालमेंमहाउरहरषिकैताकेसंगवारेचिन्हअंगनमें लीन्हूला-लअंगनमेंठाढ़प्यारीपरखैहैलखिकै लीन्हीनउसासननिकासकी न्हींआशुनकोआपुननबोलीनसुनाइबातसखिकै मदनचरित्रताप लाजनिसोलाजह्वैकैचित्रकैसा लिखीअनमिखीरहीझखिकै १० ॥ मध्या ॥ प्रातहोतआयेवैजगायेकहयुवतीकेलगेकेलकैसेवाहिचिन्ह लखिआनके भणतकवींद्रभालजावकपलनपीकै चलनअंजीतैजे चलनझखिआनके उमगायेशोचतेसकोचतेछपायेबामसमुहेनिहा-रिकैसमूहसखियानके घूंघुटकीपटकीकिनारीसोमिलैहैमोतीमोति नसोमिलेआंशुवाकीअँखियानके ११ ॥ प्रौढ़ाखंडिता ॥ तितहीपधारौ जितजाकोउरधारौनयोनेहनिरधारोजो पैचाहतहौचैनको हमहैन प्यारीअबप्यारीहैतिहारीसोईसोईजोतिहारेसंगसोई सुखलेनको भनतकवींद्रभालजावकपलनपीकै ओठनकोअंजनजनावैरैनिसै नको जहांजागेलालखंडिताहीकेअधरछांड़िताकोकहांआयेखंडि ताकोदुखदेनको ॥ १२ ॥ परकीयाखंडिता यथा ॥ तुमचारियामर जनीकेजागौआनसाथहमबिरहानलकीज्वालनसों जागती ह्वैघ रबसीजेतिहारेघरबसीप्यारेहमपरबशीहवैहैतिनकी यौं कहागती भनतकवींद्ररेखैं भालमेंमहाउरकी भोरहीनिहारि औरभोरलगी जागती आंखैंजेहमारीलागींतुमसोंअनोखेलालतिनअबआंखिन कीपलकैनलागती ॥ १३ ॥ सामान्याखंडिता यथा ॥ ओठनमें अंजननिरंजनभयेहैंनयनपलनमेंपीकैभालजावकबनकको डोरेबि नकोरेहारकौनीपहिरायेआनिहियमेंबहारभरेभारनतनककोभन-तकवीन्द्रभावतेकोपेखिभोरसमय बालचारबधूक्षोभकीन्होंनबन-ककी ताकिदृगबंकनकलंकनकीमालिमादै करतेकरलीन्होकं-

कनकनककी ॥ १४ ॥ अथ कलहंतरिता लक्षण ॥ दो० ॥ कलहकरै निजनाथसों फिरिपाछेपछिताइ । कलहंतरितासोकही मिलन हेतुअकुलाइ ॥ १५ ॥ अथ मुग्धाकलहंतरितायथा ॥ जबतेरिसानीतब हीतेअरिसानीवह नेहकीनिशानीसोखिसानीपछितातिहै लाजन सोतुमकोमनाइनासकतअब लाजनिसोलाजनिसोबोलतिलजा-तिहै भनतकवीन्द्रबालनिरखौनबेलीबालचित्रकैसीपूतरीनिरूत-रीलखातिहै तुमसोबिहूनीकामतीरनसोतूनीकरी झूनीसीबयारि लागेसूनीपरीजातिहै ॥ १६ ॥ अथ मध्या कलहंतरिता यथा ॥ पौढ़ीपटतानेअबहोतपछितानेकहा मानसबिथाने करिमानसदि-खाईहै भनतकवीन्द्रसखियानसोनभनैभेदभूलीखानपानैंतनआ-नैछबिछाईहै जालकीबिरहकीगिरहपरीवाकेहिये जानिकैइलाज खोलिबेमेंचतुराईहै जानतमुरारिकैतोजानैवहनारिकैतोजानैवह नारिजौनारिकरिआईहै ॥ १७ ॥ अथ प्रौढ़ाकलहंतरिता यथा ॥ हानिहैनतिनकीश्रुतिनकीकहानीयह पानीतेप्रथमजेललासबांधे पारिकी भनतकवीन्द्रहोंअयानीयानजानीबातजीतिहाथसौतिके परैगीयाकीसारिकी अबजोमिलैतोहियरामेंमेलिराखौंसियरा मेंजैसेराखतिबड़ाईकरिबारिकी नाहकहोबकीबकीहवैरहीनमूक मेरे हूकतौनहोतीचूकहोतीजोमुरारिकी १८ ॥ परकीया कलहंतरिता यथा ॥ नाकेनदीनारे फांदिभादोंकेअँधरेनाग कारेमणियारेटारे पगमगयारिकै शीलतजिडारेगुरुलोगनिकेभारेकाजगृहकेबिसारे जालसारेडरडारिकैभनतकवींद्रजाकेहेतहौंसकेतवारे अंतरनपा-रेनेहनितकेनिहारिकै हेरतहीहारेजाहिनैननिकेतारेरंगतासों में बिगारेरेगँवारिनारिरारिकै ॥ १९ ॥ सामान्या कलहंतरिता ॥ सस-किससकिहियोकसकिकसकिउठै ताकेअब सोसननकढ्योभौन कोनेसो एकतानलागेमुकुतानकेअनेकहार बकसैदराजकाजरूपे सोनसोनेसो भनतकवींद्रऐसेनाहसोगुनहबिन कियोमेंबिगार

धारटरैकहाटोनेसो एरीतूकुमतिमोसोंकलहकरायोअबसुलहक रावैकौनसांवरेसलोनेसो ॥ २० ॥ अथमुग्धाबिप्रलुब्धा ॥ दो० ॥ पिउनमिलैसंकेतमेंब्याकुलहोइनिहारि ताहिबिप्रलुब्धाकहौसि गरेकबिनिरधारि ॥ २१ ॥ मुग्धाबिप्रलुब्धा ॥ साजिकैश्रृङ्गारशशि मुखीकाजेसजनीवैल्याईकुंजमंदिरैसिखायेननिधानसी कान्हबि नकाननसँकेतसूनोदेखिभई आननकीओरैद्युतिरंगद्युतिआनसीभ नतकबींद्रबोलैलाजतेन बालबालबिचकिलबल्लिकालगनलागी बानसी वृथामृगनयनीकेहियेमेंबढ़ीमानसीवैचढ़ीचढ़ीभौंहैंपरीउ तरीकमानसी ॥ २२ ॥ मध्याबिप्रलुब्धायथा ॥ संगलैसखीनकोश्रृङ्गा रसाजिप्राणप्यारीचलीजहांसोहतिसकेतसूनेधामको भनतकबी न्द्रतहांनिरख्योनप्राणप्यारो बिलख्योबदनरुखनिरखेबिरामको शोचनसोससकैसकोचनिसकैनबोलि रोचनरसेसलसैलोचनवैबा मको एकओरबालकोदबावैलाजयोबनमेंएकओरयोवननचावैना चकामको ॥ २३ ॥ प्रौढ़ाबिप्रलुब्धा ॥ संगसजनीकेसजनीकेसा जमिलबेकीकंजमुखीमंजुकुंजमंदिरकोआईहै भनतकबीन्द्रलति कानकोचितैकैतहांसूनीसेजताके २ व्यथादरशाईहैतोरिडारीफूल मालबेलीभईब्यालीहालबाढ़ीबिरहानलकीज्वालनिजराईहै नि रख्योनपीरीपरिआईमुखपीरीपीरमदनकीपीरीह्वैसदनकोसिधा ईहै ॥ २४ ॥ परकीयाबिप्रलुब्धायथा ॥ सासुकोसोवाइननदहूको पलोटिपायँदेवरकोदरशाइस्वांगसोइगईको आधीरातभादोंकीअं ध्यारीमेंकेवारखोलिनिकसीजहांरीझरुमच्योमेहमईको चीरकैचु रैलभीरगैलकोमझाइबीरपहुंचीसकेतनेतबांयेनेहनईको एतोकरि देख्योतऊदेख्योंमैंनप्राणप्यारो न्यारोकछूपैंडोहै जुदईनिर्दईको २५ ॥ सामान्याबिप्रलुब्धायथा ॥ मोहिंबुलायमिल्योननिकुंजमेंको न्हौंश्रृङ्गारपर्योसबकीको जाइकहूंबनतेअनतेसुखलुट्योकिती कोसुआनकितीको बारबधूटीअहूटीकहैअलीजोमिलिहैकलीभाव

तोजीकोलेहौंछिनाइछबीलेललाकोजोनीको चुनीको छलाछिगुनी को २६ ॥ उत्कंठितालक्षण ॥ दो० ॥प्यारोइतआयोनहींकिनरास्यो बिलमाइ परखैपियकोआगमनसोउत्काठहराइ २७॥ मुग्धाउत्का यथा ॥ उरकोअतापजुरऊपरजनायोवाकेआचरसोआभरणभ रकेअनलसे श्यामनसकेतआयेबूझैनासखीसोबातश्यामालाजन अरुझेकौनकेधौंलोभललसे भनतकबीन्द्रअरबिंदसेउदितनयनरु दितनकीन्हेनउसासलीन्हेअनलसे बालकेकपोलवैअमललालक मलसेपीरेपरिगयेततकालकालदलसे २८ ॥ मध्याउत्कायथा ॥ सरसीशिंगारनिसोजामेंजेबयौबनकी बरीबहुभांतिनसोआभाअ भिरामकी भनतकबींद्रजरीसारीकीझलकजामेंदूरिहीतेदमकैअँ ध्यारीजहांधामकी और सखियानसोसकोचतेनभाष्योकछूबारी बिरहानलकीकारीहैअनामकी औधिएकयामकीजगाईचारियाम कीसुयामकीभईहै सुलगाईबामकामकी ॥ २६ ॥ प्रौढ़ाउत्कायथा ॥ करौअलिकापैपलकापैनपरतचैन मैनबधेशरन सोहरनबिरामरी भनतकबीन्द्ररजनीउग्योसजनीरी ग्रीषमबिरहकोदुसहदुखधाम री पांवड़ेचपौकेकरिलखैंमेंलालको मगसखौबिरमायेकैलोभाये काहूबामरी औधिबांधिश्यामरीबितायेयुगयामरीबसेधोंकाकेधा मरीनआयेघनश्यामरी॥ ३० ॥ परकीयाउत्कायथा ॥ हमैंबहराइकै निकुंजमेंपठाइठहराइठीकऔरसोअनतकहूंछयेहैं तजिकुलकानि तिनकाजेजिनठाटठटेठठकेकपटकेवैनेहनिरमयेहैंभनतकबींद्रश्या मसजनीलुभायेकहूंअजहूंनआये सूनेदूनेदुखदयेहैं कितैबितैयाम अधरतियाकेआजुपियाकौनधोंतियाकेछतियाकेहारभयेहैं ३१ ॥ सामान्याउत्का यथा ॥कौनधोंअनोखीबड़ेनैननकीबामजाकेकामबश ह्वैकैबस्योसंगरंगरागीहै भनतकबींद्रऐसीचाहियेनरीतिप्रीति हमसोंकरीतितौनिदाहीकौनिलागीहै हमैंसांझसमयलालसारी देनकहीलालसारीवाकीरैनिसियराईप्रेमपागीहै इतैबिरहानल

भभूकैबारिबारिकरिबारिभरीआंखैंकैहमारीदेहदागीहै ३२॥ बासक शय्यालक्षण ॥ दो० ॥ बारिनियमकोजानिकैसाजैसकलशिंगारबासक शय्याकहतहैंताकोसुबुधिउदार ३३ मुग्धाबासकशय्या यथा ॥ सखि नसिखाईपै तजैनशिशुताईबाललाजसरसाईसोछुटैनपटभालको गाढ़ीहोतिकंचुकीउरोजनकेबाढ़ेरोजसरसैशशीसोमुखसुखमाबिशालको मंदरकैदीपज्योतिबंदरकैफालप्यारी झनकउज्यारीसो सकोचबाढ़ैहालको सेजकोसँवारिसोहैउपमाकोनारिकोहैहारको निहारिपोहैजोहैमगलालको ३४ ॥ मध्या बासकशय्यायथा ॥ मंजनकियोअँगारधूपदैसुखायेवार अगरसौधूपिगूधीबेनीसटकारीहै बेंदीबेनाआडबीरीदंतनजमाइबीरीपहिरीनथूनीगजमुकतानबारी है ननतकवींद्रआजुबासककीरजनीमेंफूलीफूलीफिरतनवेलीनिरधारीहै लाजलाजैसजनीसकोचगुरलोगनिकोकामसेजसाजिबेकोकरततयारीहै ३५ ॥ प्रौढ़ाबासकशय्या यथा ॥ फूलनसँवारी चित्रसारीकीअटारीतामेंफूलीफुलवारीसीनवेलीअभिलाषी है इंदुसोबदनगजमोतिनकीनथनाक उमाकेआकाररतिरंभावारिडारी है लाजदारआंगीलाललहँगाकिनारीदारसारीजरतारीकीनशोभाजातिभाषीहै श्यामैमिलबेकोप्यारीसाजसेसमाजआजुदीपतिदुपहरीनिशामेंसाजिराखीहै ३६ ॥ पुनः ॥ बासककीरजनीमेंसजनीउछाहभरीवहरवहरिआईआगेहीडगरके गरकगुलाबनीरअरकउसीरसीरे चौकछिरकायेचारुवगरवगरके भनतकवींद्रप्यारीसकल शिंगारसाजि प्यारेकीबिलोकैमगजगरमगरके बारिराखेदीपकसँवारिराखेसेजसाजगारिराखैअगरजेचंदनअगरके ३७ ॥ परकीया बासकशय्या यथा ॥ सासुकोकहायनंदताहूसोंरहीरिसाइ जेठीहूसेऐंठीअतिऐसीगतिगहीहै देवरसोनेवरपुहावैके मिसहिरूठीदारीसोअंगूठीकीउदासीचितचहीहैभनतकवींद्रबाल बासककीरजनीमेंसजनीसुवासपासराखीमहमहीहै पैलीओरग

लीनाहिंआवनकीकैलीताहि कोठरीअँध्यारीमेंअकेलीसोइरही है ३८ ॥ सामान्या बासकशय्या यथा ॥ चंद्रसोबदनचारुचंद्रिकासीश्वेत सारीतैसियैसुभारीघूमघांघरेसुरंगकी जालदारकंचुकीह्वैसोन तेसरसलखीतैसियेगुराईगसीउरजउतंगकी हरिकहियेकोहार हरनहरिनिनैनीहेरैमगहरषैसखीनोसैनसंगकी जगरमगरबैठी सेजपैनगरबालाआलालालमोहिंबकोबालाप्यौअनंगकी ३९ ॥ अथस्वाधीनपतिका लक्षण ॥ दो० ॥ पतिजाकेआधीनहैंनिशिदिनआ-ठौयाम स्वाधीनैपतिकाकहतताकोकबिअभिराम ४० ॥ मुग्धास्वा धीन पतिका यथा ॥ अंगमेंबसीनसुन्दराईकीउमंगबंकताईभौं-हभंगदुलसीनारसीभालकी पीनतानअंगमेंनखीनताइलंक मेंन बदनमयंकमेंजुन्हाईज्योतिजालकी भनतकवींद्रनसुभायनमेंभेद भौनपायँनमेंगरिमागहीगयंदचालकी मैलीमैनमोहनीअकेलीक-हूंहेलीप्रतिकौनहेतुमोहीसोलगीधौंलोनेलालकी ४१ ॥ मध्यास्वा धीनपतिका यथा ॥ मुखपरनाहीरूखनीवीपरवाहीरूख्योंबपुषउ माहीदुधादावनिदुकूलकी लाजतेइलाजसेजसाजिबेकोकरौसैन चैनमैनचाहौकलाकीवोअनुकूलकी भनतकवींद्रकौनेहेतुयोकरा-रीप्रीतिधारीमैनमुद्रिकासुधारीमंत्रमूलकी पासरहैंमेरमेरेपिय कीनजरिऐसीबासरहैघेरेजैसेफूलहूमेंफूलकी ४२ ॥ प्रौढ़ास्वा धीन पतिका यथा ॥ पुरवधूपरबधूतिनसोंनजोरीडीठि तेरीओरहेरे हेरियतहरवरसोंकंतवैहमारेपरदेशमेंबितावैंद्यौस बीतैंकैसेपलप-लबीततपहरसो धन्यतेरोभागभटूभावतोतिहारोन्यारोतेरेरंगरा-च्योतजैघरकौनघरसो सौतिजनसाले तीकोसालसोतिहारेबश लालह्वैरह्योहैमालतीकोमधुकरसो ४३ ॥ पुनः ॥पुरबधूपरबधूके तिकौनवीनैअंगरंगकीप्रवीनैहैनमोहैतनमनको नेहकौनताकैतिन्हैं कैसिहूनताकैअवलोकैअरुझाकैताकिमेरेदृगननको मोहीपरमोही डीठिनंदकेललाकीताकोकारणकहारीजोतजैनमेरेमनको दलनी

भयेमँफेरिमलिनोपरेहूआलीअलिनीनछोड़ैज्योंकमलिनीकेबनको ४४ ॥ परकीया स्वाधीन पतिका यथा ॥ सरसिजनयनीपिकबैनीहं सगमनीबैरमनीयजिनकोस्वरूपसरसातुहै भनतकबींद्रकंकण नकिंकिणिनवारीसाजैझंझनारीनादनेकुनबिहातुहै ऐसीकुलबधू नेकबिबिधिबिलासहास तजैरीरजैनयहीघातअधिकातुहै जानौं मैंनटोनाकछूकाहूसोंकहोंनबात मोहींपैसलोनासोनाहेतुजान्यौ जातुहै ४५ ॥ सामान्या स्वाधीन पतिकायथा ॥ शीशफूलबेसरितरे उनापचलरीनेकुलरीतासोबकसिबढ़ायोऐसोहोतुहै सारीजरता रीवैकिनारीबारीदैदैदिनसाजतसलाहनाहनेहकानिकेतुहै भन तकबींद्रइंदुमुखीअरिबिंदनैनीकेतीकुलबधूपैनप्रीतिसोउपेतुहैमैंन जानौंआलीलालुमोपैक्योंलुभान्योमान करौजौनमानौतौअमानो धुनहोतुहै ४६ ॥ अभिसारिकालक्षण ॥ दो०॥कैअभिसारहिपियहि कैआपुकरैअभिसार ताहिकहतअभिसारिकाजेकबींद्रसरदार ४७ मुग्धा अभिसारिकायथा॥तैसियेकदंबनकीबासबनलहैतैसीकादंबिनीको रूपतैसोदीपतिउदारको तेसोईकबींद्रचरणाभरणबाजिबोसुन्यो नपरैशोरमानौं झिल्लीझनकारको नेकतजिलाजअसमयसरस माजसाजरसमेंरच्योहैरीसमयहैअभिसारको मोसोंजोनिहारत चकोरतैसेमेरीआलीतोंमैंमैंनुसोमैंलख्योंनंदकेकुमारको ४८ ॥ मध्याभिसारिकायथा ॥ देखिकरिहरिआईपहिरिलहरिआईलाजोधरि आईराखिघरीद्वैबहारको येरीमृगनयनीपैनी बेनीकोअगरधूपिग रधूपसौतिहारीसौतिहारीबारको भनतकबींद्र बीजुरीयेतरपतपरै मिलिघनश्यामेंताकितोंतनउदारको प्रेमकपसारकरिप्यारीअभि सारिकरिआजुहियेहरुकरिनंदकेकुमारको ४९ ॥ प्रौढ़ाभिसारिका यथा ॥ नूपुरनगारेबाजैंकंचुककवचसाजैंचौकाकीचमकचमकतरव गाधारहै सौतिनकेदरबालहोतहांकतलजहां साहसउछाहकी रताईकोबिचारहै भणतकबींद्ररतिरंगन फतेपाई नौबतिबजाईकिं

किंणीकीझनकारहैहरखलहारटूटिपरे असवारसांचौसमरकोसा
रकैयोतेरोअभिसारहै५०॥पुनः॥भृकुटीचढ़ीकमानचलतकटाक्षबान
चमकनिचौकाकीचमंकखड्गधारहैअंचलनिशानफहरातकुचकुंभ-
नपैआगेकोपरतपगबीरताकोबारहै भनतकबींद्रसूवसौतिनकेमन
सूवामारेजातजहांऐसेमारकोअगारहै नंदकेकुमारकीसौंराधेजैंत
वारयहसमरकोसारकैयौंतेरोअभिसारहै५१॥परकीयाभिसारिकायथा॥
भादौंकीअँध्यारीरातितड़तातरतरातिमगमोअरातिघहरातिनदी
न्यारीहै जहांभीरभारीहैनिशाचरचुरैलनकी ताकेबीचछरकीमशा
लसीनिहारीहै प्रेमपंथपरीतातपरीशठठानोनालभनतकवीन्द्रला
गीलगनकरारीहै जहांघनश्यामघुमड़ैहैंघनश्यामजहांतहांप्यारी
बामघनश्यामपैसिधारीहै५२॥ अथ सामान्याभिसारिकायथा॥मीनसे
चपलनैनबीनसीबिमलबानी ईनकीसीशोभाशीशफूलपरफलीहै
चन्द्रसोबदनचारुचन्द्रिकासीमुसक्यानिमोहिबेकीबानिकीबनाइ
बिधिथलीहै रूपकीअनूपनाचगानकीकवींद्रकलाकवीअंगबासकी
गुलाबीकुंजगलीहै जेवरजवाहिरकेलेबेकोसनेहजूटीनगरबधूटी
नटनागरपैचलीहै५३॥कृष्णाभिसारिकायाथा॥कारेघनकारेबनकारेना
गफणानिकेपावरेपसारेपगदेतनसकातिहै बेनीसटकारीकारीमृग
मदखौरिकारी कारियेपहिरिसारीकारीभारीरातिहै भनतकवींद्र
कारेकान्हरकेमिलबेको आजुहीतौसिगरीकराईयेदिखातिहैकारी
अँधियारीतासोंअधिकअँध्यारीसाजिप्यारीचलीजातिकीकुहूकीक
रामातिहै५४॥पुनः॥तैसियेअँध्यारीरातिकारीघटाघहरातिपुरवाईह
हरातिसूझतनसीनोहै श्यामकेमिलनकोपहिरिश्यामसारीप्यारी
अंगकरिलीन्हेमृगमदसेपगीनोहैकारेपन्नगनकेफननपगपावड़ेदै
आजुकीश्यामताईजीत्योकुहूकोकरीनोहै तेरेअभिसारकोतमासोल
खेनरीकहासांचोसांचनाचरीनिशाचरीकोकीन्योहै ५५॥ज्योत्स्नाभि
सारिका॥ मोतिनसँवारीमांगश्वेतसारीसोहैअंगउरजउतंगसंगअमी

अवदातको भनतकबींद्रछबिजालमेंलखीनबालमेखलासखीनको जतावेमगजातको औरैभयोचंदमुखचंदकेमिलेतेज्योतिखारीसीउ ज्यारीसोनभेदरह्योगातको होतजोहजारगुणीरबिकीहजारवीसौ बिसेतीसोओशशांसोयोंप्रभातको ५६॥ दिवाभिसारिकायथा ॥घूमिघन घटाआईंमूदिछ्वैआकाशछाईंचमकतकोंधाचकचोंधासेबगारेते चट कारीचूनरीकुसुंभीवाकिनारीबारीतैसियेदमकिरही घूंघुटउघारेते तेलओंफुलेललागीअलकैबिथुरिरहां मानौनागलटकतकुंडलकि नारेतेघासमेंसिधारीगिरिधारीकेंमिलनहेतुजानीजातिदामिनीन कामिनीनिहारेते ५७॥ अथ प्रौष्यद् भर्त्तिका लक्षण ॥दो० जाकोपियपरदे शकोचलिबेकोअधिकात ताकोप्रौष्यद्भर्त्तिकाकहतसुकबिअवदात ५८॥ मुग्धा प्रौष्यद् भर्त्तिका यथा॥यथा ॥ भाषैकछुलाजतेनसामुहेसखी जनसोराखैनैनसैनहीमेंमैनताकोसाखीहै भनतकबींद्रगुरलोगन कीपीठिपीछेदीठिकोबचाइचितचिंताअभिलाषीहै घूंघुटकीओट ह्वैकैचितयेबदनचंद्रहितवेहियेकीसुन्दराईसुधासाखीहै लालको गमनसुनिआगमनगोरीग्वालिचोरीचोरानजरचकोरीकरिराखीहै ५९ ॥ अथमुग्धाप्रौष्यद् भर्त्तिका यथा ॥ जादिनतेचाहसुनीनाहकेगमन वारीतबहींतेसुधिखानपानकीबिसारीहै भनतकबींद्रवैशिंगारआ भरणडारेसखिनसोबोलनिहँसनिडारीन्यारीहै कज्जलकलितवा केदृगनमेंआंशकिरैपैरीमनो मीननिकलिंदीधारकारीहै कौनसोम- रमकहैपरमलजीलीबाल मौनतपसीलोखड़ीभौनमेंनिहारीहै ६० अथप्रौढ़ाप्रोष्यद् भर्त्तिका यथा ॥ कुंजुकंजझोरनिमेंभौरपुंजगुंजरतकोकि लारसालनिनिकुंजैठांवठांवते मंदमंदमारुतबहतमलयाचलतेवा- हीमगआवैसुरभितहोतगावते भनतकबींद्रकोऊचलतबसंतसमय तुमसेचलनकहौपूजौपियपावते गोरसकीआनदेहौंअशकुनठानदे हौंजानदेततुम्हैंपनजानदेतभावते ६१॥ परकीयाप्रौष्यद् भर्त्तिकायथा॥ ची कनोसनेहवाकीदेहमेंलगायोअबरूखीकरिबेमें कहामोहकोमहतु

है वेदननजानैसोगहैनपरनारीकरनारीभेदजानेबिनबैदनलहतुहै तुम्हैपरदेशैजातपरदेशैजातवाके यहैदुखदोषवाकीदेहकोदहतुहै रावरेचलेतेहीनजीवनरहैगोवाकोजीवनबिनाज्योंजानमीनको रहतुहै६२ सामान्याप्रोष्यद्भर्तिका यथा ॥ देतलाललालदेतमोतिनकीमालदेतउपमाबिशालदेतकंठलपटातहैचलनकहतप्यारेचलननदेतप्यारीचलनअनोखेअँगअंगनिलखातहैं नैनकंजनासाकीरओठबिंवमोंहैंधनुभालइन्दुखगडकोउमेटअधिकातहै वाकीसुन्दराईमनु बांध्योहैललाकोआलीहेरिहेरिमुखफेरिफेरिरहिजातहै ६३ ॥ अथ आगतपतिकायथा ॥ दो०॥प्योआयोपरदेशतेहर्षितहोइजोबाल॥ आगतिपतिकाकहतहैंताकोमुकबिरसाल ६४ ॥ मुग्धा आगत पतिका यथा ॥ आयोबिदेशतेनाहनबेलीकोआनँदकीउघरीसुघरीहै लाज हवैलालकोजोहतिलालतेसोहतिप्रीतिकीज्योंपुतरीहै ज्वालबुझी बिरहानलकीतियकंतयकंतयोंअंकभरीहै बेलिदवानलसीझरसी जिमिदौगरकेपरेहोतिहरीहै ६५ ॥ मध्या आगतपतिका यथा ॥ आयोबिदेशतेप्रीतमप्यारीकोलाजहूकामसुधामसोहायो बोलतबैन बनैनसकोचसोनैनकीसैननिचित्तचुरायो लालसोबालमिलीसुबिंद्रहियोहियमेंइमिआनँदछायो भूलिगईसिगरीदुखपंकसुमानहुंरंकपरोधनपायो ६६ प्रौढ़ाआगतपतिका यथा ॥ आयोपरदेशतेसुहायोमनभायोनाह अतुलउछाहछायोहर्षितगातभो भनतकबींद्रऔधिबीतेकेउरहनेका पानीचितचाहेनकाचकितसुतातभो बारबिरहानलकीप्यारीप्योनिहारिआनि मिलतमहारी ऐसेसुखनिकोसोतभो रबिकीतपतिकरीदिनकैछिपतमानोंकुमुदिनीऊपरकलानिधिउदोतभो ६७ ॥ परकीया आगतपतिका यथा ॥ आयोपरदेशतेसलोनोश्यामसुनिबामआगमिसिगईभईलेखेऐसेहालकी विवरणरंगभयोगरेसुरभंगभयो पुलकितअंगभयो भूलीगतिकालकी भनतकबींद्रसेदखेदजलमीचैदृग कंपतअधरप्रलयदशासोतिजा-

लकी बीरसोशरीरकुयोघूंघुटसोमुखढाक्यो नतरुउघरिजाती लगनिगोपालकी ६८ ॥ सामान्या आगतपतिका ॥ आयोपरदेश तेसलोनेश्यामनिजधाम बारबामआइकै बधाइगयेरंगिके रीझि कैकवींद्रप्यारे अंकसोंलगाइलीन्हींउरजउतंगरहेऊपरसुलागिकै मरकतमणिनकी मालपहिराईप्यारे याबिधिसुहाईदेखौरंगवा केभागिके लालकेनिहारेतेशमितभईज्वालमानोंकारेदेखिपरत अँगारेबिरहागिके ॥ ६९ अथ उत्तमा नायका लक्षण ॥ दो० ॥ पति आवैअपराधकरिआदरकरैजुबाल ताहिउत्तमाकहतहैंसकलसुक-बिमहिपाल ७० ॥उत्तमा यथा॥आकृतिउरोजनकीरचिरहीऊपरही ताहीठौरगचिरहिबिनगुनमालहै भोरहोतभावतेभुलानेभवनहिं आयेलगेलगेपगनकीउमगतिचालहै भनतकवींद्रओटअंजनपलन पीकैदीन्हीधौअलीकैलीकैजावककीभालहै लालउरभरेलालनींद भरभरेलालअपराधभरेतऊअंकभरेबालहै ७१ ॥ अथमध्यमा लक्षण दो० ॥ पियजैसोईगितरचैत्यौहींप्रगटैबाम ताहिमध्यमानायका कहतसुकबिरसधाम ७२ । मध्यमायथा ॥ आलीलालआयेरीअगा धअपराधकीन्हेचीन्हेनखरतचीन्हेलीन्हेकाहूबामके जानिकैल-जीलेबोलीढीलेकंठकीलेमानो कह्योस्वामीजाइयेमुकामीपरधाम केप्यारेमनुहारिठानीजानिकैरुखोहीबानीबालहालभेदयोनिका-सेनिजनामकेबेशरिसिकुरिरहीसांवरेसुधारिवाकीपागपेचबाउसे सवारेबहुश्यामके ७३ ॥ अथ अधमा लक्षण ॥ दो० नायककेअपराध बिनरचैरोषबिनकाज ताकोअधमाकहतहैंजेप्रवीणकबिराज ७४ अधमा यथा ॥ तेरेमुखपरप्यारीबारनेभयोरहेततीकोमुनिमिसकि योघूंघुटकीकोरको सुरपुरनरपुरनागपुरतोसीकौनिरंभारतिहूको रूपजोहियेनजोरिको बिनअपराधतेरेपदअरबिंदपरै तूक्योंहित हीनीकरैनंदकेकिशोरको तेरीसुन्दराईसोपरोसझलकतामें रोस झलकतयहैअवगुणहैओरको ७५ ॥ अथ सखीकर्म ॥ दो० मंडनऔर

ओराहनोशिक्षाअरुपरिहास चारिकमहैंसखिनकेलहैंनायकापास ७६ मंडन यथा ॥ बालकेउरोजनिपरलालकोबनायोकरलिखितमक रिकाकेमिसशोभाहारकी सुरतिचरित्रकोनिहारिकरिचित्रकोलाज तेतरपिकैउठाइकुरीतारकी भनतकवींद्रउरअंतरप्रमोदबाढ्योऊ-परहूदौरिद्युतिआनँदअपारकी मारकीलहरस्यानितनमेंछहरछा-ईसखीपैनप्यारी कीसुरतिरहीमारकी ७७ ॥ उपालंभ ॥ फूलीबन बेलीअलिकुलकरैकेलीएक कोकिलाअकेलीवैरसालनसोरागीहै दक्षिणतेकरेगौनसुरभितवहैपौन मौनीतजैमौनदेहजिनकी अरा-गीहैतुम्हैंबिनदेखेबिलखतबालहालऐसे भनतकवींद्रकरीतुमहीं दुजागीहैं रातिवाकीतुमबिनपलौनापलकलागीरावरेअनोखेलाल आंखैंकितलागीहैं ७८ ॥ शिक्षा यथा ॥ मेरीसीखलेरीसीखलेरी कुलकोककलानारिनकी देहदशावारकरिबारिसी कंचुकीकुचनि कसिदन्तनिमेंबीरीधरि पीकीबशिकरिह्वै शिंगारनकीपारिसी भनतकवींद्रनिजरूपकीजगायेज्योति रंभारतिहूको दैदुरोदरकी हारिसो पीतमकेकंठलागिसूतिरहुप्राणप्यारी सौतिनकेसंगला गिसूतीतरवारिसी ७९ ॥ परिहास यथा ॥ चालकेद्यौसभनैसुकवी-न्द्रअशीशतआइसुहागलुगाई नायनिपायनिजावकदेत करी परिहासकियोचतुराई लालकेाननके मुकुताहललालभयेरहैंया अरुणाई बाललजाइरहीमुहफेरिदियोहँसिहेरिसखीनकीघाई ॥ ८० पुनः ॥ गौनेकेद्यौसशिंगारबनाइअशीशतीभागसुहागघनेरी नायनिपायनिजावकदेतपरीपरिहासकीखीसीपहेरी बाजिकेक-न्तकेकन्धचढ़ीसुनिबाललजीसजनीहँसिहेरी सौतिनकोकरिडा-रिहैकूजरिऊजरीगूजरीगूजरीतेरी ८१ ॥ अथ नायकके परिहासको ॥ सारीजरतारीलाललहंगाकेसंगलसी तूनकोकुचनकसी कंचुकी करेरिकैमानकरिबैठीहैमयंकमुखीसांझसमयप्यारीतहांआयोस्वां-गसजनीकोफेरिकै पाइपरीप्यारीकोमनाइकै चलोहैताकि प्यारे

हंसेऔरैहांसीलईजबटेरिकै दांतेदाबिआंगुरीअभेरिवाहै भेंटतही प्राणप्यारेप्राणप्यारीदीन्होहँसिहेरिकै ८२ ॥ दूती लक्षण ॥ दो०॥ दूतीलौबोल्योकरैहरैबिरहकीबानि मिलवैनायकनायकासोदूती पहिंचानि ८३ ॥ तस्य करमसंघट्टनं बिरहनिवेदनेयथा॥ सांझकोसमयहै रमनीयरसमयहैतमकहाद्यौसमयहैसूझिपरतनगातहै घनघहरा ततरुपातयहरातहहरानीकारीबातसुनीपरतनबातहैभनतकवींद्र लखिबेकोलालअकुलातअतनतरंगीत्योंत्योंचौगुनोलखातहै उठि चलुआलीबनमालीकेमिलनहेतुआजकैसीऔरनहींमिलिबेकीघा तहै८४ ॥ अथ बिरह निवेदन को उदाहरण ॥ दिनदिनछीजैवाहिदर शनदीजैपाइ नेहकीनतीजैवहिकेतीपीरसहीहैभनतकवींद्रबिरहा गिनिकीज्वालैफूंकिमदनसोनारसुवरणदेहदहीहै फिरतहैतारेतब करतीउतारेसखी सावनकीआशतेउसासनेकुलहीहै देखैंक्योंन आइरेअनारीनिर्मोहीतेरीकै नारीकेबिछोहतेनारीछूटिरहीहै८५॥ अथ नायका लक्षण ॥ दो०॥कोककलानिप्रबीनअतिसुंदरसुखदउदार पतिउपपतिबैसिकबिदित भाषतत्रिबिधिप्रकार८६ ॥पति लक्षण ॥ दो० ब्याहोवेदबिधानसोंशुद्धाबरशुभबेषताहिकहतपतिहतिसुम तिभूपतिसुकबिअशेष८७ ॥ यथा ॥ शैलजासोईशऐसीभांतिप्राण प्यारीजूसाप्राणप्यारेप्रीतिनिरबाहिबोकरतुहै भूषणबसनझारि धरिबोकरतबेनीगूंदिबेकोवारनिरुवारिबोकरतुहैभनतकवींद्रसर सिजनैनीसुन्दरीको उरतेनओलिकउतारिबोकरतुहैरंभारतिहूको रूपवारिबोकरतमुख सुखमासमूहपैनिहारिबोकरतुहै८८ सोचपति लक्षण ॥ दो० ॥ प्रथमकह्योअनुकूलपुनिदक्षिणधृष्टबिचारि डीठिहियेहितएकसी सोअनुकूलनिहारि ८९ ॥ यथा अनुकूल ॥ प्यारेरघुनाथजूकेसाथप्राणप्यारीचली अबलाकेमिसकलाकुलब नितानकोभारतकोराजदैकै रथबिनपथलागिमानिकैशपथदशरथ केजुवानकी कौनसोंबूझैदंडकाननकोमगरामबामपगेथकेताकिओट

कलतानकीलक्षणसुजानकीद्विजानकीनपेखैपीरदेखेबिनुजानकीन राखैसुधिजानकी६०॥दक्षिणादक्ष॥दो०॥सबदिनसबबनितानसोंराखै समअनुरागदक्षिणतासोंकहतहैंजेरंज्योरसराज६१ यथा॥पिकबैनी मृगनैनीसबैसरसिजमुखीयाही एकठौरमोहीप्रेमरसउरकेकरलि येआरसीसलोनेस्यामआयेतहांबदनबिलोकैंमोदमदनप्रचुरकेअल कसोबेसरिअरुझीनिरुवारबेकोमांगीएककीन्हीचतुराईरिपुमुरकेमु खनतेप्रतिबिम्बन्यारेवैनिहारिबेकोबैठिप्राण प्यारेजायमंदिरमुकु रके६२॥धृष्टलक्षण ॥दो० ॥मारिनिकारैकामिनीफिरिआवैफिरिजाय बिनामनायेमिलिचलैधृष्टवहैठहराइ ६३॥ काहूकेनमूठीकेनझूठी सौंहैंखातडीठिईठिकौनकेअदीठसोंपिकरातहैं बातमेंनशाषशाषबो लैकौनऐसेनकीशाखशाखशाखामृगभयेफहरातहैं भनतकवींद्रउत रैनकहूंचितवतपरदारहितपरदारहितगातहैं जैसेसटकारेकारेबार बारबारबांधे नेहीजानिछोरेतऊकोरेकुटिलातहैं६४॥अथ धृष्टलक्षण॥ दो०॥निपटकपटपटुताप्रगटि उघरनिहियकीबानिहठिकरिमोहत प्रियनिकोशठकरिताहिबखानि६५ यथा॥ सौरभसुमनवारेहारपहि रावैआनिबारसुरझावैमनमोहैत्योंहठीलीको पटुताकपटकीअनेक प्रगटतनाहसाहमैनचोपैचित जौलोंचटकीलीको॥अंजनकीरेखैठग बदनबिशेषैमांगभनतकवींद्रपेखैप्रेमपिकजीलीकोढीलीकसीकिंकि णीहैगांठीबांधिदीन्हीकहि नीबीगुणछोरेछैलछलसो छबीलीको ६६॥ उपपतिलक्षण ॥दो०॥ परपतिनीसोनेहअतिकुलाचारकीहानि गोपनकोजोधनधरैसोउपपतिपहिंचानि६७॥यथा॥दीपकबरैनरैनि कारिअंधिआरीजहांबोलतबनैनसैनहीसोंमैनबाजीहै घूंघुरूघनक ताहिबिछिआझनकनाहिंकिंकिणीखनकजहांछनकनछाजीहै परब निताकेसंगकरतअनंगरंगभनत कवींद्रऐसीसरसईसाजीहै करत बिराजीकुलबधुनकीराजीश्यामगोपनइलाजी ऐसेसुरतसोराजीहै ६८॥अथवैसिकलक्षण ॥ दो० बैसिकतासोंकहतहैंनैसुकधरैनलोभ

अगणितबारबधूनसोंबिहरतकरतनक्षोभ ९९ ॥ यथा ॥ सबनकी भौंहैंबंकमूठीमेंसमातलंकदृगनपैपंकजाजखंजनखगीनको कुचनके मध्यमांहिहारलटकतगरेपरीपचलरीमणिजटितनगीनकोबैसिक रसिकलियेलगनबधूटीसंगमनमन्मथबूटीरंजतीरँगीनको दूरिया तेयाकोनाहिंपूरियाकेप्रेम कस्तूरिया मृगाज्योंमोहिराखतमृगीन को १०० उत्तमबैसिकलक्षण ॥ दो० ॥ उत्तमबैसिकसोरसिकउत्तमजा कीरीति धनदैमनदैमानदैप्रकटैतियसोंप्रीति १०१ ॥ यथा ॥ रसि कशिरोमणिसोहागभरीकोपीदेखिकोईओरदूजोजामेंऐसीचतुराई है केशरिकपूरकस्तूरीकोअतरदैकैकंचुकीकुचनकसीसतरसोहाईहै पीठपरपन्नगीज्योंडीठिडसैसौतिनकी वैनीनिजकरबरगूंदीमनभा ईहै बिबिधिबिहारद्वारदैकरिबहारवारैकरिउपचारप्यारेप्यारीयों मनाईहै १०२ ॥ मध्यमबैसिकलक्षण दो० ॥ सोबैसिकमध्यमकहो जोजानोमनभावप्रकटकोपअनुरागकोकरैनतियकोताव १०३ ॥ कोपअनुरागनप्रकटकीन्होयामिनीको नीकोभामिनीकोगहिली-न्हेंमनभावहै चम्पककनकतनपरवाकेवारनेकेभनतकबांद्रयोंरचा येउरचावहै शोभाकोसमूहसोसमेटेउभरिअंकलंकसौतिनकोदी-न्होबंकशंकदुखदावहै लालनकीमालदैमनाइलालबालप्यारीघ टानसनेहउहैंघटेउउपावहै १०४ ॥ अथ अधमबैसिक लक्षण दो० ॥ भयलज्जाओकृपासोसूनोजाकोगात ताहिकहतबैसिकअधमति यजियकोउतपात १०५ ॥ यथा ॥ दैरदगोलकपोलनखगडतदेत नितम्बनमेंनखघावै आसनसोंभुजपासनसोंयुगजंघशरासनसी नितनावै तोरतलंकउरोजमरोरतओठचचोरतचोरतचावै तापस केनशरापमरैवहतापसपासतूमोहिंपठावै १०६ ॥ पुनः ॥ फैली हैसुवासजाकी सैलीगैलीगलिनमें हिलकिसकैनमिटीअजौन निहारीहै भनतकबींन्द्र सुकुमारीबालसुन्दरीकी सुखमाअपारन कीमहिमाबिचारीहै सिसिकीभरतशिथलाईबितरतनाहिंदेसकी

बुन्दयातिअधिकारीहै मालहेतुऐसीबालसोपैतूकुचालकरचम्पेकै सीमालमीडिमैलीकरिडारीहै १०७ ॥ अथ मानीनायक लक्षण ॥ दो० ॥ मानीनायकजानिकैशठकैसीसबरीति हठकरिमोहततिय नकोप्रगटतउलटीप्रीति १०८ ॥ यथा ॥ ऐसीकौननारिजोनकरै मनुहारिताकिरावरीमुरारिचढ़ीभौंहैंसोहैंभालके औरख्यालऔरै हाललखिकैनिहारैलालकौनबालब्रजमेंपरैजैंजालजालके भनत कवींद्रआजुरावरेरसीलेश्याम कौनपैगसीलेनयनसीलेमानमाल के आधेऔरराधेआनिपायँनमेंधारैशीश वारैंप्राणगोपीजेकिनारे लागीचालकी १०९ ॥ चतुरनायकलक्षण ॥ दो० ॥चतुरकहावैसो रसिकवचनचातुरीठानि मनमोहैबनितानिके जानिब्यंगकीबानि ११० ॥ यथा ॥ नदीतीरवारेजहांनारेधारेभारेजहांरातिवेअँध्यारे जहांकासोहोतुगौनहै सूझतनपायँतरेशोरकरैंजीवतहांहहरहहर हहरातअतिपौनहै फिरैतूअकेलीअलबेलीतहांनेहबश केलीहेतु हेलीजहांभूतनकोभौनहै नीठहूनहोतजहांडीठिकोनिबेरीयेरीनै रोतहांसुन्दरसहाइतेरोकौनहै १११॥ अथ चेष्टा ब्यंगसमागमको लक्षण॥ दो० ॥ धुनिकरिकैजाकोअरथऊपरतेअधिकाइ ताहीकोसोब्यंग रसकहतसकलकबिराइ ११२॥ यथा ॥ बैठीगुरुलोगनकेपासप्रा णप्यारीजहांप्यासमिसआयोतहांप्यारोरसिकाईहै छतियातेछै लकोनछोड़तछबीलीभावैरातिकेसुरतिकीसुरतिउरआईहै भनत कवीन्द्रपेखिनारंगीललाकेकर बालहूउचितकीन्हीचितचतुराईहै हाथलैकैहरदीबदनमेंछुवाइफेरि आंगुरीहियेसोंडोरिकेशमेंमिला ईहै ११३ ॥ अथप्रोष्यतउपपति ॥यथा ॥ जबतेबिछोहतोसोंभयोहै नबेलीबालतबहींतेलालकेबिहालतासीछाईहै खानपानसौरभन कीकरतबआनसाथबोलनिहँसनितनमनबिसराईहै भनतकबी न्द्रश्यामसुंदरसलोनेजूकोसुन्दरीतिहारीसुन्दराईयोंसुहाईहै ॥ ते रेहीसुरतिकीसुरतिराखैरातोदिनतोहिं कोरसीलीसुमिरतरसिका

ईहै ११४ ॥ अथ प्रोषितउपपति यथा ॥ सासुकोसुनावैननदहूको सरसावैप्रीति देवरदेखावैरीतिपतिव्रतबारकी जानिकैनिकेतके सकलसोयेसोयेजन पहुंचेसकेतकोरकाढ़िकैकेवारकी भनतकवींद्र पांवदाबेपौढ़िरहैआनिसुरतिहियेमेंसोरिवारीरंगप्यारकी थांभै आमानचित्रभानुकीफुरनिथांभैबिछुरनिजानिकौनयेरीपरनारिकी ११५ ॥ अथ प्रोषितवेसिक ॥ यथा ॥ तानको ध्यानधरै जबचित्तमेंताननकोकछुआननभावै कौनगनैसुकवींद्रधनैमणि माणिकतातियपासबसावै हासबिलासहुलासखुलासनिहेरि मुलासनिफेरिबुलावैबारबिलासनिसोबिछुरैबहुवैसुकनेकुसुनासुख पावै ॥ ११६ ॥ अथ अनभिज्ञ लक्षण ॥ दो० ॥ मगनमूढ़तामेंरहैरस करिहोतनतिग्ग निंदैताकोनायकाताहिकहतअनभिग्ग ११७ ॥ यथा ॥ फूलतोदीवेकेमिसभुजनउठावैकुचकोरैहौदिखाइतिनघाइ रास्योपानिहै उघरेहूमूढ़कोनउघरैमनोजआलीरोजरोजहेरेहोति हितहीकीहानिहै ॥ भनतकवींद्र औरइंगितकीकहाबातगातहूके खुलेहूशांतिकीनपहिंचानिहै निपटअयानोनाहमेरोमौनवेरीयेरीक बर्योंसयानोह्वैहियेकीबातजानिहै ॥ ११८ ॥ अथ पीठिमर्द्द लक्षण ॥ दो० ॥ कोपकरैजोकामिनीवाहिरिझावनयोग पीठिमर्द्दतासोकहैं जेप्रबीणकबिलोग ॥ ११९ ॥ यथा ॥ मीनहोइकमीनेपरेपानी मेंनिहारेहारेहोइचकोरलौंतौचुगतअँगारेहै भनतकवींद्रजंगखंजन केकंजनको गंजनगरबकरिडारैकैनिवारेहै डारेरतनारेनारेकारे औरसेरेसेतउपमासितासिततरंगनितेभारेहै प्यारीतेरेमानकेदृगनिपरसानवारैकैबरकसीसेवेकमानवारेवारेहै १२० ॥ अथबिट लक्षण॥ दो० ॥ कामतंत्रमेंअतिचतुररहततियनकेखेद सबकबितासोंबिटकहतलखिसखानकेभेद १२१ ॥ यथा ॥ बनमेंकुहूकैमोरबन्योइन्द्रधनुपजोर पवनपुरवाईकीझकोड़त्योंअचानकी दादुरपपीहापिकजीहाकैबढ़ावैशोरअम्बर मढ़तेजोतिजोहियेनभा

नकी भनंतकबींद्र ऐसीबनकसुहाईआलीफैलीहैदुहाईचारौंओर पंचबानकी नीलीघटाघाईं हैंघुमड़िघनसीलीकीलीढीलीकरिपाई हैंहठीलीतेरेमानकी १२२ ॥ अथचेटलक्षण ॥ दो० ॥ कुपित कामिनीमानकीखेलतजोआखेट चतुरमहासंधानमेंताकोकहियत चेट १२३ ॥ यथा ॥ शीशफूलसूरभालथलीकोबिभूषैतरमंगल सुरंगबिंदुबंदनकोझलकै टीकसुरगुरूमुखचंद्रकोबिलोकैशुक्रल-टकनमोतीसोंनरोकैराहअलकै ठोढीअंकश्यामशनि गोरोरंगबुध गनिऐंठतजेठानीकतसौंतिनकोतलकै उच्चथलपरेहैंसकलग्रहतेरे आलीनाहबनमालीलटूभयोतोपैलालकै १२४ ॥ अथबिटूषकलक्षण ॥ दो० ॥ विकृतबदनकरिहासकरितियकोकरतप्रसन्नताहिबि-दूषककहतहैं जेशिंगाररससन्न १२५ ॥ यथा ॥ कान्हअति कारेतिनलादेहैंकस्वारेतनपीतांवरपीठिपरजरदीकोपरहै पीठिम र्दबिटचेटबिदूषककहै चारोंसखाचारिऊकेकाजकरिबेकोजाकेवर है भनतकबींद्रहासबासखासख्यालनिसोंबालनिमिलावैसुखहां-सीफुलझरहैं गुंजरतपुंजरतसुमनसुमनब्रजबल्लीबल्लरीनमेंफ़ि रतमधुकरहैं १२६ ॥ अथसात्विकभावकथ्यते ॥ दो० ॥ स्तंभस्वेद रोमांचसुरभंगकंपपहिंचानि बिवरणअश्रुप्रलैसहितआठौ सा-त्विकजानि १२७ ॥ स्तम्भलक्षण ॥ दो० ॥ भयतेहर्षबिषादतेथिर ताजितैलखाइ स्तंभकहततताकोसुकबिप्रगटतपाइउपाइ १२८ ॥ उततेछबीलोछैलकढ्योआनिवाहीगैलइतैगोरीग्वालिरंगयौबनके पागीहैं भनतकबींद्रभेटह्वैगईअचानकहीबानकमिलापकीदूहूके उरजागीहैं सिमिटिसकोचनतेदोऊमुरिमुसक्यानेऔरैगतिमति कीसुरतिह्वांतेभागीहैं दोऊछबिरहेजकिरहेदोऊथकिरहे खोरि सांकरीमेंखोरिदुहुनकोलागीहैं १२९॥ स्वेदलक्षण ॥ दो० भयतेम-गतेखेदतेतियमिलिबेकोभेद उपजतजलकणदेहमेंताकोकहियत स्वेद १३० ॥ यथा ॥ प्यारीबिपरीतिरतिकरैप्यारेपतिसंगदुहुन

केरंगतेअनंगहेरिहरषै भनतकबीन्द्रबेनीपीठिपैडुलतकैधोंपन्नगी सुबासहेमबल्लिकातेकरषै नखरदखंडनकैचतुरनारिचुम्बनकैसी बीकरैप्योपरयोनसीबीप्रेमपरषै मुखतेउचटिस्वेदकणपरैकुचनि पैमानोंइन्दुईशपैसुधाकबुंदबरषै १३१ कामकलाकूकमाचीसौ-तिहियेहूकमाचीबाजी नूपुरावलीकिऐसीछबिलहीहै यौबनमही पतिकीनौबतिनिदानकीधौंत्रिभुवनजीतिताकीसादीकरीसहीहै सु रतकेश्रमगोरीग्वालिनीकीदेहपरस्वेदबुंदपांतियोंदेखातिनेह ग-हीहै केलिअन्तनिरखीनवेलीकीबनकमानोकनककीबेलीमेंचमेली फूलिरहीहै १३२ ॥ अथरोमांचलक्षण ॥ दो० ॥ आलिंगनतेशीतते हर्षतेहियसंचउलहततनतनरुहप्रगटताहिकहतरोमांच १३३ ॥ यथा ॥ छलबलकरिसखील्याईकेलिमंदिरमेंप्यारेशंकभरीअंकभ-रीत्योंसिताबकी उरतेसिमिटिकैसकोचनतेरंचभईनिरखीरोमंचम यीअंगनयोआवकी चटकैसीचटकैसीलोटीसीलचीसीजातिउपमा कबींद्रभनैउकुतिजवाबकी डारीमेंकढीपाकुरीसीअधखुलीमुली कलीखैंचिखैंचिमानौखोलतगुलाबकी १३४ ॥ स्वरभंगलक्षण ॥ दो० ॥ गद्गदह्वैआवैगरोदुखसुखप्रेमप्रसंगप्रगटितहोतनवै-नमुखताहिकहतस्वरभंग १३५ ॥ यथा ॥ प्यारोपरोसिनिसोवत योंचितऐंठतिसीदुलहीसुलहीहै योंपुनिगोरीगरोभरिकैबिलखी सुलखीनखरेखमहीहै प्रीतमसोंबिरुखीरुखह्वै इमिइंदुमुखीकुल कानिबहीहै बातकढ़ीनकछूमुखतेजलजातसेनयननचाहिरहीहै १३६ ॥ अथ कंपलक्षण ॥ दो० ॥ आलिंगनतेहर्षतेभयतेउपजति चाहि कंपकहतताकोसुकबिरसग्रन्थनअवगाहि १३७ ॥ यथा ॥ दोऊएकसंगमिलिकरतअनंगरंग खिलेसेलसतिअंगसुरतिसमाज ते भनतकवींद्रभांतिभांतिनकेआसनकै मुखमधुप्रासनकैप्रगटैन प्राजते गुरुजनकाननमेंझनकपरेतेप्यारेब नकनशैहैकुलकानिके अकाजते लालसोंनपैरीबैनलेतनकपैरीज्योंज्यों बाजैपगपैरी त्यों

कपैरीप्यारीलाजते १३८ ॥ अथवैवर्ण्य लक्षण ॥ दो० ॥ तापशीत श्रमविरहमयकोहमोहमगजन्यविवरणहोतशरीरजहँ ताहिकहत वैवर्न्य १३९ ॥ यथा ॥ सोईबाललालसंगसौरभसमोईहालर-जनीमेंसजनीरीसमिट्योसुखकेलिको लपटिलपेटपटअंकभरिभे-ट्योप्यारे मैनकीमसूसोमिट्योसुखयोंसहेलीको आनिकैअचानक हीकुक्कुटसुनायोनादतपकेबिपादसूर्य्योचौसरचमेलीको सांझके सराजकेयौंभोरकोककलानिधियोसुखमाबिमुखमुखहवैगयो नवे-लीको १४० ॥ अश्रु लक्षण ॥ दो० ॥ स्तम्भहर्षआमर्षभयशोक शीशपहिंचानि धूमलगेयकटकलगेहगजलअश्रुबखानि १४१ ॥ यथा ॥ आयोपरदेशतेसलोनाश्यामसुनिवामश्रवणअघानेलखिलो चनबिमोहेहैं बालहूनिहारेलालहेतहीतिहारेदुखतारेभरिआयेसु-खनीरअवरोहेहैं भनतकबींद्रआसपासकैलेपलनिकेढरकेनबाहेर कोऐसीभांतिसोहेहैं आनँदकेअँशुवाउकतयेनीउपमाकेपैनीबरुणी नमेंमुकुतमानोपोहेहैं १४२ ॥ अथ प्रलय लक्षण ॥ दो० ॥ सुधिनहिं जहांशरीरकी जीवरहोगुणगोइ परनसमानशिंगारको प्रलयक-हावतसोइ १४३॥ यथा ॥ संगसजनीनकेसिधारीसुकुमारीप्यारी जितैहुतीथलीगिरिधारीकेबिहारकी भनतकबीन्द्रमगअंगनझकोर झांपीकोरवारेघांघरेकीचीर जरतारकी देखिवनरीतोवनरीतोअ-कुलाइगरेलाइगईलागितनमोहनउदारकी भूमैगिरीभूमैचढ़ीचक सिसुतासमररकिमरूरनिसलोनीयोंसुमारकी १४४ ॥ जृंभा लक्षण ॥ दो० ॥ जृम्भादेहबिकारतेमरसैमुखमेंआइआलसमोह बिछोहसोप्रगटहोइमिटिजाइ १४५ ॥ यथा ॥ छूटिरहेमुखमें कचमेंचकराहुमनोचलिचंदहिरोंकैननितेइमिनीरबहै अरबिन्दम नोमकरंदहिमोंकैबारहिबारजभांतिहैनारिसँभारिसकैनबियोगके शोकैआवनकोमनभावनकोवहठाढ़ीअटापरपंथबिलोकै १४६ ॥ अथहावनिरूप्यते ॥ दो० ॥ लीलाहावबिलासपुनिगुणबिक्षिप्त

बिचारि बिभ्रमकिलकिंचित्कह्योमोटाइतनिरधारि १४७ ॥ कुटुम्बितौबिद्योकयुतललितबिहितचितचाव हितशिंगारसंयोगके येबरणेदशहाव १४८ ॥ लीलाहावलक्षण ॥दो०॥प्रियपियकीआकृतिकरैभूषणबसनबनावयाहीबिधिबोलैहँसैसोहैलीलाहाव १४९ यथा ॥ गरेबनमालभालचंदनकीखौरिकरे मुरलीअधरधरेजिनतोहिंमोहेउहै जिनकहेउआजुनंदनंदनबनकआनपैनीतानतासोमानकौन२पोहेउहै मनतकवींद्रमोरपाखनकीराखनसोनटवरवेषतौकिशोरीइमिसोहेउहै पीरीकैनिपटदेहसौतिनकीपीरीकरी पीरीपागबांधीरीमोहनतेमोहेउहै १५० ॥ बिलासहावलक्षण ॥ दो० ॥ मगननयनभुवबदनतेइंगितचदैबिशेष तासोंहावबिलासकहिबरणतसुकबिअशेष १५१ ॥ यथा ॥ गोरेतनजाकेयोंसुहाईहेरीसारीहरीसारीसाधिबुधिजिननंदकेकुमारकी घांघरेसुरंगकीवधूमनिछवानछैकैछोरनितेछूटीसीपरतिरसतारकी बिहँसतचलीरतिमंदिरकोचंदमुखी मोतिनकी ज्योतितैसीअंगनबहारकी भलीबनी जातिजापैवारियतबनीजातिऐसीबनीरातिमानोमनीहै शिंगारकी १५२ ॥ बिहितहावलक्षण ॥ दो० ॥ तनकबनकहीमेंजहांशोभा अतिसरसाइ ताहिहावबिक्षितकहियबरणतहैंकबिराइ १५३ ॥ यथा ॥ एड़िनमेंतेरेअरुणाईयोंलसतिजापैवारियतवदनसदाही सौतिभालको सुमनगुलाबकैसेसुन्दरगुलुफतेरे कुलुफकैराखत चितैवोट्जबालकोनैनकजरारेबैनसुधाकेसुधारेयेनिकहांलोंबखानैतनरूपज्योतिजालकोकहाकियोचाहै तैशिंगारकैनिगोड़ीबालह रेबिंदुदीन्हेसोहरयोहैमनलालको १५४ ॥ बिभ्रमहावलक्षण ॥ दो० भूषणवसनशिंगारकोजहांबिपर्य्ययहोत ताकोबिभ्रमहावकहिबरणतसुमतिउदोत १५५ ॥ यथा ॥बांसुरीबजाईआनिकुंवरकन्हाई तहां तानलागेतनकंठकितभोरकंजसो नेवरकरनबांधे जेवरगरेकेपाइदेवरकेडरसोतोरेंचिकियोखंजसो वोरीतिमिछरीबालभन-

तकवींद्रहालहालकोबिलोकिलीन्होसखिनकोगुंजसो अंजनअंज-
नसोतासमयसुहायोवाकोएकदृगखंजनसोंएकदृगकंजसो १५६ ॥
किलकिंचितहावलक्षण ॥ दो० ॥ हरषगरबअभिलाषश्रम लोभहाव
भयचाहि होतएकहीबारजहँकिलकिंचितकहिताहि १५७ यथा॥
चंदपरबैठीद्वैचकोरीनिरधारकैधौं भ्रमसेनयुतकंजपाखुरीठिहारीहै
भनतकवींद्रहैअनोखीअनियारीगंजे खंजनगरबसोहोजरबसिहा-
रीहै जांगीसौतिजनसो दुजागीकरिबेकेहेत लागीलालहियेहाल
कौतुककरारीहै हासवारीत्रासवारीआंशूदेखपासवारी रोषरास
वारीप्यारीआंखैंयोंनिहारीहै १५८ ॥ मोटाइतहावलक्षण ॥ दो० ॥
तियपियबैननितेबिमुख करैसंगअभिलाष तासोंमोटाइतकहत जे
कवीन्द्ररससाष १५६॥ यथा ॥ घूमिघटानभछाईभूमिह्वैदेखाईआ
निगरबकेजोरजोहिजोहिघनजालसोदादुरपपीहामोरठौरठौरक-
रैशोरकूकैसुनिकंपैजोरकोकिलकरालसो भनतकवींद्रभावेकौनको
नवेलीसेजकेलीरंगभूलैरीनवेलीकौनबालसो तबतोनमान्योअब
आपतेमनायोचहै नवलकिशोरीकोकिशोरीकहौलालसो १६० ॥
कुटुमितहावलक्षण ॥ दो० ॥ कपटकापसंकोचतेदुखमेंसुखसरसाइ
होतकुटुम्बतहावतहँतियरतिमेंअरसाइ १६१ ॥ यथा ॥ सीकरि
कैबीकरिकैकुहुकबगारैकंठ ओपैकामकलाकैधौं चौपैचितचाहके
भनतकवींद्रदाबदंतनअधररस पीवैतसधरसीखै कोककीसलाह
के मसकतलंककसकतवाकेगोरेगातनसकतछोड़िससकतउरआ-
हके नाहींनाहींकरै ज्योंदेखावैदुखराहप्यारी त्योंत्योंरतिरंगमें
उछाहबाढ़ैनाहके १६२ ॥ बिद्योकहावलक्षण ॥ दो० ॥ जहांअनाद-
रनाहको करैतियाकरिमान तहांहावबिद्योककहि बरणतसुकबि
सुजान १६३ ॥ यथा ॥ आपुहीत्रिभंगीगातभलीबनिआईबात
योगयोगमिलैबाढ़ैभोगअधिकारैहै कारेअष्टकुंडलीहैयाहीतेनतान
नहैताननकीधुनिसोयेफुंकरनिधारैहैंधारहैं मुकुटवहैमाथेमेंबिराजै

मनिवाकीचितवनिबिशब्रजमेंबगारेहैं मारेहैंगुरनिउन्हैलाजौना लगतिकूरकूबरीकैह्वैकैहोनचाहतहमारेहैं १६४ ॥ अथललितहाव लक्षण ॥ दो० भूषणबसनसँवारितियमिलैनाहसोंआनि ललित हावतासोंकहैंजेप्रबीणरसखानि १६५ ॥ यथा ॥ सारीजरतारी त्योंकिनारीदैकैघांघरेकीझलकपसारीवहैओजमयीछाईहै भनतक बींद्रअंगअंगनिमेंआभरणबसेहैंसुदेशखुसबोईकीबड़ाईहैराजैऋतु राजमानकरैसोगुनाहीलंक लागीरसनाकीबानिडौंड़ीलौंबजाईहै लालकेमिलनकोसिधाईसौतिसालबालछाईमनौमैनमहिपालकी दुहाईहै १६६ ॥ अथविहितहावलक्षण ॥ दो० जहांबहैदृगजाल सोकरैअनेकअकाज बिहितहावतासोंकहत जेप्रबीणकबिराज १६७॥यथा ॥बनेबागेबीरआयेलैअहीरएकैनचैएकैगावैखरेखरेभरे रंगरागमें तैनसखियानकेसमेटेभरिभेंटेआलीफेटेसोगुलाललैल पेटेभौनबागमें केशरिकमोरीमैनठोरीचितचोरीकरीचौंकेभगेमृ-गसेलगेनदृगलागमें लाजयानिगोड़ीमेरेअंगउपलँगेकरेफंगेपरे मेरेमैनरंगश्यामफागमें १६८ ॥ अथदशाबर्णन ॥ दो० अभि-लाषैचिन्तासुध्योगुच्कथनउद्वेग पुनिप्रलापउन्मादपुनिव्याधौ जड़ताबेग १६९ निर्धनबरणतसुकबिकुलअखिलअमंगलमानि बिप्रलंभशिंगारकोदशौअवस्थाजानि १७० ॥ अभिलाषलक्षण ॥ दो० तियकेपियकेमिलनकीचाहबढ़ैचितचाषताहीकोसबसुकबि कुलभाषतहैंअभिलाष १७१ ॥ यथा ॥ आयोबसंतरसालकेबौरमें कोकिलहूकलकूकनिजोरी भौंरभिरैंमननातभटूमुखलीनकरैनक-लीनकीकोरी चाइलगैमलयानके मामुरझैंमहपाइसुबासकीजोरी हायहियेकोबियोगबहाइकबैपियआइधौंबोलिहैंहोरी१७२॥चिन्ता लक्षण ॥दो० बिछुरेपियकीदरशकीचिन्ताउरअधिकाइतासोंचिन्ता कहतकबिरसग्रन्थनठहराइ १७३ ॥ यथा ॥ प्यारेकेदरशबिनआ दरसभारीआंखैंसरसअधारीसीनिहारैझुरैझखिकै चिंताकेउदधिमें

मगनहवैरह्योहैप्राणआंशूत्योंउमंगततरंगरंगसरिकैभनतकवीन्द्र रात्योदिनऐसीरीतिदेखै प्रेमकेपरेखकेसरेखेअनमिखकैयेरतैंचिते-रेमोपैकृपाकैचितैरेमोहिंदेरेऐसीसूरतनितेरेएकलिखिकै १७४ ॥ अथस्मृति लक्षण ॥ दो० जाहिलखेपियबदनकीतियकीसुधिसरसाइता हीकास्मृतिकहतजेसुबुद्धिकबिराइ १७५ ॥ यथा॥ निरखितमा लसुधिआवैश्यामसुंदरकीतबतबसूखैमनहींमेंअभिलाखिकै लाज तेसुनावैनासखीनहूकोजोहीबीचमोहीसीरहतिहैबिरहबिषचाखि-कै भनतकबींद्रजितैबसैपरदेशीलालतितैउठिबैठेबालमनसिख साखिकैउरजकरैनदुखलसैबानचोलीकसैसूरजमुखीलोंमुखवाही रुखराखिकै १७६॥ अथगुनकथन ॥ दो० पियजियकीजहँबिरहमेंक रैबड़ाईनाह ताहिकहतहैंगुणकथनजिनकोरसकीचाह १७७ यथा वाहीभावतीकोभावैतनकोबिलासमोहिंतनकोनभावैतक्योआनब नितानको मिलिबोसोहातमोहिंवाहीकेहियेकोहियेआनकोमिलैन जैसेपरसपषानकोभनतकबींद्रवाकीकहांलौबखानोखूबीऊबीदेह वाकीबानपोषपावैप्रानकोमेरेवहैनेमजोमनैवोवाहीमानिनीकोप्रेम वाकेमानकोपरेखोवाहीमानको १७८ ॥ उद्वेगलक्षण ॥ दोहा ॥काम कठिनदेतेअहितलागतबिषैअनेग तियपियकेबिछुरेबढ़ताहिकहत उद्वेग १७९ ॥ यथा ॥ हूलसमलागैफूलफूलसीसुबासलागैबाग लागैबाघसेतड़ागलागैडागसों भनतकबींद्रमृगमदलागैकरर-सोखानपानबानसे दुकूलदेहदागसों प्यारेकेबियोगतेबिकल-योंनिहारीबालबोलतमरालसोऊलागैकूरकागसों चंद्रलागैचित सोअँगारसोअगरलागैघरुलागैगरलसोनमनुलागैनागसों १८० अथप्रलापलक्षण ॥ दोहा ॥ तियपियकेबिछुरेबढ़ैउरबिक्षेपअलाप उत्क-ण्ठातेउदितजोताकोकहतप्रलाप १८१ ॥ यथा ॥ माधौमधुपंच मीबिताईकहूंअनतहीबीतेअवधिबीतीसीकरतसुकुमारीहै हेरिकहै आयेहरिहरीसीहैराजीसीमेरेअगिराना अंगअलिसोररारीहै भनत

कवींद्र दिनचारिबीतेफागुनके कागुनउड़ातकाहेदेततकोगारी है जीवैगीकिशोरीजोरीबाहजोरीकरिप्यारेखोरीस्यालसमैआनिहो रीकोपसारीहै १८२ ॥ अथउनमादलक्षण दोहा ॥ उत्कंठाकेतापते मनबिकारकोबाद वृथाहोततियपियबिरह ताहिकहतउन्माद १८३ ॥ यथा ॥ नाहींघनपांतितनकांतिश्यामसुन्दरकीनहींवक सेतमुकुताहलहैंमालको नाहींसुघराईदन्तसमहैंअनारदाने नाहीं हैंत्रिपुंडभालसमचन्द्रभालको भनतकवींद्रमुसुक्यानिसोहैं सां वरेकीकैधौंतनकौंधाबिजुरीकीजातिजालको चाहिरहैचकसीचको रनयनीचाह्योऔरगाहिरूपमोहबशमोहनगोपालको १८४ ॥ व्याधिलक्षण ॥ दोहा ॥ मदनवेदनातेबढ़ैतापदुबरईदेहताकोबरणत व्याधिकहिजिनकेरसकोनेह १८५॥ यथा॥ दूपनसेतनकेउतारिडारै भूषणनअतिहि बिकलबैठीऐसोभयोहालुहै जोतीजोपैपरीतौ उड़ा इमिलिलेतीताहिपरीरहैयेकठोरउठिवोजँजालुहैभनतकवींद्रतोवि योगवाकीदीनदशाखीनहोतनिरखेसखीनहूंकोजालुहै दूबरीभई नहोतिदूबरीदेखातिऐसीतूबरीलौसूखितूवरीसीभईबालहै १८६ अथजड़तालक्षण ॥ दो० ॥ बिरहबिथाकेयोगतेततथिरसकैनचाहिजीव रहैहियमेंबन्योजड़ताभाषताहि १८७ ॥ यथा ॥ दारसीभईहै दारउजहीउदारसीहैंघूंघुटौकीसुधिनाहिंसखिनलैढांकीहै नारीकै नरकनारीदेखे होतकरनारी रचनाछीनारीसुकवीन्द्र बिधिनाकी है वेदननजानैखेदभेदनउपायकछू खेदनहरनडीठिवारेकागना कीहै प्रानवाकेतुममेंबसततुमवाकेहिये नातरुतौवाकेकछूवाके मैनबाकीहै १८८ ॥ दोहा ॥ बिप्रलंभशृंगारमेंनवबरणतकबि लोगजिवनतजैदशईदशाजानिअमंगलयोग १८९ अथस्वप्नि च साक्षाद्दृर्शनवेदनदर्शनांचथा च ॥अथस्वप्नदर्शनयथा॥ सपनेमेंआजुनंद-नन्दनमिल्योरीआलीसुखमाबिशालकी खुशालीसोउलहिकै ग-रेबनमालधरेमुरलीअधरशीश मोरकोमुकुटत्यों तमोरमुखमहिकै

भनतकवीन्द्रयोंमायागिभोहियेमेंलागेजागेतें,गयेवेमेरे आगेतेउज हिकैकहांतेनिगोड़ीनींदनैननतेजातिरहीहौंलजातरहीरीरहीनग-रोगहिकै १६०॥ अथ चिचदर्शनंयथा॥प्यारेकेबियोगबशब्याकुलनिहा रिप्यारीअनुहारिपीकीलखीशोभासरसनकी भूषणबसनतनदीप तिकीसरसाईदरशाईबालकोबिनोदबरसनकीऔधिकोबितायतुम आयेसुकवीन्द्रप्यारेपरखीनबेदनाहमारेतरसनकी दैगईवरहनो गईनकरीभईवाकेअक्षनप्रतीतिप्रतिक्षनदरशनकी।१६१॥ अथसाक्षा द्दर्शनं॥ यथा॥ केशरिकीखौरिभालगरेधरेगुंजमाललालकरलकुट मुकुटशीशसोह्योहै पीतपटफेंटाकटिऐंठाकोकसेरीसैरीजहांनिक-सैरीतहांऐसीभांतिसोह्योहै भनतकवीन्द्र गेहआंगनसोहातहैन देखेबिनाआंगनमेंऔरैरंगरोह्योहै काहूसेकहौंतौहौंमैंलोकमैंनलहौं वाहिटोनाडारिसांवरेढोटौनामनमोह्योहै १६२॥ अथ चिचदर्शन॥ यथा॥ पीतमकेपटमेंलिख्योचित्रनिहारिछकीतियमोदमढ़ायेता पलमेंपललागतहोसपनेसुख सोअपनेपियपाये बालकेआनँदबा-ढ़तहीपरतीतभईकछुलालकेआयेयोंयकबारसितासितमें बढ़ीजात बिहारत्रिधारकेन्हाय १६३॥ प्रौढ़ा नायकाबिरहिनी॥ कबित्त॥ श रदमयंकयोकलंकभरोपियबिनदरदकरदसमदेतहियहूलिकै सौ-तिकीसहेलीवायपायकैअकेलीआयबिरहदवारिबारिदेति फूंकिफू लिकैसुखकेसमाजसाजदुखदाई लेखराज तापैतापतायतनअतन अतूलिकै ऐसीपीरभीरसमयआयो नाहधीरतीर केलैकौनबीरभो रभावतेसोभूलिकै १६४॥

दोहा॥ रविदिनसंवत्लोकशशि रंध्रचंद्रशुभजान।
फाल्गुणसितसरकैमुद्रितलखपतगिरकरमान १६१३॥

इतिश्रीकबिकुलकुमदानन्दबर्द्धने श्रीगोपीजनबल्लभरहस्येउदय नाथकवीन्द्रबिरचितेबिनोदकाव्येचंद्रोदयाख्योग्रंथःसमाप्तः॥

श्रीगणेशायनमः ॥

अथरसबृष्टिग्रंथलिख्यते ॥



दो० ॥ श्रीगणपतिपदबंदिकै उरधरिशिवसुखधाम शारदा-
दिमहिदेवकबि करिकरजोरिप्रणाम १ सबमिलिमोहिंकृपाकरो
देहुबिमलहियदृष्टि राधाहरिशृङ्गारसुख कियोचहौंरसवृष्टि २
क० ॥ बारिजनैनसोहैयकईरदनजाकेसुखमासदनसोसहायकरि
सतिके दारिददहनसुरतरुकोग्रहणसोहैमूषकबहनबिहगनखल
मतिके सबसुखसागरउजागरगुनाकरहैबुधिबरनागरदेवैयाशुभ
गतिके बिमलकरनज्ञानध्यानधरिशिवनाथसंकठहरणयेचरणग-
णपतिके ३ छ० ॥ जैबाणीगुणखानिमातुअघहानिकरनतुव जै
अम्बिकाभवानिदानिकल्याणकरणभुव जपतनामतवदासआश
संतोषज्ञानध्रुव बांछितफलदातारसकलसंसारचरणछुव चारि
पदारथकरबसैदेविदरिद्रहिंनाशिनी करियकृपाशिवनाथपरबि-
दितब्रह्मपुरबासिनी ४ ॥ अथनारायण स्तुति ॥ क० ॥ जाकोनामज
पतअजामिलौसुगतिपाईसेवरीयमनजड़तार्योगुणगाहेही ब्राह्म
णसुदामाकेसंपदाछदामानाहिं दियोधौलधामाबामाकामकैयाहे-
ही जाहिसुखलागिअनुरागिजागियोगीजनकंसकीसहेलीपायो
चंदनलगाहेही गजगणिकाहूसेमोहिं जानिपर्योश्यामकबिशिव
नाथनाथबनैगीनिबाहेही ५ अन्यच्च ॥ विरदतिहारोचारौवेदनपुका
र्योतार्योपतितअनेककोऊकहांलौंगनावैगो गीधगजगणिकाके
तारबेकोसुयशहूंकरनपरैगोकाहूतोहीसुखछावैगो द्रौपदीपुकारी
त्योंउबारीगाढ़ेसंकठसोंरावरोहमारोकौनझगरोचुकावैगो औगुन
गनानमेरेआपनेगुननदेखिकबिशिवनाथनाथतारेबनिआवैगो ६॥

अथ गौरीशंकरस्तुति ॥ दानिनमेंबड़ेदानिचार्योयुगमानिश्रीके देवता नहूंकेदेवनागरसपीजिये ऐसोसुखधामनामकामनाकोदेनहारोआपनेजननदेतत्योहींमोहिंदीजिये भिक्षुकहोंब्राह्मणनजानों कोईउद्यमननामशिवनाथमेरोयेतोयशलीजिये अंबिकाभवानीबरदानीसबजगजानीसमैपाइशिवसोंअरजमेरीकीजिये ७ ॥ अन्यच्च ॥ गुणनबिहीनहौंअधीनलीनमानमद औगुणअनेकअंगकहांलौंगनीजिये कामक्रोधमोहमायायाहीतेरहतप्रीति त्रिबिधतपतापतातेतनछीजिये करतउपाउयेकुचालीबसिउरअंतर कबिशिवनाथ ध्यानकैसेकैलगीजिये अंबिकाभवानीबरदानीसबजगजानीसमैपाइशिवसोंअरजमेरीकीजिये८ ॥ अथ कबिबंश बर्णन ॥ दो० ॥ बिरच्योलवकुशनयबरकुरसीनामप्रसिद्ध कात्याइणिशुभबंशमेंब्रह्मदासभयेसिद्ध ६ तिनकेबिजयानंदसुतउपज्योपरमप्रकाशकमलापतितिनकेभयेकमलापतिकेदास १० तिनकेबद्रीनाथभेगुणआगरशुभकर्म भयेशिरोमणिकुलकमलनिरतआपनेधर्म ११ तिनकेझाऊलालभयेसेवकराधानाथ तिनकेकुलमेंअवतरेपण्डितकबिशिवनाथ १२ कुशलसिंहशिरमौरनृप नायकरसिकसुजानदुबेबंशशिवनाथसोंकीन्होप्रेमप्रमान १३ हितकरिकह्योकरौंसुरसबरणबिबेकबिचारि अष्टनायकाभेदयह प्रथकप्रथकअनुसारि १४ ॥ अथ नगरबर्णन ॥ नगरपवावोअगरअतिबगरबगरशुभकर्मजपतपबिद्यावेदबिधिबसैंबड़ेधनधर्म १५ राजश्रीराजतभईराजद्वारधरिधीर आठयामजहंदेखियेकबिकोबिदकीभीर १६ ॥ अथ राजबंशबर्णन ॥ बसिबिक्रमहरिचन्द्रशिविजेशकबन्धीभूप सबकीशाकासहसकरदीन्हीत्रिभुवनरूप १७ छं० ॥ पुरुषापरमप्रसिद्धशालिबाहनजगजायो बंशबगालीभयोधर्मथलअचलबनायो जगतराइसंग्रामकल्पतरुबीजजमायो निजकरकरिकल्याणबिक्रमहिंसींचिबढ़ायो दानिमाहिंपल्लवसुमनहाथीरास्योहाथबललह

लहाताशिवनाथकविकुसलसिंहस्वैसुफलफल १८॥ आशीर्बादजबल-
गिमहिअहिशीशईशकैलासनिवासीजबलगिउड़गण चंद्रभानुभा
रतीप्रकाशी जबलगिध्रुवध्रुवलोकइंदिराहरिउरबासीजबलगवे
दपुराणउदधिमहिमाबिमलासी शिवनाथराजकुशलेशकोझलकि
झलकिकीरतिलहैसंपतिसमाजऐश्वर्यसुतचिरंजीवतबलगिरहै॥
१९॥ अथयशवर्णनम् ॥ क०॥ जेगजअरिनकेझुंडनबिडारिदेतदान
सनमानकीअवधितनभर्योहै भूषणऔबसनअनेकदीन्हींयाचकन
कबिशिवनाथकैयोबारयज्ञकर्योहै जाकेमनसूबेकहँसाहेबसराहत
हैंसुनतपुराणविप्रज्ञानअनुसर्योहै अणिमादिकसिद्धिसोबिराज
तभवनबीचकुशलसिंहधमकोध्वजाअवतर्योहै २०॥ अन्यच॥कैधौं
नंदलालकोसखाहैकोऊपूरुबकोकैधौं बलिबिक्रमकीशाकाकोदरशु
हैकैधौंमानधाताहरिचंदकैदधीचिशिवि लयोअवतारमहिकंचनबर
सुहै कैधौंमानोनरलोकअवतरेउजामदग्निसबगुणपूर्णएकहाथना
परशुहै कैधौंशिवनाथकामधेनुकैकलपतरुकरनकीसाकरनीबिराज
तसरसुहै२१ अथदानवर्णनम् ॥चकईकहतपतितजहुबियोगअबकुशल
नरेशदानदेतसुबरनको टांकिनसोंतोरिकैसुमेरुदीजैयाचकनभयो
अवतारमहिमंडलकरनको ओटनपरैदिनेशरैनकिमिऐहैदेशनेकन
अँदेशोमोहिंबिरहबरनको कहिहैंबिलासशिवनाथदुखदूरिकरिका
हिसुधिरहैपियपोषणभरनको२२ ॥अथसभाबर्णनम्॥ भासमानभानु
समतपतप्रतापबनअवलीखिलतकबिकुलअलिबिंदकी उड़गणसे
अरिगणदुरतछबिदेखतहीघूघूसे घुसतहरिद्विजपरनंदकीएकओर
नादसुरप्रातकेबिहंगमसेएकओरवेदुवाकरैंचरचागोबिंदकीएकओ
रशूरशिरदारसोहैंशिवनाथइंद्रकीसभाहैकैधौंकुशलनरिंदकी२३।

इतिश्रीशिरमौरकुशलसिंह बिरचितायांरसवृष्टिदेव
स्तुतियशवर्णनमप्रथमरहस्यम् १॥

अथनायकबर्णनम्॥ दो०॥ तरुणंरूपअभिमानतजिपरमबिबेकीहोइ धनीजयीशुचिबुद्धिबरनायकबरणींसोइ १पतिउपपतिवैसिकसुनौ नायकत्रिबिधिप्रकारतिनकेलक्षणदोषसबबरणींसहितबिचार २॥ अथ पतिबर्णनम्॥श्रुतिमारगरतलोकबिधिअतिअचारशुभकर्म पतिना यककोबिदकहतएकनारिब्रतधर्म ३॥क० कढ़ीक्षीरसागरतेकमला कनकज्योतिहरिउरबसीउरबशकरिराख्योई लागेसेजतरनकमल मुखओटदेंदेदयासुखसागरसुरसअभिलाख्योई तारनतरनतापत्रि बिधहरनसोईशिवनाथसुयशनिगमभनिराख्योई फनपतिफननप रफूलनबिछाइसेजफूलिफूलिबदनबिनोदरसचाख्योई४॥स०॥ ब्याहनआयेहिमंचलकेजिनकीमतिआकधतूरखरीहै मारगमिश्र मसीकरबालकेआइगुयेफनछाहँकरीहै बरषेबरबुंदसुधाधरतेहरलै गिरिजाअरधंगधरीहैलैचलेआपनेमन्दिरको यशगावतकिन्नरनाग नरीहै ५॥ दो०॥ सोपतिचारिप्रकारकेभिन्नभिन्नगुणगाथअनु- कूलदक्षशठधृष्ठपुनिबर्णतकबिशिवनाथ ६॥ अथअनकूललक्षणम्॥ मनसाबाचाकर्मनासदाएकतियप्रेम परनारिनप्रतिकूलहैसोअनु- कूलसनेम ७॥ स०॥ औरनसोनहँसेसपनेअपनेमनकाहूकिबा- तनआनै धीरधुरीनप्रबीनगुनाकरउत्तममध्यमकीपहिंचानैदान दयासनमानसुशीलताआठहुयामयहैमनमानै ऐसीसयानसिरयो कहँमोहनतेरोईहासबिलासहिजानै ८॥अथ दक्षलक्षण दो०॥॥सब कोमनलीन्हेरहैकरैनरसकीहानि चलनचातुरीदीनतादक्षसुलक्ष णजानि ९॥स०॥ लीन्हेरहैसबकोमनहाथसनाथकरैब्रजनाथ निहारीनयनबिलासनकोमलहासनदीनभयोरहैमानबिसारी नेह निबाहनकोगतिमाइकहाकहियेयहिकुंजबिहारी डोलनिमंदिरमं दिरकीरसखेलनिबोलनिकीबलिहारी १०॥ अथशठलक्षण॥दो०॥ मृदुलबचनमुखसोंकहैहृदयकपटछलरीति शठनायकतेहिजानिये थिरनरहैमतिप्रीति११॥स०॥कान्हछलीगुरुलोगकहैंसबतापस

ह्वैदशकंधमल्योरीबावनह्वै बलिबांधिलियोसबराजदियोसुररा
जभल्योरीसतटारिजलंधरकीयुवती हरणाकुशबालिकोगर्बगल्यो
री मोहनीह्वैशिवनाथछल्योइनकोसजनीछलफैलिफल्योरी १२
अथधृष्टलक्षण ॥ दो०॥ लोकलाजकुलकानितजिचारिबिचारिबिहाइ
धृष्टसोनायकजानियेबरणतकबिकबिराइ १३॥क०॥ बंशकीनबि-
सरीसुधिझूंठीसौंहैंखाइखाइतनआनमनआनकपटनिधानहौ लैलै
भजिजातचीरमाखनचोराइखातगारीदेतमुसकातनिपटअयानहौ
दूरिदूरिदुदुकारैदौरिदौरिपायँपरिडारिदई लोकलाजछलनिछ-
लानहौ बकिबकिकोमरैआलीऐसेनसोंबारबार हितअनहितदोऊ
लागतसमानहौ १४ ॥ अथउपपतिलक्षण ॥ दो० ।लोकलाजमर्य्याद
तजिपरनारिनसोंप्रीति देखेदोषनमानईयहउपपतिकीरीति १५
क०॥ चंचलसेचषनबिलोकनिचपलगतिचंद्रमुखीमुखदेखबेकोल-
लचातहै शंकनधरतउररंचकसीगुरुजनकी पूंछतहीलाषलाषसौं
हनकोखातहै निपटनिलज्जलोकलीकहिउलघिजात पातहिके
खरकतहियधरकातहै पायँनकीझनकखनकबिछुवानहूंकी भनक
बचनकीनतनकसोहातहै १६॥ अथबैसिकनायकलक्षण।दो०॥बारमुखिन
सोंजोरमैबारबारबशुहोइ करैहानिश्रीचारकी बैसिकनायकसोइ
१७॥स०॥चंद्रमुखीमुखनैनचकोरनपीवतरूपननेकसकानो चारु
चरित्रनचित्तचुभैशठताईकीबातनभूलिलोभानो कानिकरैनडरैहि
तहानिसोजानिपनोपवआपुभुलानोबारबधूनकेवारनहारसुधारन
कारनहाथबिकानो १८॥ अन्यच ॥जौलौंरहैधनधामघनोतबलौंवह
बालरिझावतगाइकैहीनभयोधनदीनभयेयहकीनकहा समुझैपछि
ताइकै मांगीबिदाअचलाकरजोरिकह्योमृदुमंजुलबैनसुनाइकै ति-
रछाइकह्योजुकबैमिलिहौमिलिहैंहमरोरवमेंतोहिंआइकै १९ ॥
अथमानीनायकलक्षण दो०॥ गरबभर्योयौबनभर्योभरैआपनेरूपकाहू
मनआनैनहींकहतकबिनकेभूप २० क०काठसीकठेठीबातेंऐंठीऐंठी

बोलतहौंशिवनाथऐंड़ीऐंड़ीजातकितवतहौं आपनेहीरूपगुणगुनत नगिरिधारीउरमेंनऔरनकीबातहितवतहौं दयाकोनदेखियतदर-शदृगनपरलालनिठुराईकरिनेहबितवतहौं वृषभानकीदुलारीदुरि देखिबेकोद्वारठाढ़ी गरबगुमानीइतउतचितवतहौं २१॥ अथचतुरनाय कवर्णन ॥दो०॥ गूढ़बचनकरिचतुरईमिलैनायकहिजाइहितकरिरस उपजावईचतुरकहतकबिराइ२२॥स०॥ नंदगयेनँदगाउँकेगोंड़ेगई जननीजललेननदीहैंबलबीरगयेबछरानचरावन आपुनकुंजसमीर बदीहैंब्रषभानलली सोसुनायकह्यो गुणआगरीनागरीरूपलदीहैं समुझीउतगोपिननेंसकुचीहरिकीचतुराइचरित्रमदीहैं २३ अथअन भिज्ञनायकलक्षण ॥ दो०॥रसकरनीसमुझैनहींपशुकरनीसोहेत सोना यकअनभिज्ञहैजानैश्यामनश्वेत २४स०॥ सेजबिछाइलगाइसुगं धशिंगारनसाजिहियोउमहैं बंकबिलोकनिकीअवलोकनिनीबीक सैंमुसक्यानिलहैं कचकोरदेखावतपानखवावतजीललचावतके-लिचहैंशिवनाथकरैं तियकामकला अनभिज्ञकेभावैंबयारबहैं२५॥

इतिश्रीशिरमौरकुशलसिंहबिरचितायांरसवृष्टिनायक बर्णनमद्वितीयोरहस्यः ॥ २ ॥

दो०॥येनायकलक्षणकहेलखिग्रंथनकीरीतिअबकहिइनकीना यकाहोतपरस्परप्रीति१॥ अथचारिप्रकारकी नायकालक्षण ॥ दो० ॥ उत्तम मध्यमअधमलघुयुवतीचारिप्रकार न्यारेन्यारेदोषगुणबिदितस-कलसंसार२ ॥ अथउत्तमवर्णनम्यथाराजपत्री ॥ संपतिबिपतिजोएकरस रहेबिचारअचारताहिउत्तमाजानियेपतिअज्ञाअनुसार ३ ॥ क० ॥ करतअचारऔबिचारसबव्रतनकोदानसनमानकीसीमूरति अवरे-खिबेपियमनरुचिजैसीतैसीततबीरनतेलयेमनरैंनिदिनशारदासी पेखिये पालैपरिवार गृहदासीसीटहलकरैंनातेप्रियप्रेमहींसोंअंग अंगमेंखिर फूलीईशिंगारकी उतासोवारुवहुदिशिकेंकलपद्रुम

कीशाखासमलेखिये ४॥ अथमध्यमालक्षण॥दो०॥करैमानबड़दोषते जानैपीअपमानतजैअलीमनुहारिकरिताहिमध्यमाजान ५ ॥क० चूकनहमारीकछुरूठिबेकीप्यारेलाल हमतौतिहारीगृहदासीतेसरसहैं निशिदिनरावरेकीसूरतबसतनैनरूखकीरुखाईसोतोहमको झरसहै जापरकृपाकीदृष्टिदेखतबिहारीलालसोईशिवनाथसुख आनँदबरसहै बिनतीहमारीसुनिलीजैगिरिधारीदीनअबलानिरखिनहिंलागततरसहै ६ ॥ अथअधमालक्षण ॥ दो० बारबारजो हठकरैरूसिरहैबिनकाजकटुकबचनपतिसोंकहैअधमकहतिकबिराज ७॥ स०॥बारहिंबारकोरूठिबोबावरीहैहितहानिअयानन कीजैफाटोहियाजोपियानबसैअरुकाटौसुजीभकुबोलनभीजैबाटौ सोबुद्धिबियोगबसावनीमेटोसोडीठिनप्रेमपतीजै बारोसोमानजो कान्हसोंकीजियेबारोसोदानरिसाइकैदीजै ८ ॥ अथलघुलक्षण ॥ दो० ॥ निलजनिशंककुबुद्धितियआनपुरुषरतिहोय कलहाकबि शिवनाथकहिलघुकरजानौसोय ९ ॥ स० ॥ लाजकेसाजधरेई रहैनिरशङ्कहवैईकुलकानिबिसारै डारिदियोगुरुलोगनकोडरघूघटओ्अचरानसँभारै भोरेहुनाचितवैपतिओरकहैकछुतोकटुबोल उचारैगोरसबेंचनकेमिसजाइउतैयमुनातटकुंजबिहारै १० ॥ अथ पद्मन्यादिकथनम् ॥ दो० ॥ नारिपद्मिनीचित्रणीबरणतकबिशिवनाथपुनःशंखिनीहस्तिनोबरणिकहौंगुणगाथ ११ अथपद्मिनीलक्षण दो० ॥ अङ्गसुगंधस्वरूपशुभमंदहासमृदुबैनस्वल्पअसनरतिक्रोधशुचिमतिउदारसुखऐन १२ रोमहीनतनसोहियेकनकबरणचषलोल स्वल्पमाननिद्रातथापद्मिनिगातअमोल १३ ॥ क० बदन बिलोकिचन्द्रचपिजातमुसुकातबारिजलजातअंगभृङ्गमड़रातहैं सुरनरनागनकीकन्यकाभचकिरही देखैहैन ऐसीकछूछबिछहरातहैं गतिकोबिलोकिहंससंसकरैमनमाहँ सुन्दरसलोनीजापैकामवारो जातहैरमारंभाराधाकोबिलोकितृणचटकावै शिवनाथरतिलोरती

हूठहरातहै १४॥ अथचिचनीवर्णनम् ॥दो०॥ दीरघकचदृगस्वेदजलगं धरहितरतिरंग बिरलरोमतनबुद्धिबरबासहासपतिसंग १५॥ नृत्यनादरुचिबसनशुचिगानबिधानप्रबीन कंजबरणसाबरणतन चित्तचित्रिनीदीन १६ ॥ क० ॥ कमलसोकोमलअमलगात लचिजातकुचनकेभारगतिचलतमरालकी हँसिहँसिहँसाइरीझि रिझाइसखिनकोबीनहिंबजाइगाइहरीमतिलालकीयक्षिनीनहोइ ऐसीसरससुलक्षिनीसीचित्रनीबिचित्रनैनाडामरीगुलालकीकबि-तकहानीरागरंगकीबिधानीहरिप्रेमसनमानी राजैबुधिबरबालकी १७॥ अथ शंखिनी लक्षण ॥ दो० ॥ कोपकपट श्रमगंधयुत अरुण बसनपरप्रीति दीरघतन बहुलोभयुत सुरतारतछलरीति १८ निपटनिशंक अधीरतियतप्तगातचितलोल शब्दघोरकचभाललौ उरजपीनमुखगोल १९ ॥ स० ॥ हासबिलासलगैबिषसीरद केछददेतमहासुखपावै नेकअघातनहींरतिसोंबिपरीतिरचैपियसों सचुपावै खातअघाइकैनींदबड़ीअरुदीरघश्वासचलैघहरावैकोप करैबिनकारणकामिनिकोकबिशंखिनीकेगुणगावै २० ॥ अथहस्तिनी लक्षण ॥ दो०॥ भृकुटीकटिअस्थूलमुखचरणआंगुरीजोइमंदचाल चितद्रुमतिअतिबरणतबुधिजनलोइ २१ अधरश्रवणरददीर्घ कुचमदनसदनश्रमगंध सघनरोमतनअरुणकचअतितीक्षणमति अंध २२ ॥ स०॥ मन्दचलैगतिकंपनवाइकैसूधिबिलोकनिलाज बिसारै कोपभरीरहैआठहुयाम सोकामकी किंकरिजानबिहारै अंगमयीदुरगंधछयीनिरशंकभईघहराइपुकारैक्योंसुखपावततासु पियाकरिनीकेकलोलनिप्राणउबारै २३ ॥

इतिश्रीशिरमौरकुशलसिंहबिरचितायां रसवृष्टिपद्मिन्यादि उत्तमादिबर्णनमृतृतीयोरहस्यः ॥ ३ ॥



अथ नायकाभेदवर्णनम् ॥ दो० ॥ इनलक्षणतेहोतहैंतीनिभांति

कीतीय स्वकियाऔरपरकियासामान्याबरनीय १ त्रिबिधिनायका भेदयहबरनतकबिशिवनाथ स्वकियानिजपरपरकियासामान्या बितनाथ२॥ अथस्वकियालक्षण ॥ सो०॥ पतिकोसुरतिपुनीतनिशिदि नकरलीन्हेरहै कोमलअमलविनीतबचनसुधासममुखकहै ३ स०॥ अधरानहिं मेंमुसकैवहबालअमीसेकहैमृदुबैनरसीले गतिमंदकहू अहटातननेपुरकोपबिनिंदितनैनलजीले सूधेसुभायनकीठकुराय- निनेमनिबायनिप्रेमछबीले पुण्यपुराकृतभूरिभटू जेहिनायकचा यनप्रेमबसीले४ दो० ॥ मुग्धामध्याप्रौढ़गतित्रिबिधिनायकाजान एकएककीचारिहैं तिनकोकरौंबखान ५ अथमुग्धालक्षण ॥ नवलबधू नवयौबनानवलरूपबपुहोइ दिनदिनद्युतिसरसातिहैमुग्धाजानौ सोइ ६ क० ॥ चंचलसेनयनबैनबोलतचपलगति नेकमुसुकान लागेअधरकपोलरी नेकलालीयौबनकीझलकतबदनपरनेकउक- सोढ़ेकुचआभासीअमोलरी कामकीकहानीरससानीनासमुझिपरै बूझतपियसखिनसोंकरमकलोलरी तिरछेचितैकेदुचितैकेउरदेखि देखि कामकीकुमारिकाकीलीन्ही छबिमोलरी ७ अथनवोढ़ालक्षण ॥ दो० ॥अबलापनतनमेंबसैयौबनजोरजनाइजंगपरीमिलिदुहुनसों करतकटाक्षनघाय ८ मुग्धाचारिप्रकारकीप्रथमनवोढ़ाहोइपुनि अज्ञाताज्ञातयोबनाऔबिश्रोढ़ासोइ ९ ॥ स० ॥ अबलापनयौबन बीरबली दोउजंगजुरेमिलियुद्धकोठानो शोरपरोसबदेशनमें नृप योबनजोरध्वजाफहरानो कौनकिजीतिकोहारपरै सोमनोगजझुं- डनसिंहसमानो खायहजारनघायकटाक्ष मनोअबलापनहारिप- रानो १० ॥ अथअज्ञातयौवनालक्षण ॥ दो० ॥ यौबनकीझलकीझलक नहिंजानतजोबाम पूंछतप्यारीसखिनसोंअज्ञातयौबनानाम ११ स० ॥ आलीकहायह व्याधिभई छतियाउमँगीमनो आवतहै निशि बासर नेकसोहातकछू नहिंनयननितम्बबढ़ावतहै कौनइ- लाजकरौंसजनीतोहिंपूंछनलाजलजावतहै जियशंकबढ़ीकटिखी

नहिंदेखिसखीतोहिंऔषधआवतहै १२ ॥ अथज्ञातयौवनाभाषन॥दो०॥ काहूकेंगृहजाहुजनि चलोनवायेनैन ब्याधिनहींसुखकेध्वजाउर उकसायेमैन १३ ॥स० ॥ नैननवायेरहौसजनीगृहकाहुकेजाहुन मेरीगोसायनि मंदचलौगतिचालछपाइकैशीलसनेहसिखोठकुरा यनि कीरतिसोकहिहैंसुधिको तोहिंनंदकुमारहिब्याहउछायनि सुनिकैसकुचीतिरछीकरिभौहँललीदृगखंजनसेसुखदायनि १४॥ अथबिश्रब्धनवोढ़ालक्षण ॥ दो० ॥ पियसोंनहिंपतियाततियछलकरि सखिनबोलाइ सोनौढ़ाबिश्रब्धहैंढिगबैठीलजियाइ १५ ॥स०॥ गौनेकीरातिकोसेजसँवारिसखीनबोलाइलईदुलही सबिलासक रीनिजप्रीतमसोंशिषदेइचलोरसरीतियही तबलालनआइलईउ रलाइगईअकुलाइउसासवही चौंकिपरीपर्यंकतेंबेगहहाकरिसुंद- रिभूमिगही १६ ॥ अथ मुग्धाकोसयानु ॥ दो० ॥ मुग्धाशयनकरै नहींपियपैसुनहुअयानि जोबरबशउरलाइयेतौअनरससुखहानि १७ ॥ स० ॥ सोवतहैलड़िलीदुलहीपतिसंगभयाकुलहीमुखमो री करसेकुचझंपिकैचापिचुरीनबजैपगपायलकंपतिगोरी सेजपरी झझकैउचकैकटिकिंकिणिशोरपरोचहुंओरी हाहाकरौंउतजागतहैं ननदीबहियांनगहौंपियमोरी १८ अथमुग्धाकोबिलास ॥ दो० ॥ पिय सोंकछुपतियाततियकछुडरलागतचित्त यहबिलासमुग्धानकोबर णौंलाजसहित्त१९ ॥ स० ॥ केलिबिलासअघानेनहींनिशिबासर बालबोलाइलईजू आईयसूकैअटापरबालसोधामकीदेहरीठाढ़ीभ ईजू प्यारेकह्योढिगबैठियसुंदरिबोलतबैनसोलाजमयीजूजानतहौं शिवनाथअबैअँखियानमेंकामकीछाहछुईजू २० अथमुग्धाकोमान दो०॥ करैमानमुग्धानहींकुशलसिंहसपनेहु जोकोईसिखवैसखीमनआनै अपनेहु २१ ॥ स० ॥ काहूसखीसिखयोनवलाकहमानकीरीतिस यानसोकाची बोलीनबालबोलावतलालभरीगतिमानबिलोकन नाचीप्रातपयानबन्योपरदेशकोबातबनायकह्योयहजांची योहरु

ये हँसिबोलिदियोअकुलायकहयोपियझूंठकिसांची॥२२ अथमुग्धाको सुरतांत ॥ दो० ॥ नेहभरेआलसभरे सकुचभरेरतिरंग॥येनैनाअध अधखुलेजगेपगेपतिसंग २३ ॥ क० ॥ मंदभरेलाजभरेआलस सकुचभरेनेहभरेरसभरेलोचनबिलासीहैं पलकैंअधरअधखुलीअ-लकावलीगलितगुनमालउरउपटिप्रकासीहैं झुकिझुकिझूमिझूमि ऐंड़तचलतबालमृगजमरालनकीगतिमतिनाशीहैसुंदरसुपेदीसेज सजीतजिउठीप्यारीवेधौंक्षीरसागरतेकढ़ीकमलासीहैं २४॥ अथ मध्यालक्षण ॥ दो० ॥ लाजमैंनजाकेहिये नेकनछांड़तसंग मध्याता सोंकहतहैंजेप्रवीनरसरंग२५कहिमध्याआरूढ़जोबनाबचनप्रग-ल्भाजाना प्रदुर्भूतमनोभवरनौसुरतिबिचित्रामानौ २६ ॥ अथ आरूढ़ायौवनामध्या ॥ दो०॥ मध्यायौबनरूढ़तियनिरखिआपनीछांह मुरिमुरिदेखतलालको दुरिदुरिनैननमांह २७॥क० ॥ नैन मदमातेबांधेलाजकीजंजीरनसो झूमतऐंड़तचलैकामकेमतंगवर पाखरपलकपटघूंघुटउघारिनेकझंपतिउचकि चपिकोरनकटाक्षश रसरसरीसारीशिरसोहतकिनारीदारसरकिसरकिजातकंचुकीअ-तरतरमुरिमुरिबिलोकतहैं लालकीबदनबालवारिवारिडारैंकंजखं जनदृगनपर २८ ॥ अथवचनप्रगल्भामध्या ॥ दो० ॥ बचननकीरचना करैंपियहिउरहनोदेइ ताहिप्रगल्भाजानिये हितकरिसुखरसलेइ २९ ॥ क० ॥ दंपतिपलँगपरेसोहैंरंगरसभरे एकैपटलपटिकैंसर ससुखसाजेहैं प्यारीओरफेरिमुखलालनकरौंटलीन्हीदीन्हीछोरि छिनमनभायेकरिकाजेहैंझुकिझुकि उरोजनकेअंकुरचुभावैबालशि वनाथमदनव्यथाकेदलभाजेहैं हँहिउठिबोलीपियपीठदीन्हीहाह करौअंकभरिलीन्हीहवैनिशंकनेकलाजेहैं ३० ॥ अथप्रादुर्भूतमनोभवा मध्या ॥ दो० ॥ प्रादुर्भूतमनोभवा मध्याकबिशिवनाथ अंगअंग छबिछरहरी कोकरियेगुणगाथ ३१॥ कबित्त॥गुणनकीआलाव्रज बालालालालाड़िलीसी कैधौंरूपमालासुखशालाललीनागकीच-

पलाचपतचकचौंधतसीतनद्युतिकैधौंमृदुमूरतिहै पतिअनुरागकी कमलाकलासीमैनकन्यकाप्रकाशी कान्हशिवनाथसोहैकैधौंरेखा रसभागकी आननकीछबिदेखछपतछपाकरहैछहरिछहरिपरैलह रिउमँगिसोहागकी ३२॥ अथसुरतिबिचित्रानायकामध्या ॥ दो० ॥ सुरतिबिचि त्रानायका मध्यायौवनवन्त अंगअंगछबिकीछटाभावतहैमनकन्त ३३ ॥क० ॥ भागभरेउभालभागमोतिनसोहागभरीबंकभरीभौं-हनसनेहभरेनैनहैंनाजभरीनासिकाअधरबिंबरसभरेहासभरीअ-लकसकुचभरेबैनहैं मुदभरेयौवनमनोरथमनोजभरेअंगअंगरस भरेरससुखऐनहैं लाजभरीगतिमतिप्रीतिभरीशिवनाथचातुरीचि तैनिहावभावभरीसैनहैं ३४ ॥ अथप्रौढ़ालक्षण ॥ दो० ॥ पियसोंप्रे-मप्रतीतिरति कामकलारसलीन हावभावकोबिदभई प्रौढ़ापरम प्रवीन ३५ कहिसमस्तरसकोबिदा चित्रबिभ्रमाहोइ आक्रा-मितिप्रौढ़ाकहौ लज्जाप्रारतिसोइ ३६ ॥ अथसमस्तरसकोबिदाप्रौढ़ा ॥ स० ॥ दंपतिकेलिकरीसबरैनि अनेकबिलासअनंगतरंगनि कुच चापिचुरीचटकाइमनोहरहारउतारिधरेतियअंगनि रदछदकपो-लनचुम्बनआसनअंगसुवासनभायकेभृंगन लपटातसोहातल-गोपियगातअलीअनखातप्रभातबिहंगन ३७ ॥ अथबिचित्रबिभ्रमा प्रौढ़ा ॥ दो० ॥अतिबिचित्रबिभ्रमकहौं प्रौढ़ागुणनबखानि जाको यौबनजोहरी रसमानिकपहिंचानि ३८ ॥ स० ॥ चपलाचपि जातबिलोकतआननबाननकीगतिसाननलूटी गतिमंदमनोहर हारहियेलटकीललकैअलकैछबिछूटी ज्योंपतिकीमतिचाहकरैर-तिरंगअनंगसुशीलबधूटी प्रातउठीअलसातझुकीछहरैछतियामो तियालरटूटी ३९ ॥ अथआक्रामितप्रौढ़ा ॥ दो० ॥ आक्रमितप्रौढ़ासु-नहु गानबिधानप्रवीन चलनचातुरीदीनता जेपतिमतिबशकीन ४० ॥ क०॥ जटितजवाहिरकेभूषणासरससाजेछलकिछलकिपरै अंगनिझकाझकी चातुरीचपलनैनोआतुरहवैआईइतहितउपजाइ

लगीनैननननटकाटकी मंदसेसुरनगाइकीन्हीपतिमतिबशरससर-
साइप्रेमपरीहैछकाछकी कुशलसिंहलटकिलटकिलागीउरबाल
हमसोंनकीजैलालरंचकसकासकी॥४१ अथलाज्जाप्रारतिप्रौढ़ा॥दो०॥
लज्जाप्रारतिप्रौढ़तिय पतिसोंरहैअधीन रतिमतिसोंलज्जाकरैनै-
नबैनछलहीन ४२ ॥ स० ॥ चारिउयामरँगेरतिरंगजगोमिलि
दंपतिरैनबिहाने लाजलपेटेलहैद्युतिकेबरलोचन शोचसकोचन-
साने चाहतिहैबिछुरेनहिंलालसुकोटिबिनोदपरैनवखान चौंकि
चलैनचलैपर्य्यंकपरेभरिअंकलसैललचाने ४३ ॥अथधीरादिकथन॥
दो० ॥ मध्याप्रौढ़ानायका जबैकरतयेमान धीराप्रथमअधीरहै
छीरअधीराजान ४४ ॥ अथमध्याधीरालक्षण ॥ दो० ॥ व्यंगबचनर-
सकेसने बोलतियअनखाइ धीरातासोंकहतहैं नैननीरछहराइ
४५ ॥ क० ॥ अंबुजसेअंबकउमँगिअंबुथहरातबोलीकरजोरि
प्यारीप्यारेनँदनन्दलाल आयेप्राणनाथप्रातअंगअलसातमेरेप-
रमसोहागकीलहरजागीचन्द्रभाल रैनकेउनीदेनैन कृपाकरिबै-
ठिजैयेधन्यवहयौबनजवाहिरमसंदबाल हीरानाजमुर्दनमूंग
मोतीशिवनाथउरमेंबिराजीबिनधागेयहकौनमाल ४६ अथमध्या
अधीरालक्षण ॥ दो० ॥कोपसहितबोलैबचनत्योरचढ़ायेबाम पियसों
देइउराहनो मध्यअधीरानाम ४७ ॥स०॥आयेपियाअनतेबसिकै
लखिभालमेंबन्दनदागदगेहं बोलीरिसायउठीझहराइसोरावरे
कौनकेरंगरँगेहैं काहेकोसौंहहजारनखातलगेनलगातछपातपगे
हैं भावैजितैतितहीरहियेबरजोरनकाहूकेनैनलगे हैं४८॥ अथमध्या
धीरअधीरलक्षण ॥ दो० ॥ मध्याधीरअधीरतियजानतहैसबकोय रुख
रूखेदृगनीरभरि दुःखजनावैरोय ४९ ॥ स० ॥ सुनियेमृगलोच-
निबैनसुनेसबक्योंहँसियेहँसिआवतनाहीं गानकरो न सोहात
अज्योंखलियेसतरंजपिरातहैबाहीं मानकियोअपमानहिदेखिल-
गैयौसुगन्धकरीपियनाहीं ढरकेअँसुवादृगकोरनलौंसोमनोमुकु-

ताहलकीपरिछाहीं५०॥ अथप्रौढ़ाधीरलक्षण ॥ दो०॥ पियसोंरूखेरुख रहै बाढ़ेबालउदास प्रौढ़ाधीराकहतहैं अनखतकरैबिलास ५१ स० ॥ आजुकहाअलसातसेअंगहैंप्राणप्रियारसकोबिसरावत फीकीसीलागतिहैमुखकीछबिज्योंसरसीरुहचंदलजावत चापिक-बोललयोअधरारसनेककहूं मुसुक्यानिनआवत भौंहमरोरिरही मुखमोरिसोनैननमेंतियमानजनावत ५२ ॥ अथप्रौढ़ाअधीरालक्षण ॥ दो०॥दुरदैकैपियकोतिया कहैनैनतिरछायप्रौढ़अधीरानायकाब-रणतहैंकबिराय ५३ ॥ स० ॥ कान्हभलेजुभलेहमजानतआजु कछूचितचक्रभयोहै कौनसीकामिनियामिनिजागिकिधौंधितकाहू केसाथदयोहै करसोंकरबांधिकलीअवलीउरतेबनमालउतारिल-योहैसांचीकहौंकिअलीरसलीनछलीछलकीनकिछैलभयोहै५४॥ अथप्रौढ़ाधीराधीरलक्षण ॥ दो० ॥प्रौढ़ाधीरअधीरतिय निरखिआनतिय चिन्हहवैउदासबोलीनहीं पियसोंडीठिनदीन्ह५५॥ क०॥प्रातउ ठिआयेप्यारेप्यारीकेधवलधाम नेसुकनिहारिरेखबंदनकीभालमें बैठीपरय्यंकअंकभरिलीन्हीशिवनाथ गईसुधसौतिनकेबिरहबेहा लमें बांहकेगहतनाहनाहींनाहींकहतहीनीरभरिआयोदृगकोरन केशालमें दीरघअमललोलफंदेबंधेमनौमैनमीनलालरेसमकेसुं-दरसुजालमें ५६ अथज्येष्ठाकनिष्ठालक्षणम् ॥दो०॥सरसप्रेमप्रियजाहि परनारिसोंज्येष्ठाजान जापरघटिशिव नाथकबिसोईकनिष्ठामान ५७लघुदीरघकोभेदनहिंनहिंसुंदरीदरीनप्यारीहीकेप्यारपररह नायकरसलीन५८॥स०॥एकसमयहरिराधिकाओललितामिलि कैबनमालबनायो नीलसरोरुहसोतनसुन्दरलैकरश्यामहियेपहि रायो ललिताबहुद्वैजकोचंदबिलोकि कह्योहरिभामिनिशीशउठा योतौलौंललीवृषभानभलीबिधिचापिउरोजसुगंधलगायो ५९ ॥

इतिश्रीशिरमौरकुशलसिंहबिरचितायांरसवृष्टि
स्वीकीयाभेदवर्णनम्चतुर्थोरहस्यः४ ॥

अथपरकीयालक्षणावर्णनम् ॥ दो० ॥ निजप्रतितेप्रतिकूलहै उपपति तेअनुकूल परकीयातेहिजानिये मदनचातुरीमूल १ ॥ अथ द्वैभेद वर्णनम् ॥ दो० ॥ ऊढ़ाप्रथमअनूढ़है चतुराईगुणगूढ़ ब्याहीऊढ़ा जानिये अनब्याहीसोअनूढ़ २ ॥ अथऊढ़ालक्षण ॥ स० गोकुलको बसिबोनभलोअनदेखेहीलोगकलंकलगावत मैंनसुन्योंहरिकौन स्वरूपकहैंसबतेरेलियेइतआवत जोयहसाँचकरीसबहीमिलितौ शिवनाथसबैबनिआवत रीवहअंबुजसेमुखकीमधुरीमुसुकानिसो काहिनभावत ३ अथअनूढ़ालक्षण ॥ दो०॥ अनब्याहीजोपुरुषकीक-रैकामनाचित्त बालअनूढ़ाकहतहैं जोचाहैहियमित्त ४ ॥ स० ॥ गौरीकेमंदिरमेंनवला बहुचंदनबंदनमालबनाइकै पूजिदोऊकर-जोरिबहोरिकह्योमृदुमंजुलबैनसुनाइकै मनकीगतिजानिनिहारि पुरारिप्रियातुमसोंकहियै कहगाइकै बरकीबरदानिहमैंबरदेयह सुन्दरश्यामिलेंमोहिं आइकै ५ ॥ अथपरकियाभेद ॥ श्लोक ॥ पर कियाषट्प्रकारेण गुप्तालक्षितमद्विता साविदग्धाचकुलटाचअनु सैनाचबिद्यते ६ ॥ अथगुप्तालक्षण ॥ दो० ॥ सुरतिछपावैतियनमेंच-तुराईउरआनि बरणतकविशिवनाथहैंगुप्ताताहिबखानि७॥क०॥ पुहुपकीबाटिकामेंगईतीपुहुपलेनबानरकठिनएकदौरिकैलपटिगो नखनबिदारीसारीफारीमेरी मलमलकीकीन्हीमैंपुकारतबकुंजन झपटिगो भागिकैमरूकेमैंइहांलौंआईशिवनाथधरकतिहैछातीरंग मुखकोकपटिगो ८ ॥अथलक्षिताबर्णनम् ॥ दो० ॥ पीतमचित्तबसोरहै सखिसोंकरैदुराव पूंछतहीअनखातहैयहैलक्षिताभाव ९ ॥ स०॥ कान्हकीमूरतिचित्तबसीजबतेवहिकुंजनभेंटभई तबसेकछुऔरनई छबिछाजतलोचनमोचनलाजमई बारहिबारबिलोकतहाथकहां मेहँदीघनश्यामदई अनखातभटूभृकुटीकरिबंक कहासजनीहम छीनिलई १० ॥अथमुदितालक्षण ॥ दो० ॥ मित्रमिलनकीसुनिसखी मुदितहोइचितचारु फूलिफूलिउमँगतहियोकबिशिवनाथबिचारु

११ ॥ स० ॥ भोरहिकालिकापूजनकोघरकीघरहाइनिपेलिपठै हौं तूमतिजैयोसोहागिनसांवरीसांवरेरंगमेंरंगमिलैहौं कानमें आनितहींसमुझाइबिनोदनछाइहियोहुलसैहौं फूलिगईमनहींमन नागरिनागरनंदसोहागरिझैहौं १२ ॥ अथविदग्धालक्षण ॥ दो०॥युगु लबिदग्धाबरणियेलक्षणसहितबिबेक बाकबिदग्धाएकहै क्रिया बिदग्धाएक १३ करैबचनसोंचतुरईबाकबिदग्धासोइ क्रियाकरै करसोअलीक्रियाबिदग्धाहोइ १४ ॥ अथबाकबिदग्धा ॥ क०॥ आजु दीपमालिकाकोपूजनगईहैंसब रैनिअँधियारीहौंअकेलीकहाकी-जिये प्रेतऔपिशाचनकीनारीडोलैंघरघरधरधरकरेजोहोततातेभ यभीजिये श्यामहिंसुनाइकैकहतगोपीबारबारदीपहुबुझानेमैंनता नेशरक्षीजिये जौलौंघरहाईआवैमन्दिरलौंहाहातौलौं आउरी परोसिनबलायतेरीलीजिये १५ ॥ अथक्रियाबिदग्ध ॥ दो० ॥ सा सुनिकटबैठीतिया मुखघूंघटपटलोट क्रियाविदग्धाबरणियेनिर खतछबिपटओट १६ ॥ स० ॥ चंदसोआननखंजनसेदृगबैठिब-नाइशृँगारकरै आइगयेमनमोहनताक्षिण देखनकोचितचाहभरै आरसीमेंकरिश्यामकीमूरतिऔनिजमूरतिलाइगरै शिवनाथमनो रबिजाजलमेंसुमनोरतिमारबिहारकरै १७ ॥ अथकुलटालक्षण ॥ दो० ॥ नायकबिपुलचहैहियेबड़ीकामकीचाह कुलटातासोंकहत हैंकोकरिसकैसराह १८॥ क० ॥ योबननबेलीअलबेलीरूपमान भरी हँसतगयेलीगोपग्वालनसोंजाइके एकनबोलावैएकसैनन चलावैएकनैननरिझावैएकरहैउरलाइकै निरखतचलतअंगकोर नकटाक्षकरिअंचलउघारिदीन्हीलटलटकाइकै बागबन शैलसै-ल जातनासखीहूसंगलोकलाजडारिकुलकानिबिसराइकै १९ ॥ अथअनुशैनालक्षणम् ॥ दो० ॥ केलिकरैजेहिकुंजमेंसुधिकरिताहिब-खानि अनुशैनातासोंकहतबिरहदशाउरआनि २० ॥ क० ॥ गुंजतमधुपवैठमालकीलतानपर बेलाकीसुगन्धबहैपरससमीरकी

डहडहीबेलीबनफैलीफूलबरषत लहलहीलहरिवहयमुनाकेनीर की सुमिरिसकेतकुंजनैननप्रबाहबाढ्योसखीसमुझावैनकधरतन धीरकी आईहैबसंतऋतुकोकिलकलापीपापीबोलतपपीहाकैधौं मैनउपचीरकी २१ ॥ अथबालालअनुसैना ॥ दो० ॥ आईकुंजबिलास करि सखिहिसुनावैबैन अबकोऊअनखोवको लगेश्यामसोंनैन २२ ॥ स० ॥ देखिकदम्बतमालद्रुमंकुरफूलिरह्योबनयोसरस्यो अरुशीतलमंदसुगंधसमीरबहैमनमैनकेफंदफँस्यो सांवरीमूरति चित्तचुभीछबिआननपूरणचंदलस्यो शिवनाथसनाथभईलखिकै अबतौमनकुंजनबीचबस्यो २३ ॥ अथप्रेमाअनुसैना ॥ दो० ॥ पिय कुंजनआयेअली मैनपहूंचीजाइ यहअनुसैनातीसरी शीशधुनैप-छिताइ २४ ॥ क० ॥ ग्रीषमदुपहरीमेंसकेतकुंजकढ़िजाइशारँग केसुरतिबजायहरिबाँसुरी सुनिधुनिकाननमेंकाननमेंराखेप्राणता ननकीबाननकीचुभीउरगांसुरी सासुकेसकोचननजानपाइशिव नाथअंगअंगरोमप्रतिपरीमैनफांसुरी आयेघनश्यामउतमैनगई कुंजधामअंबुजसेअंबकउमँगिआयआंसुरी २५ ॥ अथसामान्याबर्णन ॥ दो० ॥ बित्तवार्णोचितचहत बनीधनीसोंप्रीति सामान्यातासों कहैंहैंग्रंथनकीरीति २६ ॥ स० ॥मंजनकैतनभूषणसाजिलगाइ सुगंधकरीचितचोरी चंचलनैनचलाइकटाक्षकरीमुखपैअलकैंलट कोरी अधरारसप्याइपियाबशकैउरमालउतारिलईबरजोरी बैन नहींबतराइरिझाइलियोअपनाइकैनाइठगोरी२७॥

इतिश्रीशिरमौरकुशलसिंहबिरचितायांरसवृष्टि
परकीयासामान्याबर्णनम्पंचमोरहस्यः ५



अथचारिमानभेदबर्णनम् ॥छंदपौपैया॥अन्नसुरतिदुःखितारूपगबिं

ताजानो मानवतीकेलक्षणतीकेपृथक्पृथक्येआनो सुरतिछपावै रूपदेखावैप्रेमसहितपरमानो मानमनावैपीसमुझावैकबिशिवनाथबखानो १ ॥ अथ अन्य सुरतिदुखिता ॥ दो० ॥ निजपतिचिन्हबिलोकिकछु आनतियाकेदेह समिखिउठैरिसकरिअली सुरतिदुःखितायेह २ ॥ क० ॥ कमलसोबदनकुम्हिलानोकाहेश्रमबिन्दुग्रीषमदुपहरीतपनसरसाईहै पीतपटकैसोतेरेकन्त बकशीशदीन्ही धोरेक्योंबचनमोहिं मोहनवकाईहैबारक्योंलगीरीतेरेप्रेमकीकहानीकहीअरुणकपोलकाहेकेसरिलगाईहै भूषणअभंगकाहेदौरिकेसँदेशलाईश्यामतनभाईआलीआलीदुखपाईहै ३॥ अथरूपगर्बिता॥ दो० ॥ रूपवतीनिजमुखकरै यौबनरूपबखान बरणतकबिशिवनाथहै रूपगर्बिताजान ४ ॥ क० ॥ नेकचढ़िगईहौंअटालौंसुनमेरीबीरपायनमेंछालनकीकनीझलकातहै चंचरीकलपटिगयेरीसबअंगनमेंहांकिहांकिहाथनकीअँगुरीपिरातहैं निरखिउरोजनसरोजसकुचानलगेदृगनबिलोकिमृगखंजनलजातहैं औरहौंचकोरनकीकहाकहौंशिवनाथचंदहूकेधोखेधोखेमुखमडरातहैं ५ ॥ यथा प्रेमगर्बिता ॥ दो० ॥ निजनायककेप्रेमकोगर्बनजनावैबाम तासोंकबिशिवनाथकहि प्रेमगर्बितानाम ६ ॥ क० ॥ जोईहौंकहतसोईकरतप्रमाणपियवाकीदीठिमेरेसंगलागीसीफिरातहै मेरेहँसेहँसतदासीतेउदासहोतनेकरूसिरहौं पानीपाननासोहातहै तौनगुण रीझेमैनजासोंकछुरसभावकैधोंमेरेभागकीबड़ाईठहरातहै कुशलसिंहबारबारघूंघुटउघारिझांकिचंदज्यों चकोरनकेनैनललचातहै ७ ॥ अथमानबर्णनम् ॥ दो० ॥पियप्यारीकेप्रेमतेउपजिपरतअभिमान तबैत्रिबिधियहहोतहै गुरुमध्यमलघुमान ८ औरनारिको चिन्हलखि बचनकहैसतराइ सोगुरुमानबखानिये छूटैपरसहि पाइ९ ॥ अथराधे जूकोगुरुमान ॥स० ॥ जावकदागदृगमुखपैलखि नैननपावककीगतिलीन्ही भौंहचढ़ाइउठीझहराइतुम्हैंबिधिनेक

हुलाजनदीन्ही बैननशोचसकोचननयननकाकमरालपरैनहिं चीन्ही नीचसुभावमिटैनहिंकैसेहुकोटपतंगज्योंदीपककीन्ही १० ॥ यथा ॥क० ॥ तुम्हैंजकलाग्योंलाउलाउबैनसुनैंबैनमारि२हांसोमारदाहनदहंतको बोलिहारीकोकिलापपीहाटेरिटेरिहारेदामिनी चमँकिहारीनहींचाहकन्तकी कैसेहूनमानतकुशलसिंहहाहाकरि जानीनापरतप्यारीगरबकेअन्त की आपैचलिमाननीमनायलीजै प्यारेलालहौंतोबलिहारीहारीमारुतबसन्तकी ११ ॥ अथगधेजूकोमध्यममान ॥ दो० ॥ बातैंकरतबिलोकिकैआनबधूसोंलाल उपजत मध्यममानतहँ भइसरोषतनबाल १२ ॥ क० ॥ नितउठिरूपिबेकीकौनरीतिशिवनाथ कौनेधौंसिखायोयेरीकहांकोसतानरी आयेमनभावनमनावनपलटिगयेतासोंमुखमोरिरहीकैसोतेरोज्ञानरी वाहिरटलागीराधेराधेतूनिठुरभईकबलौंरहैगोतेरोकठिनगुमानरी उठिचलुप्यारेनंदनन्दनपैचंद्रमुखीमानतजिकरिअलीयौ बनकोदानरी १३ ॥ अथगधेजूकोलघुमान ॥ दो० ॥ करनलगेकछु औरई निकसिआनतियनाम दुखरूखेदृगसजलकरिमानजनायो बाम १४ ॥ स० ॥ चंद्रमुखीब्रजचंददोऊमिलिलैसुरताननढारढुरे आनतियाकोपियालियानामसोप्राणप्रियासुनत्योंरमुरेहरीदरियाईकोकंचुकीपैढुरिनैननतेजलबुंदपुरे भीजीमनोमुकुतानकेलालचकंजकेपातनलालडुरे १५ ॥ अथकृष्णजीकोगुरुमान ॥दो० ॥ लोकलाजमर्य्यादतजि कहैबचनककुबाल सोगुरुमानबखानिये उपजतहैउरलाल १६ ॥ स० ॥ आजुकोबातसुनीककुबालसोरावरेसों हरिरूठिरहेरीमेरमनायेनमानतबालसुतेरलियेपरिपाइगुहेरी बैठिरहीनिहचितकहाचलिमानमनाउसोहागचहेरी सुनिकेमुरझाइगईनवलाकेहिकारणमानकीरीतिकहेरी १७॥ अथकृष्णजूकोमध्यममान॥ दो० ॥हाहाकरिबिनतीकरीपीहारेपरिपाय जहांनमानतमानिनी कहिमध्यमकबिराय १८॥ क० ॥ सखीबचन ॥ अबलाअधरबुधि

कहाजानैरसभावतुमतौसुजानऐसोमनधरियतुहै ऐसोबोलबो-
लौजैसोबोलियतुबलिजाउखेदेकहुंपक्षिनकेपाछुपरियतुहै कीजैस
नमानअरुखैयेपानप्रानप्यारो बिनाजलयानकैसेसिंधु तरिय-
तुहै जाकेलयेमोसीहाहाकरीपरतपायँतासोंहरिअनरसकीबातक-
रियतुहै १६ ॥ अथकृष्णजीकोलघुमान ॥ दो० ॥ पियकछुकह्योकरयो
नहींदियोलाजसकुचाययहैरीतिलघुमानकीबरणतकबिकबिराय
२० ॥ स० ॥ आजुहिक्योंचलिहैमनकीगतिलाड़भरीसोदुला-
रकरोजूअबहींबहुकेलिकिरीतिनजानतिसाहसकैरिहिआंकभरोजू
जोइकहैकरियेमनमोहनवाहिकेबैननढारढरोजू बलिजाउँललार-
सरीतियहीहरुयेहरुयेहरिहाथधरोजू २१ ॥

इतिश्रीशिरमौरकुशलसिंहबिरचितायांरसवृष्टिगुरु
मध्यमलघुमानबर्णनमूषष्टमोरहस्यः६ ॥

अथमानमोचनबर्णन ॥ दो० ॥ तजैमानजेहिरीतिसोराधागोपी
नाथषटप्रकारकोभेदयहबर्णतकबिशिवनाथ १ ॥ सामदानवत
रसप्रणतिअनायासकरिभेद मानबिमोचनरीतियहदण्डकियेहस
खेद२॥अथराधाजूकोसामउपाय॥रुखलीन्हेसमुझाइकैशांतिबचनपतिप्री-
तिसामउपाउमिलाइबोबर्णतकबिजनरीति ३ स०॥जासोंरहैरस
कीनितआशअलीसपनेरिसकेहूंनकीजै देखेबिनामरियेनितप्यास
नलोचनरूपअघायकैपीजै नीरहितेसुखपावतमीनकहौंबिनुनीर
वुहकैसेकजीजै मानिनीह्वैबशकीन्होंपियाअबतौंचलिकैमिलिकै
रसलीजै ४ ॥ अथकृष्णजूकोसमापाउ ॥मैंहितकीकहियोसमुझौमनआ-
पनेश्यामनरोषभरोजू होतुमहीतुमहीहरिहौंयहप्रीतिकीरीतिन
मानधरोजू काचिकलीनखिलैशिवनाथसुधारससींचिउपायकरो
जचलिकैमिलियेवृषभानललीफिरिकंजनकंजनराजकरोजू ॥५॥

अथदानलक्षण ॥ दो० ॥ देइकछूप्रीतमप्रियहिमानछुटावैआइ यह लक्षणगणिकानकोकोविदकहतबुझाइ ६ ॥ अथराधिकाजूकोदानउपाउ क० ॥ बकिबकिजकिदूतीहारिहारिफिरिआई रूपमतमातीबैठी मानसरसाइगो हँसिहँसिहेरिहेरिफेरिदृगसखिनसोंमिसमिसराधे केनिकटहरिआइगो. कह्योउरलीजैप्यारीहारयहमालतीकोतेरे कुचपरशिनकेहूंकुम्हिलाइगो आलीहौंअचंभोरहीआवतनबैनक-हीआपनीपियारीलीन्हीआपहीमनाइगो ७ ॥ अथकृष्णजूकोदानउपाउ स० ॥ मुसकायगईढिगनयनचलाइभलीबिधिलालगलेभुजमेली मुखमोरतहैंघनश्यामजबैतियपानखवावैअँगूठनठेली उरसोंउर लायदियोअधरारसमानछुटावतबालनबेली अंकभरीहँसिकैशि-वनाथमनोसुखकीरसराशिसकेली ८ ॥ अथबतरसलक्षण ॥ दो० ॥ बातनहींमनमोहियेभूलिजाइजेहिमान हँसिहँसाइपरिहाससो बतरसलक्षणजान ९ ॥ अथराधेजूकोबतरस ॥ क० ॥ नेकहँसिबोलो करजोरिकैकहतलालमैंतौतकसीरप्यारीतेरीकछुनाकरी कालिका कोपूजिरक्तचंदनचढ़ायोभालजावककेधोखेसतरानीहौंकहाकरी हँ सिहँसिहँसाइदीन्होमुखमोरिशिवनाथ सखीसोंसहादीदैदैसांवरे हहाकरीभूलिगईरिसमुसुकानलागीमानतजिकरीसोकरीअबआ-ओजूक्षमाकरी १० ॥ अथकृष्णजूकोबतरस ॥ हँसतहँसतआईश्यामकेस मीपबालरूपकीसीमाललोललोचनचलाइकै मानीभयेकौनपरसां चीकहौंमेरीआनगौनीप्रीतिरावरेकीदीजियेबताइकै मानजनिछों-ड़ोनेकसूधेतौबिलोकोलालहर्योमनकहूनवलयोबनदेखाइकै क हाचतुराईकहौंराधिकाकीशिवनाथ बातनहींप्राणप्यारोलीन्होहै मनाइकै ११ ॥ अथप्रणतिलक्षण ॥ दो० हितपराधकैकामबशपीप्यारीप रिपाइ ताहिप्रणतकबिकहतहैंमानछुटावैजाइ १२ ॥ अथराधेजूकोप्रणति स० ॥ धाईसहेलीसखीसिगरीसोमनाइरहीकहिसूधेनिहारिये तातोजोहोइसिराइकैखाइयेरीपैथारनलातनमारिये मानकियो

नभलोसजनीयहसौतिनकोअपमानबिचारिये तौलौंनमान्योगु
मानभरीजबलौंहरिहाइनपाणिपसारिये १३ ॥ अथकृष्णजूकोप्रणाति॥
क० ॥ जासोंसुखपाइयतबलिजाउँअंगअंगताहिदुखदेनहूंकीसु-
धिबिसराइये जाकेबिनदेखेनपरतकलपलपलतासोंहठकैसोका-
न्हकंठहिलगाइये जाकेलयेमेरेपगलागतलगीसीपगसोहैनैनक-
रोनेकभागहीमनाइये मानहींमेंमानिलीजै मनप्यारीहाथदीजै
कीजैरसरीतिप्राणप्रेमउपजाइये १४ अथअनायासलक्षण ॥ दो० ॥
भयपरिहासकिमैनते छूटिजाइजेहिमान अनायासशिवनाथकबि
बरणतपरमसुज्ञान १५ ॥ अथराधेजूकोअनायास ॥ छन्दत्रिभंगी ॥
पलकापरपौढ़ोनारिनवोढ़ीघूंघुटवोढ़ीछबिसरसी आयेमनभावन
लगेजगावनमानमनावनपीपरसी जनिछुवोहमारीकुंजबिहारीम-
लमलसारीकरतलसी औचकघहरानीतड़ितनजानीउरलपटानी
रसवरसी १६ ॥ अथकृष्णजूकोअनायास क० ॥ केकीकोककोकिल
चकोरकीरझिलीगनदादुरपपीहाकूकिबचनसुनायेही घननिकी
घोरदेखिचपलाकीचमकताईदेखितमसरसाईमदनसतायेही शी-
तलपवनमन्दमलयकोप्रसंगगंध केशरिसुगंधमृगमदउरलायेही
सूनीसेजसजीदेखिचंपकचमेलीचारुहँसिहँसिमिलेरीदोऊमानहीं
मनायेही १७॥ अथभेदलक्षण ॥ दो० बचननकीरचनानसोंकरबि
भेदउरमाह सुखदैकैसबसखिनसोंआनमिलावैनाह १८ ॥ अथ
राधाजूकोभेद ॥ क० ॥ धाइऔखवासिनिसिखाइअपनाइलीन्होंकौ
लौंयहमानकीसयानीउरतौलिहौ बैनकहेकटतनबलिजाउँमेरी
बीरअंकुरगुमानकोछुरीलौकहाछोलिहौ सुधातेसरसमनमोहन
कोशिवनाथबैरीकालकूटसेबचनताहिघोलिहौ सौतिनकेबीचअ-
पमानजोकरैगाकान्हमेरेपगपरिपरिनिहोरेकरिबोलिहौ १९ ॥
अथकृष्णजूकोभेद ॥ स० ॥ वोऊरहींहठिरूठिललाअबक्योंबनिहैदु
हुंओरकोमामिलो हौंतौथकीजकिकैबकिकैहरिकौनकरैयहरावरो

झामिलो मोललयेतेनबोलियेबोलज,सेतुमबोलतहौबलिकामिलो आजुमिलोवृषभानदुलारिहि कालिहचहौमिलियेचहौनामिलौ २० ॥दो०॥ दंपतिकरतबिहाररस होतपरस्परप्रीति बरणीकबि शिवनाथयह मानबिमोचनरीति २१ पुनिपुनिमाननकीजियेरंचक करिरसलेहु बढ़ैप्रेमसन्मानसुख पियप्यारीउरनेहु २२ ॥

इतिश्रीशिरमौरकुशलसिंहबिरचितायांमान मोचनरसवृष्टिबर्णनंसप्तमरहस्यः ७॥

अथसखीभेटबर्णनम् ॥ दो० धाइखवासिनिनाइनी पनवारिनिबरणीय मालिनिचुरिहारिनिनटी औपरोसकीतीय १ शिक्षादेइउराहनोभूषणबसनबनाइ गूढ़बचनपरिहाससिखदंपतिमानमनाइ २ सोरहशृङ्गारबर्णनम् ॥ स० ॥ उबटैशुचिअंगसुमज्जनजावककेशस्वांरिसोअंजनदीन्हो मुखरागतँबोलअभूषणभूषिसुआरसीलैअवलोकनकीन्हो बालहँसीचितचातुरीचारुसुगंधउरोजलगाइकैलीन्हो मंदचलैप्रियप्रेमकीमूरतिबालकटाक्षणघायलकीन्हो ३ अथबारहआभरण ॥ क० ॥ चोटीचारुशीशफूलटीकोजगमगैभालबेशरितरयौनाकंठकंठसिरीसोहिये हारउरमोतिनकेकिंकिणीकलितकटिबाजूबंदकंगनकनकछबिजोहिये हरीहरीचूरीचारुहाथनहरिणनैनीनूपुरबजतकेहूउपबनटोहिये बारहोअभूषणसजतप्यारीसुकुमारीलीन्होशिवनाथब्रजनाथमनमोहिये ४ ॥ अथसखीकोपरिहासनायकासों ॥ क० ॥ सखिनकेमंडलमेंमंडितमुकुंदप्यारोकरतबिलासहासरसिकछबीलोलाल काहूसोंधकाधकीधरतकाहूअंकभरिकुंकुमतिलकलैअभूषितमयंकभाल कुशलसिंहऐसीभांतिक्रीड़तकलोलकरि मदनकदनरूपराजैउरबनमाल एकउठिबोली नंदआवतसुनतश्यामदुरिबेकोचलोदैदैतारीहँसैंब्रजबाल ५ ॥ अथसखीको

परिहासनायकासों ॥ स० ॥ पतिसोंरतिकैपरभातउठीझलकैंनखको छदछातीदयोरी देखिसखीबिहँसीमुखमोरिदोऊकरजोरिप्रणाम ठयोरी रंचकअंचलसोंगुनलैतियकेकुचऊपरडारिदयोरी बातअ-पूरबहैसजनीउदयाचलह्वैजकोचन्दउयोरी६ ॥ अथनायककोपरिहास नायकासों ॥क०। चंदनअरुभालजेतेतिलदागदागिदागिमृगमदकी रेखैबीचबीचधरिआयेहैं डगमगेडगनिचलतबाललटपटीसगबगे बचनकहतसचुपायेहैं पतिकोबदनबालदेखतहीभौंहचढ़ीजावक के धोखेचोखेदृगभरिआयेहैं शिवनाथइततेस्वबासिनीसहेलीहँसी उततेहँसेहैंश्यामसुखबरसायेहैं ७ ॥ अथधाइकीशिक्षानायकासों ॥क०॥ जासोंजोबचनदीजैताकोप्रतिपालकीजै अधररसपीजैलीजैकंठहि लगाइजू सांझहीतेसेजसाजिबैठीसुखआशाकरिरावरेमिलापको अलापसरसाइजू तलफितलफिवाहिक्षणसौयामबीतेलालरीतेभ येबालकेमनोरथकन्हाइजू कौनयहरीतिप्रीति हांसीहैनबनवारी वारीवारीऐसीभांतिनेहघटिजायजू ८ ॥ अथधाइकीशिक्षानायकासों ॥ मतिकोमतोनलेइनितउठिमानसेइ यहसुनिसौतिनकेआनँदभरत है क्षणकमेंसीरीतातीअठिलातीमंत्रकछुतैहीपढ़िआशमानपायँन धरतहै तेरोईअनोखोरूपराजतकुरंगनैंनीतुमसोंनऔरकोईब्रजमें सरतहै मेरोकहाजैहैपछतैहैबीरशोचिशोचि मानतरुतेरोबिषफल निफरतहै ९ ॥ अथखंडितानायिकाकोबचननायकासों ॥ स० ॥ आजुबसंतसु-न्योब्रजमें सबलोगलोगाइनिसाजसवांरो तुमहींकछुगाफिलसी ठकुराइनिनायनिधायनिहूंनबिचारो गानबिधाननकेपरिरंभनहा सबिलासनलाजबिसारो कंवनकीपिचकारिनकेशरिलैरँगप्यारी पियापरडारो १० ॥ अथखंडितानायिकाकोबचननायकसों ॥ आइहौंलेनचलौ बलिबेगिहीकोटिउपायकियेढिगऐहैं लाजअजौंलपटीउरअंतरअं-चललोचनचारुछपैहै ज्योंजलजातपरैजलबुंदसमीरछुयेक्षणलौं ठहरैहै रंचकआलसनीदलगैफिरिआधिकरातिमनावतजैहै ११

अथनाइनकोबचननायकसोंउरहना ॥ क० ॥ ऐसेदलमलियतनिर्दईदई देहआवोउरउठीधरधरीधरथरीहै शिवनाथप्रीतिकैधोंरीतिबलबै रकीहैलागोबरबरीकरकरीहरहरीहै सीरोहवैरहतपीरीपरतबद नपरबीरिऊनखातजरजरीहुरहुरीहैंरावरीबिलोकनिमेंबिषकील-हरिकैयोंप्राणनमेंपरीघरघरीफरफरीहै १२ ॥ अथनाइनिकोबचननाय-कसों ॥ स० ॥ पौरिहुलौपहुंचेनललापहुंचीपरिप्राणनपीरपि-रानी आंखिनआगेअगोटिरहोहरिसोंकहिबैनसुधारससानी पल को बिछुरेपलकौ नलगै पलकापरपाइगहौसुखदानी भूषणभार उतारधरोब्रजभूषणभूषिरहौठकुरानी १३ ॥ अथपनवारिनकोबचन नायकसों ॥ क० ॥ दोनालैगईतौभैंतौसांवरेसलोनापासहाहाकहि मोसोंकह्योप्यारीकोबोलाइले तोबिननखायेमुहवैसेंईधरहैंपानच लुचलुचंदमुखीहँसिउरलाइले गरबनकीजैगरबीलीनेकयौबनको सपनोंसोसांचोझूठोचरचाचलाइले मुखमीठेबोलनकीकुंडलअमो-लनकी झलकबिलोकनकीछबिकीबलाइले १४ ॥ अथपनवारिनको वचननायकसों ॥ लोचननवायेनेकचलियेचतुरलालचपलिचितौनि चोटचाटडारियतहैउरझिउरोजनसोसोजनकरतउरउरगनसीअ-रिअरिआहिभरियतहैगोकुलकीगोरीभोरीथोरीथोरीवैसनकीहरि हरिहरिणनैनीरूपचरियतहै मदनबधिकसरसाधेयौबनमेंघेरि घेरिघेरिपक्षीमनआगेकरियतहै १५ ॥ अथमालिनकोबचननायकसों ॥ फूलनकेभूषणबनायेहरिअंगनमें फूलिफूलिउठैमनफूलसीबसात है ललितलतासीफैलिफलितमनोरथकीगलितगुमानगुणछबिछ हरातहैरंचकमेंरतिपतिकीज्वालनजरैगीज्योति शिवनाथदेखोइते निशिसरसातहै चांदनीमेंचांदनीसीचंदनचरचिचीरचलियेचतुर चंदबैठिचरजातहै १६ ॥ अथमालिनकोबचननायकासों ॥ स० ॥ पौरि लोंआयेललासजनीचलचंदमुखीकरिआदरलीजै भागभलेहैंसो हागसनेअनुरागहिकेरँगरागरँगीजै देखनहौसमरैब्रजबालबेहा-

लभईनिशिवासरछीजै सोघरबैठेहिपाईप्रियातनयौवनप्राणनिछावरिकीजै १७ अथचुरिहेरिनकोबचननायकसों ॥ क० ॥ गतिमतिनैनन कीसैननकीचंचलाईकहांलौगनाऊंगुणहिसिहसिहनकी शिवनाथचातुरीचितौनिचारुचितचोरि चित्रिनीचपतचुपचौंकनिचलनि की काल्हिहीतेकामकीकथामेंमनदेनलागीचरचानचालौदिनचारिकचलनकी ऐसीअलबेलीप्यारीयौवनकीमतवालीकान्हचलि देखोहालीसुताएकग्वालकी १८ ॥ चुरहेरिनकोबचननायकसों ॥ दूरिहितेदुरिदुरिदेखतदृगनिमोरि नेरेनेकचलौंमैंदिखाऊंघनश्यामरी आंखिनबिलोकेबीरकाहूकीभजतभूख पानीकीकहानीक्यों सिरातप्यासतापरी बनबनमालीआलीगोकुलकीगैलनिमेंछैलन छबीलोछबिवारीकोरकामरी येरीमटूबावरीअयानीतैंनजानीयह लैलैतेरोवीनमेंबजावैंनितनामरी १९ ॥ अथनटीकोबचननायकसों ॥ मन मन मिलैमैनमन्त्रहिमिलाइमतिमामिलामिलनमित्रमानसोगलतहै हरषिपठाईहौसहीनकरिहरुवाईशिवनाथप्रेमपैजझमिलेझलतहै हासहौसहठहरिकाहूसेनहोतहेतहितसोंहितूकीहरिचरचाचलतहै शोचिशोचिसर्किसकोचिमोचिनीरदृगबैठीब्रजबालालालहाथनमलतहै २० ॥ अथनटीकोबचननायकासों ॥ भरिभरिभुजभटू भेटतिहौमोहिं कहासुरतरुकीसुनेगाथादारिददहतहै चापिचापिचुवनकरतबौरीमेरोमुखओसनकचाटेकहूंतृषितलहतहै मदनमनोरथतरंगकीतरंगिनीसीउमगिउमगिअंबुआनँदबहतहै कुशलसिंह सुन्दरिसकुचकुलतरुतोरिश्यामसुखसागरसोंसंगमचहतहै २१ अथपरोसिनकोबचननायकसों॥ ज्योंहींढरेढारुत्योंहींदुरियेदुरनिढिगढीलीढीलीबातैंतोरसीलीसोनचालिबो रसहीरसिकरुखराखिरैंनि रतिरंगरमियेरमनिकरिआपनोमतालिबो फेरिफेरिलाषनभिलाषमुखपूरिपानअगरसुगन्धलैउरोजनसोमालिबो पौरुषपरायेप्रेमपाइयेनप्राणप्यारेशिवनाथख्यालहैनप्रीतिप्रतिपालिबो २२

अथपरोसिनकोबचननायकासों ॥ स० ॥ चितवैचितचोपचितौनिललात-
बतेचितवैअनतैमुरिकै जबबोलतेबैनसो मैनभरीतबबोलतीघूंघुटमें
दुरिकै कौलौंरहैअनबोलीठठोलीकरैहमसोंदृगद्वैजुरिकैनाहनछां-
हछुवैछिनलोंछबिछीनछपोरितुहैफुरिकै २३ ॥

इतिश्रीशिरमौरकुशलसिंहबिरचितायांरसवृष्टि
सखीभेदबर्णनम्अष्टमोरहस्यः ८ ॥

अथचारिप्रकारकेदर्शनबर्णन ॥ दो० ॥ चहुंबिधिदर्शनबर्णियेकबि
शिवनाथसुबैन दंपतिदर्शनदरशही उपजिपरतउरमैन १ स्वप्न
श्रवणचितचारुलखि होतमदनकीचाह साक्षातदरशनसुकबि
कोकरिसकैसराह २ ॥ अथराधेजूकोस्वप्नदर्शन ॥ स्वप्नदरशशिवना-
थकबि सदाहोतदुखदानि तातेयाहिदुराइये प्रगटनकहियबखा-
नि ३ ॥ क० ॥ सोवतिउचकिपरीलालहिबिलोकिबाल स्वपन
कहानीकहिसानीमृदुबानीसों सांवरोसोडावरोलकुटपटपीतवारो
मेरोपटपकरिलपटिउरआनीसों सकुचिसकुचिआलीलाजनमरत
कछुकाजनसरतयेरीबिनादधिदानीसों शोचिशोचिमोरिदृगबाव-
रीबर्शनीफिरैसफरीसीतलफतप्यारीबिनपानीसों४॥ अथकृष्णजूकोस्व
प्नदर्शन ॥ तड़ितकलासीरतिकासीअमलासीहासतारासीदपंतिते-
रीमेरेउरपरिगई कमलाकनकज्योतितिलनतिलोत्तमासीधृतासी
छरिछबिनेकचितगड़िगई उरमेंनआवैउरबसीयक्षकिन्नरीसीनरी
रूपक्योंलगैताकेमनहरिगई मृदुलमृणालिकासी मल्लिकासी
मालिकासी बालिकामरोरिमनसेहरसोकरिगई५॥ अथराधेजूकोस्व
गदर्शन ॥ दो० ॥ करनकहानीकान्हकीसुनिसुनिहियहरषाइफि
रिफिरिबूझतसखिनसों मैननेहसरसाइ६ क०॥ कान्हकीकहानी
कहाफेरिफेरिबूझतहौ मेरीरानीओसक्योंसिरातप्यासपानीकी

मोदकमनोरथकेभूखनाभजतबौरी रागनकेसुनेकेहूंत्रिपितसोहा-
नीकी कहैकविशिवनाथबेदकेपठितकहूंमनअभिलाषकरैंश्रवणक
हानीकीकनरसुलयेतेनामिलेकोसुखपाइयतबैसगयेरेपछतानिप-
छतानीकी ७॥ अथकृष्णजूकोश्रवणदर्शन ॥ क०॥ सुनिसुनिश्यामाकीस
लोनताईगुणगणचाहभईब्रजराजरावरेमिलावैकोप्रीतिऔसकोच
हूकोगाथगुणएकमुखएकैबारकहिदोऊकोबिदकहावैको सौंहनिके
सांचेलोकलीकहिउलंघिजात जैसोतुमसुनीआनिआंखिनदेखावै
को काचेदाखरसहिनिचोरिचहौचारयोश्यामशिवनाथबलिऐसी
युगुतिबतावैको ८॥ अथराधेजीकोचित्तदर्शन ॥ दो० ॥ सखिनमध्य
मंडितसुतियकरतकछूरसरयाल औचकहीचितचुभिगई मृदुमूर-
तिगोपाल ९ ॥ स० ॥ खेलतहीसखियानकेबीचअचानकहीचित
श्यामहिंदेखी चौंकिपरीसकुचीपटओटदैलाजछुईदृगदौरिकैपेखी
आनसखीअवलोकतहीचकिसीरहिज्योंपुतरीअवरेखी योंमुरिअंग
दुराइरहीसुमनोहरिजूगहिबांहबिशेषी १०॥ अथकृष्णजूकोचित्तदर्शन
आनिअचानकचित्तचढ़ीवृषभानसुतामृदुमूरतिप्यारीक्योंमिलिये
उरचाटकसोंवहचंदतेचौगुनीसीउजियारी ग्वालसखासुधिबोलि
उठेचलियेवृजभूषनकुंजनचारी कोप्रतिउत्तरदेइसखीहरुयेहरुये
हरिनामपुकारी ११॥ अथराधेजूकोसाक्षात्दर्शन ॥ दो० ॥ बिनदेखे
ऐसीदशातनमनबिरहगँभीर देखेक्योंकरहोयगो मैंबूझोंतोहिं
बीर १२॥ मुरिमुरिअवलोकनिचितै लईचपलगतिझूलियेईजो-
हनशरबिषम कहैसुमनबिधिभूलि १३॥ स० ॥ बंकबिलोकनि
कीअवलोकनिहेरिहरयोहरिनाक्षिकटाक्षन सबिलासचितैहरिना-
यकत्योंबरषैरतिनायकशायकचाक्षन तानतिमूंदिउघारतिलोचन
चंदखुलेअधचंचलताक्षन आनँदसोंउपजावतआवतहैवृषभानकु-
मारिसुलाक्षन १४॥ अथकृष्णजूकोसाक्षात्दर्शन ॥ याब्रजमेंपगफूंकि
धरोसिखसीखिललीउरमेंनिजधारो तेरेउरोजनश्रीफलकीछबि

छोनिअलीजनिलाजबिसारो हितसोंहितकीकहियोपरिआवतमे-
रीगोसाइनिअंचलडारो नेकभटूमुखसोंपटडारिबिलोकतहै इतन-
न्ददुलारो १५ ॥

इतिश्रीशिरमौरकुशलसिंहबिरचितायांरसवृष्टि
दर्शनबर्णनम्नवमोरहस्यः ६ ॥

अथमिलनबर्णनम् ॥ दो० ॥ जलबिहारबनबाटिका धाइसहेली धाम सूनेघरभयब्याधिमिलि तीरथउत्सवबाम १ ॥ प्रथममिल-नअस्थानबिन भिन्नभिन्नगुणगाथ कहँराजाकहँरंकको बरणत कबिशिवनाथ २॥ अथजलबिहारकोमिलन ॥ क० ॥ कालिंदीकेसलिल सखानसंगब्रजराजलैलैगतिमीननकीखेलतकलोलकरि एकओर राधेआनिसखिनकेझुण्डनमेंकरीपिचकारिनकी झूमिझूमिरारकरि चुभकीलैप्यारोजाइमिल्योप्यारीप्राणनकी परेकैमनोरथलगायो लालअंकभरि आनिकढ़ोआपनेसखानबीचशिवनाथ लाषलाष आनँदकेपुंजबाढ़ेहियहरि३ ॥ अथबनबिहारकोमिलन ॥स०॥ गागरिलै चलिसागरतेवहिकुंजनश्यामहिं भेंटभईजू प्यासलगीकहिकेमुस-काइगयेढिगत्योंतिरछेचितईजू नैननबैनमिलाइलियोमन लाल भुजागहिअंकलईजू पूरिमनोरथयोंमिलिकैहरिकुंजनसोनिजधाम गईजू४॥ अथबाटिकाबिहारकोमिलन ॥ स० ॥ फूलनकारनबागगईअनु-रागछईद्रुमबेलिनिहारी आनँदशोचनिफूलनबाल लगीतहँआइ गयेगिरिधारीआपलग्योचुनिकैमिलिलालकह्यो तियलीजियेगोद पसारी देतलगाइउरोजनसोंकरहेरिहँसीवृषभानदुलारी ५ ॥ अथधाइकेघरकोमिलन ॥ क० ॥ भेषकैकुमारिकाकोमिलिगोकुमार कान्हदुरिदुरिदौरिदौरिगयेश्यामचलिकैरैनिअँधियारीकह्योआव आंखिमूंदाखेलैंचपलासीचपलनैनमानिकसीझलकै ढुकिढुकिढ-ढ़सुकेअंकभरिशिवनाथपूरेअभिलाषदुरेअतिदुखदलिकै चन्द्रब्रज

छैलछबिछलकिछलकिपरै धाईकेअजिरआजु चोरीकरीछलिकै ६ अथसहेलीकेघरकोमिलन ॥दो०॥ मैंल्याईउठिलीजिये चंदकलासीबाल राखोचंपकमालसी हृदयपहिरिनँदलाल ७ ॥ क० ॥ चम्पा कीसीकलीललीलाड़लीछबीलेलालछबिसी छपाकरकीछाहहिंछ पाइकै केहूकेहूकठिनकैकरआईकरमननतेकरैकरिकरिप्रेमरसउप-जाइकै अबकेबिझूकेफिरिरैहैपछितानिहाथकुशलसिंहराखोमूढ़मू-रतिबनाइकै ठाढ़ीहैअजिरमाहिंलीजियेलगायउरऔरकहाल्या-ऊंलालकंधहिचढ़ाइकै ८ ॥ अथसूनेघरकोमिलन ॥ दौरीदौरीफि-रतखरिकसूनीबालवहयौबनबिशालालैलैलैपनखेलावती रूपकी सीरमनीरमतसुखआपनेहीपगतालीतालदैमधुरसुरगावती ताही समयऔचकगयोरीकान्हदेखतही गईमुरझायमुखपीरीपरिआव-ती कजरारेअमलउमंगिआयेशिवनाथबारिधरबारिजसोंनैननल जावती ६ ॥ अथभयकोमिलन ॥ साजऔसमाजकरिगोपीग्वाल बालसबरासहिरच्योहैश्याममीठीधुनिगाइकै हासऔबिलासरस रसिकछबीलोलाल हरेउसबहीकोमन बीणहिंबजाइकै ताहीस-मयशंखचूड़आनिब्रजबधुनकोझपटिदपटिलीन्हों यानहिंचढ़ाइकै राधेजूससकिहरिउचकिलपटिगई तड़ितकलासीलाललीन्हींउर लाइकै १० ॥ अथव्याधिकोमिलन ॥ दो० ॥ व्याधिभईकछुराधिकहि तनमनपीरपिराइ बिनयकरीवृषभानतियचलियेगोकुलराइ ११॥ स० ॥ दीनभईवृषभानकिरानिसों बारहिबारमेरेपगलागी बेगि चलौबलिबोलतहैकरिऔषधदानबिधाननजागी जाइबिलोकुबधू मुखपंकजअंगअनंगबिथानसोपागी देखतहीहरिकोशिवनाथगई वहपीरीभईअनुरागी १२ ॥ अथतीर्थयाचाकोमिलन ॥ दो० ॥ गो-बर्द्धनपूजनचलीं गोपीबालकवृंद अर्द्धयामरजनीरही राधागोकु-लचन्द १३ ॥ स० ॥ गोधनपूजनगोपबधूमिलिकैचलिगान बिधानबनाये रैनिरहीघटिकायुगलौंतमघोरमहाचहुंओरसोहाये

पौनझकोरउठेकरिशोरनसूझिपरैकहुंहाथपसाये पगद्वैपछिलेहरि राधिकाजूअधरारसलैगहिकंठलगाये १४ ॥ अथउत्सवकोमिलन ॥ चोपिगजाननपूजनकोरनगोपबधूगृहआईनवीनी चंदबिलोकनके मिसहीनिशिकौरिअटाचढ़ीबालप्रवीनी श्यामहिंदेखतचौंकिचली हरिधाइकैअंकलगाइकैलीनी यहिभांतिमनोरथपूरिदुवोमिलिरी-झिरिझाइबिदाकरिदीनी १५ ॥

इतिश्रीशिरमौरकुशलसिंहबिरचितायांरसवृष्टि मिलनवर्णनंनामदशमोरहस्यः १० ॥

अथअष्टनायकावर्णनम् ॥ दो० ॥ प्रथमकहौंस्वाधीनपति बासक शय्यानाम अभिसंधिताबखानिये औरखंडिताबाम १ बिप्रलुब्धा उतकंठा अभिसारिकासुतीय प्रोषितपतिकानायका लक्षणकबि बरणीय २ ॥ अथस्वाधीनपतिकालक्षण ॥ रूपवतीअबलापरम पतिअ-धीनसुखकंद सोस्वधीनपतिकाकहौ लखिचकोरजिमिचन्द ३ ॥ अथनवोढ़ास्वाधीनपतिका ॥ स० ॥ सोवतहीलड़िलीदुलहीहरिआइगये सुतहांरसपागे आननबालछयेश्रमसीकरलैकरबीजनहांकनलागे सोखिगयोजबहींशिवनाथतबैमुखचुंबनकोअनुरागे धाइखवासि-निरीझिहँसी सखिहोयकहाअबयाहूतेआगे ४ ॥ अथमध्यास्वाधीन पतिका ॥ दो० ॥ यौबनरूपदोऊमिले बनेसेजकेधाम बीचहिघन बरषनलगे लैउछंगप्रियबाम ५ ॥ क० ॥ दंपतितरुणरूपचायन सोंसंधिमिलिसेजकोसुरतिऐनचलेमेहझरमें कीचकोबिलोकिबीच बाटबालठाढ़ीभईकैसेपगधरौं लागीमेहदीचरणमें शीशपरडारि लाललईहैउछंगभरिहरिहाहाभीगीजातचूनरीसुवनमें कुशलसिं-हकैघोंसुरराजधनुमंडलको चौंकिचौंकिचपलासमानीश्यामघनमें ६ ॥ अथप्रौढ़ास्वाधीनपतिका ॥ दो० ॥ पियप्यारीकेप्रेमबश आपहि

करतशिंगार सोप्रौढ़ास्वाधीनहै कबिशिवनाथबिचार ७ क० ॥ आपहीलगायोपगजावकबसनचुनिआपहीचमेलीगूंदिहारपहिरावते आपहीसवांरिबारबेनीमांगमोतीभरिआपहीदृगनबीचअंजन लगावतेआपहीसुगंधलैकपोलनपरशकरिआपहीजटितनगभूषण बनावते नैननकीतारिनसोंनेकनाकरतओट शिवनाथहाहाकरि मानिनीमनावते ८ ॥ अथपरकियास्वाधीनपतिका ॥ दो० ॥ श्यामसंग कुंजनगई बनबिहाररसबीन चरणचुभोमगकाकरी लालअंकभरि लीन ९ ॥ स० ॥ श्यामकेसंगगईबनमेंतनमेंतनकोनहिं शंक भईहैबालकरीलकेकुंजनऊपरफैलितमाललताउनईहै देखतदौरि लगीपदकांकरीनाकरोमोरिसिसीकलईहैधाइधरीगहिअंकलगाइ अलीयहप्रीतिकीरीतिनईहै १० ॥ अन्यच्च ॥ एकसखीहरिसंग बिहाइकैफूलनकारणबागगईरी कंटकबेधिगयोपदआंगुरी हेहरि हाइपुकारिदईरी काननसोंसुनिकाननमेंधुनिधाइकैकंधचढ़ाइलई री श्रोणितपोंछिलयोपटपीत अलीयहप्रीतिकीरीतिनईरी ११ अथस्वाधीनपतिकासामान्या ॥ स० ॥ छूटिगयोगुरुलोगनकोडरटूटिगई प्रियबन्धुसगाई भूलिगयोसगरेगृहकाजन लाजनआवतसाजन ताई आठहुयामलयेसँगडोलतबोलनकाहुकिबातसोहाई नेकहु मानकरैअबलाजबतोकरजोरिरहैशिरनाई १२ ॥ अथबासकशय्याब र्णनम् ॥ दो० ॥ सेजसाजिशृङ्गारकरि चाहछबीलेछैल बासक शय्यानायका जोवैपियकीगैल १३ ॥ अथनवोढ़ाबासकशय्यालक्षण॥दो० श्वेतबसनभूषणकनक हीराजटितअनूप शरदचांदनीखिलिरही शरदशशीसोरूप १४॥ क० ॥ श्वेतसारीसोहतकिनारीदारजगमगीजेवरजड़ाऊजेबअंगअंगझलकत तैसियेछिटिकिरहीचांदनी शरदचंदचंदसीउज्यारीप्यारीढारीछबिछलकत तिलसीतिलोत्तमानतोलियततनताकेलहलहीकल्पबेलिनेहहियोदलकत कैधौं शिवनाथरतिगौनासोबिछौनाकरि सांवरेसलोनाकाजलाजभरो

ललकत १५ अथमध्याबासकशय्या ॥ क० ॥ बिद्रुमपलंगतामेंरेश-
मनेवारबुनीसुन्दरसपेदीपयफेनुतेसरसरी सुघरसहेलीअलबेली
सीबिछाइसेजबेलीराइचंपकचमेलीकोपरसरी भूषणबनायेअंग
दूषणलगतमानौपूषणसुगंधमालेचंदनबरसरी बैठीबालआशाक
रिनैननबिलोकैमगयेहैंप्राणप्यारोमेरीकामनासरसरी १६ ॥
अथप्रौढ़ाबासकशय्या ॥ दो० ॥ रहसिरहसिगृहकार्यकरिसाजीसेज
समाज फूलिफूलिमनमेंउठैप्राणपियाकेकाज १७ ॥ क० ॥
करिकरिकार्यसबमंदिरकेचायनसों भरिभरिगुलाबनीरसेजछिर
कावती धरिधरिसहेलीसोंकरतठठोलीबालदुरिदुरिपरतरैनि ति
मिरबतावती गरिगरिधरतप्राणप्यारेकेखवाइबेकोपरिपरिरहत
सेजउठिमुसुकावती ढरिढरिपरतमैनमातीकबिशिवनाथहरिहरि
रटतध्यानलोचननिदावती १८ ॥ अथपरकियाबासकशय्या ॥ दो० ॥
सघनकुंजबैठीअलीफूलनसेजबिछाइ बासकशय्यापरकियाहर-
षशोचअधिकाइ १६ ॥ स० ॥ चंपचँबेलीकलीचुनिकैअलबेली
सीफूलनिसेजसवांरी कुंजकीदेहरीबैठीरहीमगजोवतश्यामहिं
गोपकुमारी ज्योंज्योंगईरजनीसरसाइकैआवैनआवैइतैगिरिधारी
खोलतमंदिरहैंपटघूंघुटकाननकाननकामसवांरी २०॥ अथसामान्या
बासकशय्या ॥ दो० ॥ सेजसाजिसाजेबसनआंजेलोचनलोल मांजे
मुकुरकपोलज्योंलाजेकंजअमोल २१ ॥ स०॥ सेजसवांरिकैबारि
कैदीपक ढारिकैअंजनरूपलदीहै बारकेद्वारबिलोकतबालमनो
उमँगीउरप्रेमनदीहै लैकरबीननबीनसीनागरिगानबिधाननमान
मदीहैआजुमेरेअनुरागकीरातिहैआवैगोलालघनोधनदीहै २२ ॥
अथकलहंतरितालक्षण ॥ दो० ॥ आयेमानकरैअलीकोटियत्नसमुझाइ
कलहंतरितानायकाफिरिपीछेपछिताइ २३ ॥ अथनवोढ़ाकलहंतरि
ता ॥ स० ॥ गौनोंभयोदिनद्वैकभयेअबहींअबलापनमानभरोरी
लालमनावतनेकनमानतहाहाकरीबिनतीकरजोरी बोलीनबाल

बोलावतहीबहियांगहिश्यामदईझकझोरी पीयगयेपछितातअली इननैननलोजअकाजकरोरी २४ ॥ अथमध्याकलहंतरिता ॥ दो० ॥ पियआयोमनुहारकरि तबैकरततूमान रूठिगयोप्यारोपरम अब लागीपछितान २५ ॥ क० ॥ ज्योंज्योंपरेउपायँनत्योंपाहनते पीनभईदीनभयोहोतकहाछीनभरिडामरी रंचकसोमानकरिलूटि यतरसआलीनाहनाहसोनकीजैहठसुनुबावरी बोलिहारेउप्यारो तबबोलीनामयंकमुखीअबबोलिबेकोबिललानीचढ़ोचावरी रूठि गयोलाड़िलोबिहारीलालहाहाकरि छूटिगयोतेरोमानसावँरेमना वरी २६ ॥ अथप्रौढ़ाकलहंतरिता ॥ सो० ॥ तबैकियोमैंमानपियके-तीबिनतीकरी अबलागीपछितानमोहिंदईउलटीपरी २७ ॥ क० ॥ आयेमेरेमन्दिरमनायोमोहिंलायोउरजोरिकरहाहाकरिपा यँनहरेपरोमैंनबोलीमेरीबीरउठीहैं अधिकपरीकैसेतनधरौंधीरशो चनकरेपरो कौनबुद्धिदईदईदाहनदहतदेहआहनपरतपियचाह-नमरेपरो बोलैकनबालैप्राणप्यारोमोसोंशिवनाथयेरीमेरोमानअ बमेरेईगरेपरो २८ ॥ अथपरकीयाकलहंतरिता ॥ दो० ॥ हरिआयेमेरे घरैमानकियोपियपाइ कलहंतरितापरकियाशोचिशोचिपछिताइ २९ ॥ स० ॥ जाकेलयेयहगाउँचवाइमेंनाउँधराइकैबातसही री जाकेलयेगृहगोकुलछांड़िकैजाइकैकुंजनबैठिअहीरी जाकेलये पतिकोपरिहासबिलासतज्योंअरुलाजबहीरी मोहिंमनाइरहेबि-नतीकरिताहरिसोंहमरूठिरहीरी ३० ॥ अथसामान्याकलहंतरिता ॥ दो० ॥ ह्वैअधीनआयेपियामेरेमंदिरमाह मैंबोलीनहिंहठकियो पछितानीगयेनाह ३१ ॥ क० कबहूंजटितनगभूषणबसनचुनि झीनेसेनवीनेभीनेसुघरबनावतो कबहूंचँबेलीबेलामालतीगुलाब गुहिभरिभरिडालीअलीहारपहिरावतो ऐसोप्राणप्यारोमेरेपायँन परनलागोमैंनबोलीबोलीधरिधरिउचकावतो ह्वैगयोरीकौनशि वनाथमानठानशोचिशोचिपछितानीजारीप्यारेकोमनावतो ३२॥

अथखंडितालक्षण॥ दो० ॥ चंदनमेंपियकेलखी बंदनरेखाभाल द्वेज चंदमानोंलसै इन्दबधूकीमाल ३३ ॥ खंडितामुग्धालक्षण ॥ स० ॥ बंदनरेख लगीपियकेतियकेदृगनीरभरेसरसाने मनहींमनशोचि सकोचिनबोलतचंदलखेजिमिकंजसकाने लाललगाइलईउरसों रतिकीबतियाकहिकैललचानेबोलिनबालबोलाइरहेढिगबैठिरही पटघूंघुटताने ३४॥ मध्याखंडिता ॥ दो० ॥ आनतियाकोचिन्हकछु लखैपियाकीदेह रुखरूखेअनखैअली मध्यखंडिताएह ३५ ॥ क०॥जावकलिलारलीलबंदनकपोलसोहैं चंदनचरचिरेखकज्ज-लकीकीजिये पाननकीपीकसोंपलकलागीप्यारेलालपागलटप-टीशिरऐसेपेंचदीजिये सोहैंकिनकरोनैनसौहैं कितखातजातअंग अलसातआयेशिवनाथदीजिये जोपैमेरेकहेतेकसरिकछुरहिजात तौपैलालआरसीलैमुखदेखिलीजिये ३६ ॥ प्रौढ़ाखंडिता ॥ दो० ॥ पियआयेपरभातबसि आनतियाकेगेह नखरेखानिरखतअली मानजनायोनेह ३७॥ क० ॥ प्रातउठिआयेप्यारेअनतबिहार करिवैसईबचनप्रेमफूलसेझरतहैं मानभरीभौंहैंसोहैंनैननबिलो-किबालआदरकैल्याईपतिठारहीढरतहैं श्यामतनतामेंमालमोती लालगुनगुहीबीचनखरेखलागीशोभाकोधरतहैं कालिमकठिन ताकेतारबेकोशिवनाथबालबिधुमज्जनत्रिबेनीमेंकरतहैं ३८ ॥ परकियाखंडिता ॥ दो० ॥ हमसोंतुमसोंलालअब नैननहींकोप्रेम सांझउतैभोरहिइतै भलोनिबाह्योनेम ३९ ॥ स० ॥ जाकेलयेकु-लकानितजीघरहाइनिकीचरचानहिं मानी जाकेलयेसबगोकुलमें बदनामभईमनमानिमलानी वंदनदागबनाइकपोलनभोरहिला-लजगावतआनी कोटिकरोमनयौबनदैपरकन्तनआपनहोतसया-नी ४० ॥ सामान्याखंडिता ॥ दो० ॥ औरनारिकोलखिअलीछला छबीलेपास सामान्याखंडितकहौं ऊंचीलईउसास ४१ ॥ स० ॥ इहांहमसोंकरिकौलगये अनतेरसियारँगजाइरँगीजेहेरतहेरतहा

यलहैंसबयामिनिमेरेमनोरथकीजे कुलाकुलबालकुलापहिरायकै लेतउसासनअंगपसीजे नेहकुटोहमसोंतुमसों नहिंमानोंगीलाल जोलाषनदीजे ४२ ॥अथमुग्धाबिप्रलुब्धा॥ दो० ॥ आजुजायसंकेत में सेजनपावैलाल बिप्रलुब्धसोनायका कीन्हीमदनबिहाल४३ अथमुग्धाबिप्रलुब्धा ॥ क० ॥ जटितजवाहिरकेभूषणासरससाजिचली गजगतिरतिलालकेमिलनबाल पगपगमगमगकरतमनोरथनड-गडगडिगडिगमैनमदमातीबाल किंकिनीकलितधुनिनूपुरनिरुन झुनहायलकरतबजेपायलपरतताल चंदतेचटकप्यारीबदनसलो-नताईपीरीपरिगईपायोसेजपैनप्यारोलाल४४॥ अथमध्याबिप्रलुब्धा॥ दो० ॥ सखीसंगशृंगारकरि चलीबिलासनिकेत पीयनपायोबि-कलह्वैतनमेंचल्योप्रसेत ४५ ॥ क० ॥ संगलैसहेलीअलबेली सीमयंकमुखीबेलीसी शिंगारकीनवेलीदरसतहैं लालकेमिलन काजकामनाकरतजातअंगअंगशिवनाथलाजपरसतहैं सूनोदेखि सेजधामदूनोदुखपायोबामआननउदितश्रमकनसरसतहैं श्वास कीसमीरनतेमैनउपचीरनतेकलानिधिमानोअमीवुंदबरषतहैं ४६ अथप्रौढ़ाबिप्रलुब्धा ॥ दो० ॥ पुहुपशिंगारकरेउचलीपियपैसगुनमना इ सेजनपायोप्राणपति कोपकरैपछिताइ४७ ॥ क० ॥ फूलनको शीशफूलबेनीगुहीफूलनकीफूलनकेकर्णफूलचंपकलीहाररी फूल-नकीभुजबलीगजराबिराजैकरशिवनाथ चावचढ़योकरनबिहाररी बालमबिहीनीसेजनैननिरखिकोपि संगकीसहेलीमेलिमालन सोंमाररी तूलतनबामप्रतिकूलभईआशासबशूलसोंलगनलागो फूलनशृङ्गाररी ४८ परकियाबिप्रलुब्धा ॥ दो० ॥ हरेबसनभूषणक-नकरेसमरहैंपुराइ हरेहरेकुंजनगईहारीहरिहिनपाइ ४९ स० ॥ ऋतुराजसमयब्रजराजकेकाजचलीवहगोपकुमारिनईरी चायनि सोंकरिन्हायनिसाथसतायनिनैनकीचाहभईरी केलिकोठाहरसू-नोबिलोकिमनोउरमेंबिषबेलिबईरी कान्हहिंकोहिफिरीपछितात

सोमोहिंदईबुधिकौनदईरी ५० ॥ अथसामान्याविप्रलुब्धा ॥ दो० ॥ करिभूषणगणिकाचली धनीमीतकेधाम मिलोनलालबिहालह्वै भयोशोचउरबाम ५१ ॥ क० ॥ तिलकेअतरतरतैसईसवांरेबाल हारउरमोतिनकेभारलंकलहकत मीतकेमहलबीचसहलसहल जातगातनसुगंधकीझकोरबासमहकत बादलाकीओढ़नीकिनारी दारशिरसोहैलालनकेसेजजाइबनीठनीठहकत काबगाहमंदिरन पायोप्यारोशोचिधीरआनमीतआशाकरिचलीकोपिझहकत ५२॥ अथउत्कंठितालक्षण ॥ दो० ॥ कंतनआयोसेजपर गयोबीतियुगयाम क्षणहींक्षण मुरझातितन मुग्धाउत्काबाम ५३ ॥ स० ॥ सेज परीतलकैसजनीरजनीनिपटीनहिंआयेललारी चंदचढ़ोशिरलों शिवनाथछईपियरीमुखमानमलारी ओढ़िरहीशिरओढ़नीसातकी भाषितघूंघुटझीमझलारी बारकद्वारबिलोकतझांकिमनोरबिमं-दिरचन्द्रकलारी ५४॥ अथमध्याउत्कंठिता॥दो०॥ चौंकिपरीसोवति अलीसेजनपायोपीय मैनमारिब्याकुलकरीमध्याउत्कातीय५५॥ स० ॥ चौंकिपरीपर्यंकतियाछतियाधरकीरतियासरसानी सेज लह्योनहिंप्राणपियाबतियाकहिबावरीसीबररानीधाइकोधाइज-गाइपठाइसोलालहिल्याउमिलाउसयानी कारणकौननआयेइतै अरतेबसियारसियारतिमानी ५६ ॥ अथप्रौढ़ाउत्कंठिता ॥ बरवा ॥ कौनउहेतनआयउप्रीतमधाम शोचिशोचितनतलफतिउत्काबाम ५७॥ क० ॥ किधौंसखानसंगरंगरागकीभईसभाकिधौंझरीबि-लोकिमैनबाननासताइया किधौंकछूब्रतादिनेमआनतीभयोहैप्रे-ममानपीकियोकिधौंअरीनबेधपाइया किधौंसुखीनदेहहैलग्योसु-काजगेहहैकिधौंछुटोसनेहहैबियोगबालछाइया जरीअँधेरिआव-तीजोयामिनीसतावतीरिकामिनीडेरावतीसखीनकंतआइया ५८ अथपरकिया उत्कंठिता ॥ दो० ॥ कुंजभवनबैठीअलीश्यामहिंभईअ-बार होंभूलीकैअतगये मनमेंकरतबिचार ५९ ॥ स० ॥ कैगृह

कार्यदुहावनधेनुकिधौंमनभावनसुद्धिबिसारी कैअनतेबसियाशि-
वनाथकिधौंलखिफैलिरहीउजियारी चौंकतिसी चितवैचहुंओरन
चौरनलौंडरवैसकुमारी शोचिसखीमरिलेतउसासनआयोनकुंज-
नकुंजबिहारी ६० अथसामान्याउत्कंठिता ॥ दो० ॥ करिश्रृंगारबै
ठीतिया मीतहिभयोबिलंब शोचिशोचिदृगनीरभरिधनवारोअव-
लंब ६१ ॥ स० ॥ मीतनआयोअज्योंरजनीपतिअस्तभयोदृगनीं
दनआवतीआपहिगाइबजाइकैनाचतआपहिआपनेभागमनावती
आवैगोलालअँधेरीभयेअधरारसप्याइकैपानखवावती पीरसिया
रससोंबशकैपहुँचोगहिकैपहुँचीउतरावती ६२ ॥ अथअभिसारिकाल
क्षण ॥ दो० ॥ साजेसकलश्रृंगारको चलीबालपियपास सोईहैअ
भिसारिकामनमेंकरतहुलास ६३ ॥ धाइखवासिनिसंगअतिसल
जबालसुकुमार मन्दमन्दपगमगधरैमुग्धाकोअभिसार ६४ ॥अथ
मुग्धाअभिसारिका ॥ क० ॥ कुंकुमलगाइचारुमोतिनकेउरहारचली
अभिसारगतिमदनमरालसी केशरिरँग्योदुकूलहँसतझरतफूल
सौतिनकरतशूलअलीचन्दबालसी गहगहीचांदनीउठतअंगमह
महीलहलहीसोहागकीलताज्योंसरसालसी घूंघुटउठायेचहुंओर
नउजासहोतकैधौंशिवनाथप्यारीमोहनीमसालसी ६५ ॥ अथकृ
ष्णाभिसारिकामध्या ॥ दो० ॥ सारीकारीपहिरिकै अँधियारीनिशिबा-
ल मिलनचलीघनश्यामसों सघनदेखिबनमाल ६६ ॥ क० ॥
घननकीघोरशोरमोरऔपपीहनकोदामिनीदमंकिदेखि चलीब्रज-
बालिका सूझतनगातबीतीआईअधरातप्यारेमोहनपैजातमनोका
मकीकृपालिका कुंजनतेगुंजिगुंजिभौंरभीरपाछेपरीकुशलसिंह
कैधौंयहमोहिनीकीजालिका हीरामणिलालनगआभाजगमगी
ज्योतिश्यामहिंमिलनआईमनोदीपमालिका ६७ ॥ अथप्रौढ़ाअभि
सारिकाप्रेमा ॥ दो० ॥ पियपैअनबोलेगईनागरिनरमनवीनयह
प्रेमाअभिसारिकाप्रौढ़ाचतुरप्रबीन ॥ क० ॥ आईहौसबेरेमोहिं

मोललीन्होबिनागाथधुनिसुनिपपिहाकीप्रेमउपज्यो नयो देख्यो कैसेमगजहांपगऊनदेखिपरै चपलाचमकिचलीतमधीरहरिगयो भूतनकीभामिनीफिरतऐसीयामिनीमें शिवनाथरावरेकोध्यानउर धरिलयो संगनासहेलीकोऊऐसीअँधियारीप्यारीप्रीतमतिहारो साथप्रेमहरबरभयो ६६ ॥ अथपरकियाअभिसारिका ॥ दो० ॥ चकित बिलोकतचलतमृग भयकंपितउरबाल परकीयाअभिसारिका मिलनचलीनँदलाल ७० ॥ स० बोलिपरोसिनिसंगचलीप गपायलकिंकिणिछोरिधरैरी बिछियानकोजीभैनलागनदेसुनिहै कोउभामिनिशंकभरैरी गहिअंकभरोहरिजूकोभुजामनहींमनबा-लकलोलकरैरी मन्दचलोगतिअंगदुराइकैदीपकसोंमुखज्योतिज रैरी ७१ ॥ अथसामान्याअभिसारिका ॥ दो० ॥ भूषणबसनबनायकर चलीमीतकेगेह अगरसुगंधझकोरतनदीपसिखासीदेह ७२ ॥ क० ॥ सरससवांरिपाटीभालचंदसोंबिराजैभृकुटीकमानबाननै ननकेतानेहैं नासिकाकपोलदंतपंगतिअधरज्योतिपाननकीपीक लीकदेखेमनमानेहैं चिबुकसोहाईग्रीवमानोछबिछाईकुचकंचुकी उकसिकैसुमैनकेनिशानेहैं धनिनकीप्यारीसुकुमारीप्यारेपासच-लीकुशलसिंहमन्दसेबचनरससानेहैं ७३ ॥ अथप्रोषितपतिकालक्षण ॥ दो० ॥ जाकोपियपरदेशहैबिरहबिकलबिललाइ प्रोषितपतिका नायकाबरणतहैंकबिराइ७४ ॥ अथमुग्धाप्रस्थानपतिका ॥ स० ॥ प्रीतमगौनसुनेअबलाभरिलेतउसासभईतनखीनी पीरीछईमुख-पैनवलासुलहीदुलहीबिरहाछबिछीनी मनहींमनशोचसकोचन बोलतडोलतकंजसीलाजलजीनी कोमलगातपरीबिललातकहै किमिबातसोनारिनवीनी ७५ ॥ दो० ॥ तेरोपीपरदेशकोभोरच-लैगोबाल सखीबचनसुनिसूखितियकीन्हीबिरहबेहाल ७६ ॥ अथमध्याप्रस्थानपतिका ॥ चलनहारपरदेशकोजाकोपीयलजाइसेज परीतलफतअलीलागीबिरहदवाइ ७७ ॥ स० ॥ सेजपरीतलफै

सजनीरजनीयुगयामगयेपियआये अंकभरीउससीशिवनाथभरे दृगनीरजसेजलछाये काहेकोनेहलगावतहौंहमतौसुखरावरेसंग पठाये जोकहियेघरहीरहियेतौकहौंगुरुलोगतियाललचाये ७८ अथप्रौढ़ाप्रस्थानपतिका ॥ दो० ॥ पियप्यारीपरभातउठिगहितियचि-बुकपोल मांगीबिदाबिदेशकोबोलोबचनअमोल ७९ ॥ स० ॥ पीयबिदेशकोनामनलीजियेकैसेकैयामिनीनींदपरैगी क्योंतनप्राणरहैंबिननाथहियाबिरहानलज्योतिजरैगीह्वैहैतौसोईजोलिलाटकेअंकमेंकोटिकरौनहिंरेखटरैगी मारिमरोरिबसंतकीमारुतको-यलकूकनघाहकरैगी ८० ॥ अथपरकियाप्रस्थानपतिका ॥ दो० ॥ हरि मथुराकोजाहिंगे आयोअबअक्रूर सुनिगोपीब्याकुलभईं कौन जन्मकोक्रूर ८१ ॥ क० ॥ आयाहैअक्रूरक्रूरकरणीसुनीहैवाकीगोकुलकोछांड़िश्याममथुरासिधारिहैंजाकेलयेपतिपरिवारलोकलाजछांड़ीताहिहमछांड़िधीरकैसेउरधारिहैं जलजसेलोचनजलदसेउमड़्गिआयेगिरीमुरझाइवृषभानकीकुमारिहैंसखिनउठाइचारुचंदनलगायतनभसमउदातलागीबिरहदवारिहैं ८२ ॥ अथसामान्या प्रस्थानपतिका ॥ दो० ॥ मीतचल्योपरदेशकोघरीनघरठहराइ सिसकिसिसकिशोचतअली झूंठहिनीरबहाइ ८३ ॥ स० ॥ लैसिसकीमुरकावतभौंहनलालभुजागहिबालउतालहिं योंउमड़ोघुमड़ीअँखियांझुमड़ीअँशुवानपरीछबिजालहिं त्योंहरषोहँसिबोलिउठीचलिबेकोपियाचरचाजनिचालहिंतेरोइनामजपौंनिशिबासरयोंकहिकैउतरावतमालहिं ८४ ॥ मुग्धाप्रोषितपतिका ॥ दो० ॥जबतेलालबिदेशगोभरेरहैंदृगनीर मुग्धाप्रोषितपतिकहौंप्रकटकरैंनहिंपीर ८५ ॥ स० ॥ जादिनतेपरदेशगयोपतितादिनतेपियरीतनछाईनीरभरेदृगकोयनलों सनिकज्जलबूंदनकीसरसाईऊंचीउसासनतापतपैं मनहींमनमैंनकी पीरपिराईब्याकुलह्वैपर्यंकपरीनरहीसुधिआनिसखीनउठाई ८६ ॥ अथमध्याप्रोषितपतिका दो० ॥

घननदेखिघायलभईघरीधरीनहिंधीर परीमैनकेजालमेंज्योंसफरीबिननीर ८७ ॥ क० ॥ कोकिलगावनघरबनकेधावनकोबिजुचमकावनिकीपवनकीपरसनि मदनसतावनकीपीरीतनछावनकीअधिकीबतावनकीनैननकीतरसनि शिवनाथचावनकीचित्तललचावनकी ऊभीससुकावनकीबिरहकीझरसनि प्रीतमकेआवनकीहँसिउरलावनकीसुधिसरसावनकीसावनकीबरसनि ८८ अथप्रौढ़ाप्रोषितपतिका ॥ दो० ॥ मुरझिमुरझिगिरिगिरिपरैउचकिउचकिकुम्हिलाइ प्रौढ़ाप्रोषितपतिअलीदामिनिदमकडेराइ८६ ॥ स०॥ लूकनसीतड़िततड़पैधरकैधरकीधुरवानकीधूकनि मारिमयूरनकीझकझोरनिझंझसमीरनकीझकझूकनि सूकननीरकनूकनकीसुजगीमनमैनदवांरिबबूकनि हूकनहोतहियेहलकैसजनीसुनियेपपिहानकीकूकनि ६० ॥ अथपरकियाप्रोषितपतिका ॥ दो० ॥ ससकिससकिमनमेंरहैटसकिटसकिमुरझाइ प्रोषितपतिकापरकियाशोचिशोचिपछिताइ ६१ ॥ क० ॥ जैसीकरैकान्हतैसीकोऊनाकरैरीआलीओचकगयेरीनेकभेदनाबतावते कुलबलकीबातनकोसांचोकरिमेरीबीरजानतनपीरनेहकैसेकैलगावते कपटीसदाकोहमजानतअहीरवारोपरपतिआपनोनहोतमनभावते ससकिससकिशोचिवावरीसीबोलैबालकज्जलमिलतनैननीरभरिआवते ६२ सामान्याप्रोषितपतिका दो०॥ जबतेमीतबिदेशगो भरेरहैंदृगनीरसामान्याप्रोषितकहौंतनमनबिरहगँभीर ६३क० जादिनतेलालपरदेशको गमनकीन्हों तादिनतेबालतनमदनबेहालकीभूलीसुधिभूषणबसनपानखानहूकी भूलीसुधिसकलबिसनरसख्यालकी गृहकेमनावैंसमझावैंबहुयतनसोंरतननदेइहारेकैतधरघालकी आनतमनाइहारेहाहाकरिगाइहारेगायकबजाइहारेकैसेहूनतालकी ६४ ॥

इतिश्रीशिरमौरकुशलसिंहबिरचितायांरसवृष्टि
अष्टनायकावर्णनमेकादशोरहस्यः ११ ॥

अथबिप्रलंभशिंगारबर्णन ॥ दो० ॥ दोऊचाहभरेरहैंबिप्रलंभशृंगार कैसमीपडरलाजतेकैबिदेशपियप्यार १ बिप्रलंभद्वैबिधिकह्यो दशप्रकारकोभेद दशौअवस्थादेतहैंतनमनयौबनखेद २ ॥ यथा समीप डर लाजते ॥ स० ॥ श्रीपतिऔवृषभानललीनमिलेडरलाजनप्रेमअगाधिका तैसीगुलाबकलीचटकारिन डारीमरोरिमनोजकीबाधिका बेलिनसोंउरझीसुरझीसुरझीसीसमीरसुगन्धनमाधिका राधेपरीकहिमाधवमाधवमाधबटेरतरोधिकाराधिका ३ ॥ अथप्रबासबिहार ॥ क० ॥ दादुरपपीहाकैधौंबिरहपिशाचबोलैझीलीगनदामिनिकरेजनदरतहै उसीरगुलाबनीरकरपूरपरशतशीतलसमीरबीरतीरसीखगतहै बालमबिदेशजानिबैरकीन्हों रतिनाथशिवनाथबारबारकोकिलठगतहै देखिघनकारेमोरचातृकपुकारेप्राणप्यारेबिनतारेसोअगारेसोंलगतहै ४ ॥ अथदशाबर्णन ॥दो० ॥ चिंताजड़ताव्याधिपुनिउन्मदमरण सुजान अस्मतअभिलाषैतथाऔगुणकथनबखान ५ पुनिउद्वेगप्रलापकहिदशौअवस्थाजानबिप्रलंभशिंगाररसकविशिवनाथबखान६ ॥ अथचिन्तालक्षण॥दो० ॥ कौनभांतिप्यारीमिलै नैननिरखियकबार यहचिन्ताचितचटपटीमनमेंकरतबिचार ७ ॥ क० ॥ सकलसुबाससुखसाधनकीसिद्धियहरिद्धिसीप्रसिद्धतनदुखसरसातहै चन्दतेउज्यारीमानोंमयनकुमारीयहऐसीप्राणप्यारीसोबिसारीकापैजातहै चित्रिनीचपलनैनीगजगौनीपिकबयनीबारिजलजातनेकमुरिमुसकातहै क्योंकरिमिलनबनैचिंताचटपटीउरराधाराधारटनिशिबासरसिरातहै ८ अथजड़तादशा॥दो०॥बिरहव्यथाव्याकुलभईकहतआनकीआनबौरीसीदौरीफिरैजड़ताताहिबखान९॥स०॥कबहूंव्रजकुंजकेपुंजबिलोकतलेतउसासउदासठढ़ी कबहूंहरिकेपद चिन्हनिहारिबिलोचनबारिजबारिचढ़ीकबहूंयमुनातटबेणुबजावतधाइकदंबकीडारचढ़ीकबहूंशिवनाथनिहारतथे नुमनोव्रजनाथकेमोहमढ़ी१० ॥ अथव्याधि

दशलक्षण ॥ दो० ॥ बिबरण्गातभयेअलीअलिनबसनरुचिहीन उ-
ससिउठैदृगनीरभरिव्याधिदशायहकीन ११ ॥ क० ॥ गोरीकी
गोराईथोरीथोरीसीजरदहोतशरदसमीरनतेपीरतनआधिका भू-
लिगयोअसनबसनदृगनीरभरेकोपनलौंबिरहतरंगिन अगाधिका
सूखिगोरकतमासभरतउसासनहीं तापसीतपतकीन्हीमदनअसा
धिका कबिशिवनाथदोऊव्याकुलसेफरफरात राधाकहैंहरिहरि
हरिकहैंराधिका १२ ॥ उन्माददशालक्षण ॥ दो० ॥ बकिबकिचकिचकि
उठिचलैहँसिहँसिबिलखिडराइ सोउन्मादजियजानियेबरण्तहैं
कबिराइ १३ ॥ स० ॥ चौंकिपरैचितवैचहुंओरनदौरिअलीबनकुंज
निहारै घूंघुटकीघटकीसुधिभूलिबकैबहुरीअचरानसँभारै गाइउठै
कबहूंशिवनाथहँसाइउठैघहराइपुकारैकांपिउठैससकैकरुणाकरि
लोकअलोकितलाजबिसारै १४ ॥ अथमरण्दशालक्षण ॥ दो० ॥ मि-
लनहोतनहिंकोटिकरि तलफितलफिमुरझाइ मरण्दशापरितापि
बहुकहैंमहाकबिराइ १५ ॥ स० ॥ सीतअसीततपैतनतापहिये
बिरहानलदाहबड़ोरी केहूसुनेसमुझै नहिंबातकछूनसोहातउसा-
समडोरी प्रीतिलगीकिधौंप्रेतलग्योकिलग्योनटनागरचित्तगड़ोरी
कामकितापलगीशिवनाथकीबामकेबैरसँतापअड़ोरी १६ ॥ अथस्मृ
तिदशालक्षण ॥ दो० ॥ भूषणभोगसोहातनहिंनहिंकाहूकेबैन पियमि-
लिबेकीकामनाअस्मृतिकरुणाऐन १७ ॥ स० ॥ भूषणदूषणसेसब
लागतबातसोहातनगातजरैरी खेलनहांसीनगानबिधान नपा
नसखीनिशिनींदपरैरी चंदनचांदनिचंपकचाहननाहकेशोचसदा
हिमरैरी शिवनाथकबैमिलिमंजुलमूरति बांसुरियाधुनिक्योंबिस
रैरी १८ ॥ अथअभिलाषदशालक्षण ॥ दो० ॥ मंदपवनछायासुखदका
लिंदीकेकूल घनश्यामहिंसखिपावतीहरतमदनशरशूल १९ ॥
स० ॥ आवैगोकुंजबिहारीजबैनरनारिसबैमिलिमंगलगाइकै ब-
जैगीआनंदबधाईतबैगुरलोगसबैमिलिहैंउरलाइकै लोगविदाकरि

सांझहिश्यामभुजागहिकोमलअंगलगाइकै बहुरोकबहूंदिनह्वैहै भटूब्रजआयोपियाकहिहैकोउआइकै२० ॥ अथगुणकथनदशालक्षण ॥ दो० ॥ बिरहनीचसुधिकरिअलीपियकेभूषणअंगबरणातकबिजन गुणकथाप्रीतिकहीहरिसंग २१ ॥ क० ॥ मोरपंखवारेरखवारे मेरेप्राणनकेताननकेबाननकीझरिझुमड़ीपरै अंबुजसेलोचनमदन मदमोचनसोंशोचनहरनमखहांसीउमड़ीपरै पीतपटनटवरचोराया चितशिवनाथघुंघुरारीअलककपोलघुमड़ीपरै केशरितिलकभाल उरबनमाललालकुण्डलचलाचलकिआभाउमड़ीपरै २२ ॥ अथउद्वेगदशालक्षण ॥ दो० ॥ सुखददुखदहवैजातकहकविशिवनाथसुजान सोउद्वेगबखानियेलगतबुंदजिमिबान २३ ॥ क०॥वैब्रजकुंजैवैमधुपनकीगुंजैवैबकदादुरसघनघनक्वयेहैं वैजलबुंदैवैसुमनहारगुंदै सखिवैपिकचातृकमधुरसुरलयेहैं वैचारुचपलाचकोरमोरचक्रबाक वैपियचाहनकीअहैनितनयेहैं कविशिवनाथब्रजनाथबिनयेरी अलीजेईसुखदाईदुखदाईतेईभयेहैं २४ ॥ अथप्रलापदशालक्षण ॥ दो०॥ भ्रमतरहैचितचक्रज्योंनयननीरपरिताप पियबिश्वाससुधिकरिअलीतासोंकहतप्रलाप २५॥स० ॥ कुंजनकोबसिबोसजनीउपचारअनेकतेमानमनावते करसोंकरग्रंथिकपोलनक्वैभरिअंकभटूबहुरोउरलावते मेरेलियेहरिचंपकलीअवलीगुहिहारहियेपहिरावते नयनभरीभरिग्वालिकहैसखिऔधगईपरकंतनआवते २६ ॥ अथसंदेशाकथनम् दो० ॥ अहोपथिककहियोनिठुरगिरिधारीसोंजायपीतपिछौरीकीचटकनयननरहीलोभाय२७॥ बनितनकोतनकोनहीं तनसुखतोबिननाथ कैआवनकीअवधिदैकैराखोनिजसाथ २८ ॥ अथराधेजूको संदेशोक०।सुनहुसँदेशोश्यामराधेजुकह्योहैमोसोंरावरेकि प्रीतिदेखीनिपटगुमानकी तेरेलयेसुखपरिवारलोकलाजछांड़िभूषणबसनऔअसनपानीपानकीचलतचखाइनिकी सैनचहुंओरनते चटकनीदैदैसबकहनसयानकी नेकनअनखमानो कोऊकहौशिव

नाथसांवरीसुरतिभईपूतरीचखानकी २६ ॥ अथकृष्णजूकोसंदेशो दो०॥ अहोगूजरीजाकहोराधेसोंसमुझाइनिशिदिनतेरेदृगनकीलगनिअगनिजालाइ ३०॥ स० ॥ कहियोवृषभानललीसोंभटूहियतेरोई प्रेममढ्योबिसवासहैप्यारीदयाकरतीरहियोसबभूलिदियोरसको परिहासहै तेरेईबैनप्रसूनसुनेतुमआनँदकंदकियोउरबासहै तेरोई रूपबस्योशिवनाथसोईइननयननज्योतिप्रकाशहै ३५॥ अथराधेजूकी पाती ॥दो० ॥ लैकागदमसिकरगही चलीदृगनजलधार कज्जल सहितकपोलपर परशिकंचुकीपार ३२ ॥ छप्पै ॥ स्वस्तिश्रीब्रजराजलाजराखतनिजजनकी बड़ेगरीबनेवाजजानकरुणाकरमनकी हमपैलिखीनजातिकठिनयहव्यथामदनकी निशिदिनकछुन सोहातगईसुधिबुधिबरतनकी कुशलरावरीचाहियेइहांकुशलतव दरशलगि भरतढरतजिमिरहतघटनयनतिहारेप्रेममगि ३३ ॥ अथबांचिबोपाती ॥ दो० ॥ दईपथिकपातीसरस बांचीमदनगोपाल सांचीजानअजानजिमि उमगिअंबुदृगलाल ३४॥ क० ॥ बांचीमैं नव्यथासांचीक्योंनकहौमेरीसोंह बांचतहीपातीछातीधरकिदरारकी उरसोंलगाईऔपठाईपुनिसखाहाथसुनिब्रजबधूपीरमैनशर सारकी राधेजूकीप्रीतिरीतिनयननसोंचाहिचाहिशिवनाथरीझी मतिनंदकेकुमारकी कुशलहमारीप्यारीपासलैचलोजूऊधोकंसके पछारनेकीकारनअबारकी ३५ ॥ अथकृष्णजूकीपाती ॥दो०॥ कनकपत्रलिखिपत्रिकादैमधुकरकेहाथ योगयुगुतिबरमुक्तिकी कथाकही शिवनाथ ३६ ॥ छप्पै ॥ श्रीवृषभानकुमारिप्रेमकीअवधिउजागर तोबिनकछुनसोहातपद्मअंकितनटनागर पातीलिखीनजाइनयन उमगेसुखसागरउससिपल्लवितगातबैनहरबरपुलकागर योगयु गुतिशिवनाथकरिमुक्तिसरसरसलीजिये ब्रजबनितामनप्राणप्रियमोहिंउऋणअबकीजिये ३७ ॥ अथऊधोकोब्रजआइबो ॥ दो० ॥ वहैजानवहपीतपट वहैमुकुटबनमाल राधेसोंललितैकह्यो आये

श्रीगोपाल ३८॥ क० ॥ ललितालालितआनिराधेकेश्रवणबीचह रेमृदुमंजुलसेवचनसुनाइकै आयेयदुनंदनन्दद्वारलोंबिलोकिआ-ईयेरीकुंजबासीदौरिमिलेउरलाइकै सुनतहीश्यामाधामकामबि सरायेसबमानेमनदेवदेवीकुशलमनाइकै जागीकर्मरतीपुण्यपूरब उदितभयोसुन्दरसोसांवरोमिलैगोमोहिंआइकै ३६ ॥ दो० ॥ मन्दद्वारदौरीगई बौरीसीबरनारि लखिऊधोव्याकुलभई तनकी दशाबिसारि ४० दईपत्रिकाहाथकरि भईमदनकीपीर गोईसखि जनजानिकै वोईश्वाससमीर ४१ ॥ अथराधेजूकोबांचिबो ॥ क० ॥ बांचतही बैननयनलागेजलधारदेनटपकिपरतबुन्दलोचनकीता-रिका अवधिकेअंकनिबिलोकतमयंकमुखीत्योंहींडीठिपरीयोगअं-कितकीबारिका सखिनसुनाइपातीकातीघातीप्राणनकीछातीछद भयेमातीमैनमदमारिका कान्हकहजानेकहूंबैरिनिसिखायोयह कंथाडारिभीषमागैंगोकुलकुमारिका४२॥ अन्योबाच ॥दो०॥लाजन आईकरतयह योगकथाब्रजराज येयौबनब्रजबधुनके कियेफकीरी काज ४३ ॥ स० ॥ योगलिखोहमकोमनमोहनकूबरीकीयहसी-खलईहै केलिइतैकुबिजापरिहासइतैब्रजमेंबिषबेलिबईहै चाहिये जैसीनतैसीकरीबिधिभालबदीशिवनाथभईहै जेपरहाथनहासरि बातकीऊधोतिहारियोबुद्धिगईहै ४४॥ अथराधेप्रतिऊधोबचन ॥सो०॥ युक्तिमुक्तिकीबाल बिनायोगसंयोगनहिं कियेकोटिजपमाल बार बारब्रजराजकहि ४५ ॥ छंदझूलना ॥ पंचपचीसकेईशकोजीति कैखीसकैमैनकंशरसतावन चक्रषटबेधिकैशोधिकैमात्रिका श्वास कोसाधिमनकरोपावन बैठिबवरनाडमेंखंडिकरिदोषसबसोखकी युक्तिमूर्ध्यानलावन बहुरिशिवनाथसंसारसोंरहितह्वैमिलोभग-वानयहवेदगावन ४६ ॥ अथऊधोप्रतिराधेबचन ॥ दो० ॥ बाजीगर कोपेखनोयहीयोगकीरीति निगमबुद्धिबूढ़ीभईतिनकोकहाप्रतीति ४७ ॥ बिरहबियोगीघटनहींयोगीतमधूकूरि लोकलाजगृहकाज

सुखदेतिनकासीतूरि ४८ ॥ क० ॥ छांड़ेउसुखभोगयोगसाध्योह-
रिआवनकोपाखनसोअंगरतिपतिकोझरसहै देहभईखेहऊभीश्वा
सकीसमीरचढ़ीप्रकृतिभुलानीकैसोइन्द्रिनपरसहैत्वचामृगलाला
भयोआलानेकरहिगयोमालाश्यामसुमिरनकोबालाकेकरसहै भा
वैमुक्तिहोयकैनहोययहरामजानैबिरहबियोगीऊधोयोगीतेसरसहै
४९ ॥ अन्यच्च ॥ दो० ॥ औरकछूबर्णनकरत करियेगूढ़प्रकार सो
अनोक्तिजियजानियेकबिशिवनाथबिचार ५०॥ अथश्लोकपिचीमिश्रित
मधुपयकबिदीदंमालतीबावरेगुल सरसरसगिरिफंतंबादजाऊंप
रीजन् आगमतूआरिजेमनमुस्कअंबरबरायेलुबुधपरसभूपः श्या-
मसुंदरयथासः ५१ ॥ पुनः ॥ सखिउरोजंगिदसरोदंयदिक्रतमम
कोपपुब्दहस्तेउड़ायापततिजेरपासंबादजाऊंचरफतनूभवतिहम्
चुहैरतअर्कपुष्पेनिस्तितं ५२ ॥ अन्यच्च प्रत्युत्तर अथव्याधिकरणोक्ति ॥
दो० ॥ प्रकटकीजियेऔरमेंऔरेकोगुणादोष व्याधिकरणयासोंक
हैंसुनतहोइसंतोष ५३ ॥ स० ॥ तूसमुझीनहिंमेरीभटूघनश्याम
कीप्रीतिसीभौरमेंदेखी पहिलेबतराइकपोलनमेंफिरिचापिउरोज
सरोजनपेखीसजनीजबहींमनमानकरैतबपायँपरैबिनतीनटबेखी
क्षणएकीमेंजाइअहीरनसोंरसिकारेनकीयहरीतिबिशेषी ५४ ॥
अथऊधोबचन ॥ दो० ॥ योगसाधिसुखधामशिवनाथसुरनकेईश
चंदचारुसुरसरितबरबसतअचलहूवैशीश ५५ ॥ अथराधेबचन ॥
चित्तभस्ममंडितसुतनु व्यालगरलसेप्रीति बौरासोंदौराफिरै
जरैयोगकीरीति ५६ अबऊधोब्रजनाथजूभयेकूबरीनाथ आनँद
सोंउतहीरहोहमसुनिभईसनाथ ५७॥ स० ॥ वेदिनभूलिगयेमन
मोहनरंचकछांछकेकारणआवते पायँनसोंपरिकैबरजोरिकेतीमनु-
हारिकैप्रीतिलगावते गोधनसंगउतैंबनतेचुनिमालतीहारबनाइकै
लावतेआपभयेरसियाशिवनाथहमैंलिखिकागदयोगपठावते ५८
अथ ऊधोप्रतिचंद्रावलीबचन ॥ सो० ॥ मधुकरतुम्हैंनखोरिजोरियुगुल

करदृगसलिल उससिकह्योमुखमोरिहृदयमैनकेशरदलिल ५६॥ स०॥ बदीहैसोहोइगीश्यामसखाहमजानतीहैंहरिकोचितचंचल फीकीभईब्रजकीबनितासुभयोकुबरीहियोहेरिहिमंचलसांचीकहो हरिआवहिंगेढरकेंअँशुवाशिवनाथदृगंचलकज्जलकीसरिताउम-गीकलिताकरसोंखिलियोनिजअंचल६०॥ ऊधोप्रतिराधाबचन॥दो०॥ ऊधोहमसांचीकहीसावेयोगअनूप बांधेकटिकटिमानमद मिलौं जाइहरिरूप ६१ ॥ क०॥सांचीतुमकहीसांचीकहीब्रजराजसब सांचोयोगरीतिप्रीतिप्राणनसोंकीजिये कुशलसिंहसांवरीसोंमूर-तिसलोनताईभरिभरिनैनपुटघूंटनसोंपीजियेजोपैपियमिलिबेकी युक्तिनआवतऊधोतौपैमुक्तिबदनघोरिमसिलाइदीजिये ६२ दो० कहियोगोकुलनाथसोंमेरीबिनयप्रणाम योगयुक्तिसिखवैउहैकू बरवारीबाम ६३ ॥ ऊधोबचन ॥ धन्यललीवृषभानकीधनिगोपि नकोप्रेम धन्यतिहारीबुद्धिबरभलोनिबाहोनेम ६४ नंदसुवनमि-लिहैंतुम्हैंधरोधीरउरबालबिदामांगिऊधोचलेसुमिरतश्रीगोपाल ६५ ॥ अथऊधोप्रतिकृष्णजूकेबचन ॥ दो० ॥ कहौकुशलब्रजबधुनकी अहोसखाहितजान सहोबड़ोदुखदीनहवैगहोप्रेमपरमान ६६ ॥ ऊधोबचन ॥ स० ॥ सूखीशमीसीभ्रमीसीभवैरतिनायकशायकशूल सहीहै नैननसोतचलैसरितानज्योंत्योंतनपीरीपरीपुलहीहै टाड़ ढरीपहुंचानलौंआवतश्वासनिकीसिसकीउमहीहै श्यामतिहारे बियोगनतेजरिआधेहीरूपकीराधेरहीहै ६७ ॥ अथकृष्णजूकीचेष्टा ॥ क० ॥ राधेकीरहनिसुनिदहनिदहीहैंदेहनेहकैसेनीरदनयननीर बरसत सांवरीसीमूरतिमेंझांवरीसीपरिगईतांवरीसीआइताहि श्रमबुंदसरसतश्वासनतेबाड़वकी ज्वालसीजरनलागीझरपिञ्झर-पिञ्झूमिदावरीसीझरसत आंखैंखोलिबोलिकह्योऊधोजीतिहारी सोंहमेरोब्रजचलिबेकोअंगअंगतरसत ६८ अथआगमपतिकायथामगुण दो०॥बामअंगफरकनलगेटूटिहारछहरातसुघरकागबोलतभली

जूरीछुटिछुटिजातद्द६॥ क० ॥ ढुरिढुरिपरतमोतीमांगटूतेबारबार लुरिलुरिपरतबेनीजंघनलोंआवती सरकिसरकिजातकंचुकीकुचनपरथरकिथरकिगातभृङ्गनउड़ावती छूटिछूटिजातबेंदीभालतेफरकिअंगटूटिटूटिजातमालबिरहबटावती गिरिगिरिजातकीलपायलकीशिवनाथफिरिफिरिबिलोकेंद्वारसगुनमनावती ७०॥ यथा ॥ दो० ॥तेरोपियआवतअलीसखीसुनायेबैनबिरहतापपरितापतजि गयेउघरिसेनयन ॥ ७१ क० ॥ दौरिदौरिदेविनमनावतिमयंक मुखी होरिहोरिआलिनकेपायँनपरतिहैं घोरिघोरिचंदनकरतथार शिवनाथ बोरिबोरिबातीघृतआरतीसरतिहैं तोरितोरिगजमनि कीमालचौकपूरतहैंछोरिछोरिभूषणनिछावरिधरतिहैं कोरिकोरिअंजनलगायोदृगकोरनलौंजोरिजोरिसेजघिरिभांवरीभरतिहैं ७२॥ अथ आगमपतिकालक्षण दो० ॥ धन्यघरीशुभसुदिनहैंआयेप्रीतमधाम फूलिफूलिमनमेंउठैआगमपतिकाबाम ७३ ॥ क० ॥ आयेमनभावनबनायेअंगभूषितकैछायेसुखरोमरोमपायेतनप्राणरी कुशलसिंहआरतीसँवारिवारिमणिमालमिलनउतालप्यारी आईतजिमानरी फूलनकीसेजबैठीफूलीसीमयंकमुखीफूलनकीमालदैखवायेपियपानरीकरतबिहारहारटूटेलरमोतिनकेछूटेशिरके शलूटेबिरहनिशानरी ७४॥ अथनायकाकोबचननायकसों स०॥ कैसेउपोहेसुहावनोभावनोशीतलताबरसाइअमीरकेतारेनज्योतिसों ज्योतिमिलाइअज्यौंमतिमंदनिहारततीछेबावरेबैरकियो शिवनाथजुचंदकढानियसारिनछीछेचैतकीचांदनीचंद्रिकाचौंकिगईतनसांवरेसांवरेपीछे ७५ ॥

इतिश्रीशिरमौरकुशलसिंहबिरचितायां रसवृष्टिविप्रलंभशृंगारबर्णनंद्वादशोरहस्यः १२ ॥

अथहावभावलक्षण दो० ॥ बिप्रलंभशृंगारकोबरणियथामतिरीतिहावभावबर्णनकरौंसुनियेरसिकसप्रीति १ ॥कबिहिभावअनुभाव

कबिअस्थाईपरमान व्यभिचारीसात्विकतथापंचभावयेजान २ ॥ अथअविभावलक्षण ॥ प्रगटहोतअनयासहीरससमूहशिवनाथतासों बरणिबिभावकबिश्रीराधाब्रजनाथ ३ कहिबिभावद्वैभांतिकेलक्षणसहितबिबेक आलंबनअस्थानहैउद्दीपनपुनिएक४॥ आलंबनस्थान बर्णन ॥ स० ॥दंपतियौबनरूपदोऊमिलिसेजबिराजतकंचनधामहिं तैसियमंदबसंतकीमारुतकोयलकूकिलगीबनगामहिं चारुसुगंधनकीलपटैंउपटीशिवनाथलोभातनकामहिं गानबिधाननकेपरिरंभनहासबिलासरचेउबरबामहि ५ ॥ अथउद्दीपनलक्षण ॥ दो० ॥ परिरंभनआलापकोअवलोकनिचपलोल नखरदछदचुंबनअधरकुचमर्दनमृदुबोल ६ ॥ स० ॥ अवलोकनिअंकुशसोचुभिजातकियोपरिरंभनरागनिहारी रदकछददेतकपोलनमांहलियोअधरारसकुंजबिहारी शिवनाथभनैयहभावउदीपनहासबिलासनरासनकारी परशेकुचसोनखचिन्हलगाइकैकौनललायहरीतितिहारी७ अथअनभावलक्षण ॥दो० ॥ आलंबनअस्थानकेउद्दीपनगुणजोइ सोअनुभावबखानियेप्रेमपरस्परहोइ८॥ अथअस्थायीभाव ॥ हासहर्षअरुशोचपुनिरतिसुखक्रोधउछाह अस्थायीतेहिजानियेपियमिलिबेकीचाह ९ ॥ अथव्यभिचारीभाव ॥ सबहीरसकोभावपुनिप्रगटहोतबिननेम तासोंव्यभिचारीकहैकबिशिवनाथसप्रेम १० मोहकोहआलसतथाजड़तागर्वगलानि उत्कँठाअरुउग्रतात्रासतर्कजियजानि ११ मरणव्याधिउन्मदतथाचिंतादुखिताखेद नींदस्वप्नअधबादरतियहव्याभिचारीभेद १२ अथसात्विकभावभेद ॥भावमध्यसेवनकृपादयाधर्मसुबिनीति कर्मक्रियाशुचिदीनतादानध्यानपतिप्रीति१३ कुलबिहीनपोषणभरणधरणवीरशिवनाथ परहितसात्विकभावयेश्रवणसुखदपतिगाथ१४॥ अथहावलक्षण ॥ हरिराधाशृंगाररसउपजतभावप्रभाव ताकीछबिकीछांहते कहियतद्वादशहाव १५ बिभ्रमबिहितबिलासकहिकिलकिंचितजियजानि कुट्टमितिमोटा

इतललितलीलामदअनुमान १६ हेलाबोधकजानियेपुनिबिध्वं-
करमणीय लक्षणद्वादशहावकेकुशलसिंहबरणीय १७॥ अथराधेजूको
बिभ्रमहाव ॥ बाचबिभूषणप्रेमतेजहांहोहिप्रतिकूल पियदेखनकी
चटपटीबिभ्रमरसकोमूल १८॥ क० ॥ करतशृंगारबैठीसखिनके
मण्डलमेंत्योंहींनंदलालकोसँदेशोकाहूकहिदियो सुनतहांबिभ्रम
उमँगिआयेउरमाहनाहकेमिलनकार्यप्रेमउपज्योनयो उलटिपल
टिपटभूषणपहिरिचलीजावकलिलारचारुबंदनपगनदयो नूपुर
करनबांधिआरसीअनोटकरिकज्जलकपोललोललोचनबिरीदयो
१६ ॥ अथकृष्णजूकोबिभ्रमहाव ॥ स० ॥ केलिकरैयमुनाजलमोहन
ग्वालसखासँगक्रैलनवीनो त्योंवृषभानकुमारिसखीमिलिआवत
श्यामकहूंकहिदीनो योंउमँग्योउरबिभ्रमकीगतिऔरकिऔरकहैर
सलीनो पहिरेउलटेपलटेपटहारबिहारतज्योअवलोकनकीनो ॥
२० ॥ अथर धेजूकोबिहितहाव ॥ दो० ॥ चाहतकह्यो कहैनकछु
परीलाजकेफंद बिहितहावतेहिजानियेश्रीराधाब्रजचंद २१ ॥
स० ॥ क्योंहरिसोंहँसिबोलतकाहेनकौनसुभावपर्योअलबेली
हौंसमरैंसजनीसगरीब्रजप्रीतमसोबतराइनबेलीज्योंचुपचापरहौं
गहिमौनअलीमुरझातस्वहागकीबेली आंखिनसोंनहिंदेखतदेत
रहीउरमेंगड़िलाजसुबेली २२ ॥ अथकृष्णजूकोबिहितहाव ॥ स० ॥
बोलतनाहिंसखीकेसकोचत्योंवृषभानकुमारिगईजू सीखदईसमु-
झाइउराहनोफूलनमालनमारिदईजूलाइ सुगंधलगाइलियोउरहै
हितहीनअधीनभईजू उत्तरदेतननन्दकुमारनवाइबिलोचनलाज
छईजू २३ ॥ अथराधेजूकोबिलासहाव ॥ दो० ॥ हँसतबिलोकति
केलिकरिजलथलबिबिधिबिलासबरणतकबिशिवनाथयहदंपति
करतप्रकाश २४ ॥ क० ॥ हँसतखेलतखेललोचनचलाइबालरद
चमकाइगाइभौंहमटकावती श्यामकरबांसुरीछिनाइछवायोअधर
नसोंखैंचिखैंचिपीतपटमालझटकावती देनकहैनटजातहाहाखात

अठिलातकुशलसिंहबारबारतृणचटकावती मोहनकेमोहि बेकोसां
चीकहौमेरीबीरकौनब्रतसाधेराधेलालभटकावती २५ ॥ कृष्णजूको
बिलासहाव ॥क० ॥ करतबिलासहासयमुनासलिलबालदुरिदुरिदौ
रिदौरिआयोनँदनंदरीबसनचोराइजाइदुचिताईसखिनको चढ़ोहै
कदंबडारकैलब्रजचंदरीएकभईदीनीएककहतअधीनीभईएकआइ
लोचनललामेगतिमंदरीएकहाहाकरिकरिपरतिपायँकरजोरि दी-
जियेविहारीचीरकीजियेअनंदरी२६॥राधेजूकोकिलकिंचितहाव ॥दो०॥
क्रोधहर्षश्रमकंपभयबिकलहोयदृगनीर किलकिंचितजियजानि-
येबरणतकबिमतिधीर २७॥ स० ॥ आजुदेवारिकिरातिजुवामि
लिखेलतदंपतिहैंरजधानीदोऊकेलेतभयोझगरोपिकपासनछीनि
लियोगहिपानीक्रोधउठीभयकंपउठ्योतनस्वेदछुट्यो अँखियासर
सानीलाललगाइलियोउरसोंमुसुकायदियोशिवनाथसयानी २८
कृष्णजूकोकिलकिंचितहाव स०॥ सांझहिलालझरोखेनझांकतआवतहौं
बिनहींपहिंघाने कौनकिलेतबलाइबलाइलेकंपतनैनभरेसरसाने
ऐसोकरोकबहूंहँसिदेतप्रसेदभयोतनभौंहनताने सांचिकहौंहम
सोंशिवनाथहहाहरिकाहूकेहाथबिकाने २९ अथराधेजूकोकुटुमितहाव
दो० ॥ देखतहीउरगड़िगयोमनपियहाथबिकाइ यहकुटुमित
हियहरतहैराधागोकुलराइ ३० ॥ क० ॥ पियरोपिछौरावारोका
रोसोढोटौनालोनामेरीओरहेरिहेरिचाटकसोकैगयो मैनहूंकेशाय-
कतेपैनेईचपनवाकेसैनईचलाइरोचोराइचित्तलैगयोबंशीकाबजैया
बंशीबटकोबसैयावहप्यारोसोकन्हैयादैयाअंगअंगछवैगयो तब
हींतेदेखनकीचाहसीबढ़ीहैमोहिं शिवनाथरोमरोमप्रेमबीजबैगयो
३१ कृष्णजूकोकुटुमितहाव ॥क० उझकिउझकिझुकिझांकतझरोखनमें
त्यौंहीडीठिलालकीअचानकहीपरिगईतड़ितकलासीकमलासीबि
मलासीबालमूरतिसलोनीश्यामआंखिनमेंभरिगई घूमिघूमिझूमि
झूमिघायलसोतरफ़तकैधौंशिवनाथब्रजनाथमतिहरिगई कहूंगि

पीतपटमुरलिमुकुटकहूंकहूंबनमाललालमोहनीसीकरिगई ३२ ॥ अथराधेजूकोमोटाइतहाव ॥ दो० ॥ कपटकरैकरिमानकोकेलिकलासुखदानि उपजतमोटाइततहांकबिशिवनाथबखानि ३३ ॥ स० ॥ हरिसोंहठिरूठिरहीमुखमोरिगहीपियबांहछुटावतप्यारी योंअनखाइ भईचपलाइकितीमनुहारिकरीगिरिधारी फिरताहीकोआजुशिंगारतलालअरीकछुप्रीतिकिरीतिवन्यारी कितोमुखमोरिरहीझिझकोरिकितोरसयुक्तकरैबतियारी ३४ ॥ कृष्णजूकोमोटाइतहाव ॥ स० ॥ आवत जानिकैरूठिरह्योअरुभौंहतनीकरुबैनकढेरी सूधेनहींचितयोतेहि ओरकलीकरजोरिकैपायँगहेरी हहाकरिबालबोलाइरहोहरिमौन गहीनहिंबातकहेरी फिरिताहिकोआजुलगीउरमेंइनकोहिततोइ नहींनिबहेरी ३५ ॥ अथराधेजूकोललितहाव ॥ दो० ॥ अवलोकनि बोलनिहँसनिचलनमंदगतिहोइ रूपसहितशिवनाथकबिललित हावजियजोइ ३६ ॥ क० ॥ मुरिमुरिबिलोकतहँसतबालदुरिदुरिढरिढरिचलतमन्दगतिगजराजकी गातरूपदेखिदुरिजातजात रूपरूपतैसीछबिछाजैसंगसखिनसमाजकी नूपरकेसुरनमरालन केबालचौंकिकंजककेभारलंकलचिपरैनाजकी करमेंसुमनमालकुशलसिंहब्रजबालयौबनस्वयंबरज्योंमूरतिहैलाजकी ३७ ॥ अथकृष्णजूकोललितहाव ॥ क० ॥ मंजुलमुकुटमौलिमोरकेपखौवनकोललित कपोललोललोचनबिशालरी पीतपटबंशीधरकाछिनीकछितकटि नटवरभेषउरराजैबनमालरी सांवरोसलोनारूपकिंकिणीकलित रवग्वालबालसखासंगहवैत्रिभंगलालरी रसबरषावनवावैनदग शिवनाथमीठीधुनिगावतयोंआवतगोपालरी ३८ ॥ अथराधेजूकोलीलाहाव ॥ दो० ॥ दंपतिलीलाकरतजहँप्रेमसहितरसरीति लीलाहावबखानिये होतपरस्परप्रीति ३९ ॥ स० ॥ बागबिराजतदंपति संगसखीमिलिफूलनगेंदबनायो प्रीतमप्यारीलगेमिलिखेलनभूमिपरैजनिडीठिलगायो चंदसोंआननकीछबिदेखतहाथबराइकै

चोटचलायो फूलकपोलहिंलागिगयोतबमानभयोपरिपायँमनायो४०॥ अथकृष्णजूकोलीलाहाव स०॥ नाइनकोपियभेषकियोठकुराइन पायँनजावकलायो सारीउतारिधरोउबटैबेकोकंचुकीकोहरिहाथ चलायो चौंकिचितैअवलोकिरहीपतिकोपहिंचानिकैशीशनवायो मेरेलियेयतनीकरिमोहनहाइअलीगहिकंठलगायो ४१ ॥ अथराधेजूकोमदहाव ॥ दो० ॥ पूरणप्रेमप्रतापते उपजतगर्बगुमान तरुण रूपमदहोइजहँ सोमदहावबखान ४२ ॥ स० ॥ आजुबिराजत हैंशिवनाथगुमानभरीवृषभानदुलारी रूपमहामदसोउनमत्तमनावनआयेहैंकुंजबिहारी पायँनसोंपरिकैकरजोरिकितीमनुहारि करीपियप्यारी कूंकिअचानकमोरउठेसोलगीहरिकेउरसोंभुजडारी४३॥ कृष्णजूकोमदहाव ॥ क० ॥ कमलअमलकमलाकोभासमलै गिरिशिवनाथकैसोमनलागसुबरनमें मालतीगुलाबरतिकीरति तड़ितछबिनेकनाडगत चितचंपकदलनमें उन्मतफिरतबीचसखिनकेझुंडनमेंमोहनसकतमनमोहनकेतनमें चंदतेचटकरूपराधेकोबिराजमानपानकरिबदतनकाहूघालिमनमें ४४ ॥ अथ राधेजूकोहेलाहाव ॥ दो० ॥ लाजभरेचंचलचषन अवलोकतउरप्रेम सोहेलाहियहरतहैं कविशिवनाथसनेम ४५ ॥ स० ॥ लाजभरेचषलोलबिलोलअमोलकटाक्षनहींबशकीनो भुजमेलिगरेपियकेउर सोंलपटाइअलीअधरारसदीनो मृदुहासप्रकाशबिलासप्रकाशित त्योंशिवनाथसबैरसलीनो हेलहिंश्रीवृषभानुकुमारिमुरारिहँस्यो हियहेरिप्रबीनो ४६ ॥ कृष्णजूकोहेलाहाव ॥ स० ॥ सैननबोलिलियो मनमोहनबैननहींबतराइरिझायो वांसुरियासुरकोधुनिताननरूप महामदपानकरायो चंपकमालपुहीअपनेकरलैशिवनाथहियेपहिरायो अंगनिछ्वाइदईकुचसोंतियहेरिहँसीजलजातलजायो४७॥ अथराधेजूकोबोधकहाव ॥ दो० ॥ करैचतुरईगूढ़जो सखिनमध्यरस रीति सोबोधकरसहोतहै कबिजनकहतसप्रीति ४८ ॥ क० ॥

सखिनकेमंडलमेंमंडितमयंकमुखी आयोनंदनन्दजूसरसरसभीनो है लोचनअमोललोलउथलिउथलिपरैआननज्योंशरदमयंकछबि छीनोहैमोरपक्षचंद्रिकाकिरीटछबिकुंडलकीशिवनाथझलमलातपी तपटझीनोहै कंजकुम्हिलानोएकराधेकोदेखायोजाइउनगुलचांदनीपुहुपकरदीनोहै ४९ ॥ अथकृष्णजूकोबोधकहाव॥स० ॥ गोपसभा महँगाबिदराजतजोवृषभानकुमारिगईजू हावनभावनतेपरिपूरणनयनसकोचनलाजमयीजू लैकरफूलदुपाहरीकोहरिकोदेखराइकैभौंहदईजू नयननिदायदयोघनश्यामतहींचितईहियबोधभईजू ५० ॥ अथराधेजूकोबिध्वंकहाव ॥ दो० ॥ कुशलसिंहतियनेमउर मिलैरूपमदआइ सोबिध्वंकरसबर्णिये कपटिनिरादरपाइ ५१ स० ॥ प्रेमस्वरूपकोगर्बबढ़ोपियआवतजानिकैअंगपसीजे आलसकेमिसनयननिदावतसांझसमयसरसीरुहछीजे त्योंहरुयेहरि बैठिगयेढिगभौंहमरोरिअलीबरजीजे कान्हबड़ोबकबादमचावत घेरिकहारहेसोवनदीजे५२ ॥ अथकृष्णजूकोबिध्वंकहाव ॥स०॥शिवनाथ चितैबहुगोपिगोपालकछूपरिहासकीबातकही हमसोंतुमसोंरस रीतिकहासुनिआंसुनकीसरिताउमही मुरझाय निरादरकीगति जानिहियेपरितापकीदाहदही घनश्यामलगाइलईउरसोंपटपोंछिटगंचलबांहगही ५३ ॥

इतिश्रीशिरमौरकुशलसिंहबिरचितायांरसवृष्टि
हावभावबर्णनत्रयोदशमोरहस्यः १३ ॥

अथअंगप्रतीसाभावबर्णनम् ॥ दो० ॥ कारेछपकारेमृदुल दीरघकच अनुकूल कोयलश्यामाकाकअहिहारेउहरिमखतूल १ ॥ क० ॥ श्यामअहिकोयलकीश्यामतालगतकैसे कारेझपकारेप्यारेअरगजेसरसत दीरघअमलकेशकपोलपै कुचनछवैजंघनतेलटकिचरण

हूंलोंपरसत कज्जलतेचटकछटकिरहेशीशपर देखिदेखि मेघन ज्योंकजरारीतरसत चंदनकीचौकीबैठिबारनसुखावैबाल छोरन तेचुवैबुंदमानोंमोतीबरषत २ ॥ अथबेनीबर्णनम् ॥ दो० ॥ बेनीकारी नागिनी परीपीठपरआइ सहसाकरपरसनकरो नाजानैडसिजाइ ३ ॥ क० ॥कंगहीकरतराइबेलाकोफूलेललाइलालगनगुहीमोती लरलटकाईहै कैधोंब्यालबिषधरकींलहरेसमेटिगूढ़ी कामकोत-वालकेकोड़ातेसरसाईहै आजुनाबचीगेलालकोलकीनिरखिबेनी बरबशडसैगीजूकठिनविषताईहै मंत्रऊनलागैकिनकोटिकरोशि-वनाथबचैंबनवारीखैंचिमदनदोहाईहै ४॥ अथजूरोमांगपाटीबर्णनम् ॥ दो० ॥ जूरोबांधतमनबँधे सूरोमनललचाइ चीरिमांगमोतिनभरी पटियनलौंचिकनाइ ५ ॥ क० ॥ जूरोतियशीशकैकँगूरोकाममन्दिरकोसूरोउरशालतहैपूरीछांहकरिकै चीरिमांगमोतीभरिबंदन लगावै कैधोंपावड़ेबिछावैसुखलोककोडगरिकै सरससवांरिपाटी पारिपारिकंगहीलैसौतिनकेनयननकरोतीसीपकरिकै सोरहौंकलातेपरिपूरणहैकलानिधिशीशचढ़िआईकारीप्यारीघटाभरिकै ६ अथअलकबर्णन ॥दो०॥अलककपोलनपैपरीमेचकश्यामअनूपलहलहातलहरेंउठीं नागछवनकेरूप ७॥क०॥मोहरज्योंमुखताकीयुगुलबिकारीदईलोचनतरंगकैधोंचाबुकमसंदको लहकिलहकिटेढ़ी बेढ़ीसीअलकदोऊबहकिबहकिकरैचरचाअनन्दको लटकिकपोल नकलोलनकरतझूमिफैलिफहरानोकैधोंध्वजाकामफंदको बिषम कटोहैअलसोहैसेकुशलसिंह नागनकेछौनापैबिछौनाकियोचंदको ८ ॥ अथभालबर्णनम् ॥ दो० ॥ जटितजवाहिरजगमगैटीकोभामिनि भालथरथरातबिधुद्वेजपैलटकनभषनमराल ९ ॥क०॥कैधोंभौममंडलप्रकाशकरप्रकाशकीन्होंकैधोंबिधुमंडलमेंभृगुकोप्रकाशहै कैधोंचतुराननकीचतुरताबसीहैआनिकैधोंशेषशीशमणिशोभाको बिलासहै कैधोंकल्पद्रुमपुहुपकमलाकोभासकैधोंयहमोहनीहैकियो

र्योनिजबासहैटीकोजगमगैजीकोचोरिलियो शिवनाथहीकोउक सावैफीकोलागतशृँगारहै१०॥ अथकर्णवर्णनम् ॥दो०॥ कर्णनामरा-जासुनोकरेउकनककोदान कर्णकामिनीकेसुनैनायकगुणनपुरान ११ ॥ क० ॥ कर्णकरीहैजैसेकरनीकरनदोऊ चरनबिचारि दीन्होकंचनकोदानिये औरऊकरणएकपितापतिपालकीन्होबा हँकासनीहैहमकथामृदुबानिये कामिनीकरनदोऊकरतसोघटि नहींकरनबिहारसमयसेजसनमानिये वैकरनपिताभक्त मनबच कैशिवनाथयेकरनपतिकेबचनभक्तिजानिये १२ अथभौंहवर्णनम्॥ दो० ॥ भौंहशरासनसीकहौ कारीसघनअनूप कुटिलमरोरीची-कनी भरीमानकेरूप १३ ॥ क० ॥ कुटिलअनूपसोहैमानीकीसी गतिजामेंभृङ्गनकीश्यामतासरसछबिछाईहै कामकेशरासनतेत्रा-सनअधिकदेख्योआसनमुनिनइन्द्रशासनचलाईहै कासनकहौंरी योगीडासनतजतजगोसासनभरतरोगीभयेमुरझाईहै तानमेंतुरं-गमनपाईऐसीबंकताईजैसीशिवनाथप्यारीभौंहबनिआईहै १४॥ अथबरुणीवर्णनम् ॥ दो० ॥ कारीझपकारीबनी ठनीलाजकेऐन बाल तिहारेदृगनके बरुणीछोरचुभैन १५ ॥ क० ॥ कारीझपका-रीधाहझपझपकरतकारी ऐसीनिठुराईनेकलाजहिंडरतहै बरणी तिहारीप्यारीसैननहलारीकैधौंतेजतमवारी भारीशोभाकोधरतहै छोरनकीपैनईचुभतआनिउरअंतरशिवनाथ लचलचीमनकोहरत है कामबादशाहताकेनयनायेवजीरदोऊपलकैंसहेलीशीशचौरसी करतहै १६ ॥ अंजनवर्णनम्॥ दो० ॥ औरएकअचरजसुनोंभरिभरि अंजनदेत नयनहलाहलखाइकै जीऔरनकोलेत १७ ॥ स० ॥ खाइहलाहलऔरनमारत आलीअचम्भवबातसरीहै नेकदयाजि यमेंधरियेयहतेरेइऊपरपापपरीहै काहेकोअंजनदेइसवाँरतऐसे हियेउरशालकरीहै कोजगनाहिंभयोअभिमानअरीइननयननबा ढ़िधरीहै ॥१८ अथअंजनकोरवर्णनम् ॥ दो० ॥ अंजनकीकोरैंबनीन

स्तरकीमुनिहोइउड़ननागिनीजोभसी लपलपातद्दगसोइ १९ ॥ स०॥ अंजनकोरद्दगंचलराजतकैमुनिनस्तरआनिचुभीवैकैदुमही यहनागिनिकीशिवनाथभनैरसनासिलसीवैचंदहिचाहिचढ़ीफह राइकपोलनकूलअमीरसपीवै देखतहीबिषछाइगयेाउरकाटतही कहेाकैसेकेजीवैं २० ॥ अथनेत्रवर्णनम् ॥ दो० ॥ कजरारेदीरघअ-मलचंचलअरुणअमोल पानिपतेपूरेभरेमानेाउथलेगोल २१ ॥ क०॥ कैधौंखंजरीटनकीवपलताईहैछीनीकैधौंचंचरीकनकीकज-रारीछाइये कैधौंप्रातकंजनकी स्वच्छतानिबासकीन्हेांलाजकोस-मेटिबिधिलोचनबनाइये चतुरचलांकेबांकेसैनईउझकिझांकेपैनई सरसकैधौंमैनसरपाइये हँसिहँसिहेरिहेरिफेरिफेरिशिवनाथहरि सोंहरिणनयनीनेकनादुराइये २२ ॥ अथचित्तवनवर्णनम्॥ दो०॥ कुहीबाहरीबाजअहि बानबहेलियामारि खड्गकटारीछूरिकाश क्तिगईहियहारि २३ ॥ स० ॥बाजकीबैठकलैउचकीपुनिबेधिक ढ़ीपरघूंघुटझीनेा उड़िजायकुहीजिमिदूरिदुरीबहुरोगतिआनिक-रीलकीलीनेा तानतकाननलोंचपलोलसेासाननमें झरबाणन कीनेा शालतदेवअदेवनहूंबरुपारथकोपरुषारथछीनेा २४ ॥ अथनासिकावर्णनम् ॥ दो० ॥ कहौनाशिकातुंडशुक बेशरिमुक्तासेाभि श्रमसुगंधकीपारखीदेखतहीमनलेाभि २५ ॥ स० ॥ नासिकाचा रुबिलेाकतहीबनजाइसमूहनकीरक्षपाने बेशरिकेामुकुताछबिदेत मनेांकमलागृहतेारनतानेश्वासनतेउसकै पुटबालकहैकबिकेामल हेातपषाने लैसिसकीमुसुकावतभायन घ्राणसुगंधनकीपहिंचान २६ ॥ अथनासिकाबेधवर्णनम् ॥ दो०॥ सुभगनासिकाबेधयहबेधकर-नतनप्राण याहिलखेकुंठितभयेपंचबानकेबाण२७॥ स०॥शाल-तहैनटसालहियेासरसालबिनिदिततीक्षणताई देखतहीमनभूलि रह्योकहियेकिमिनासिकबेधसेाहाई येांशिवनाथबिराजतगाज-तलाजतमेातिनबेधनिकाई जानिपड़ेाबितकामनावेारमनेाकमला

ग्रहसंधिचलाई २८ ॥ अथअधरपनारीवर्णनम् ॥ दो० ॥ अधरना सिकाबीचजो गाढ़चिन्हछबिदेत तियबुलाकभारकेपरापनारी ऐत २९ ॥ स० ॥ कैधौंगुलाबकीपाखुरीहयहछांड़िप्रसूनहिंआनि बसीहैंकैयहमोहनीकीमर्यादहै काहूकेप्राणनपैठिनसीहै गाढ़परो तियकेअधरोपरकैशिवनाथबुलाकधसीहैं कैहरिकेउरकोतजिकैभृगु कोपदचिन्हसोआनिधसीहैं ३० अथअधरवर्णनम् ॥ दो० ॥ अधरबिंब सेबरणियेबिद्रुमकमलसुधार अमीमधुरताक्षीणताअधरनकेसुख-कार ३१ ॥ क० ॥ अरुणसेअमलकमलकीसीकोमलाईअधरन देखिबिंबाकरतप्रलापये जाकेरूपआगेरूपबिद्रुमबेरंगहोतशोचि शोचिमोचिदृगभरतअलापये खीनेहैंनथूलेभूलेदेखिकैकुशलसिंह देवतानहूंकेमनसुखदकलापये अमीरसमाते तातेचढ़ोहैउन्मादउर द्वैजकेयुगुलचंदकरतमिलापये ३२ ॥ तंबालरेखावर्णनम् ॥ दो० ॥ अ धरनपररेखालसतधसतपानकीपीक बिद्रुमपैमीनाखिँचोदईलाल सीलीक ३३ ॥ स० ॥लालनबालबिलोकिरहेवहलालसीलीकल खीअधरानहि अधरानहिंत्योंपरशीशिवनाथनईचितचोपभईपिय प्रानहिं प्राणहिंपैठिकढ़ीचखओरबढ़ीउरप्रीतिअरीमुसुकानहिंमु-सकानहिंसोंहरिरीझिगयोउरलायलियोसोखवाइकैपानहिं ३४॥ अथश्वेतदशन वर्णनम् ॥ दो० ॥ श्वेतदशनवाबालकेचमचमातछबि पाइ चंद्रकिरिणिसीझलमलैकलीचँबेलीभाय ३५ ॥ क० ॥कैधौं कलीबेलीकेचँबेलीकेचमकचौका कैधौंअनबेधमुकुताहलबसायेहैं हीरनकीखानियहैजानियेकुशलसिंह कैधौंमणिमर्कतकेसीकरसो-हायेहैं हंसनकेछौनायेपढ़नआयेबाणीपासकैधौंयशबीजप्यारीमु-खहिजमायेहैं दामिनीचमककैधौंधसीहैदशनआनिसोरहोंकलानि काटिबत्तिशोबनायेहैं ३६ ॥ अथअरुणश्यामदशनवर्णनम् ॥ दो० ॥ कहँ लालीकहँश्यामताद्विरँगदशनछबिदेत चौकाचमकनचौंधईबरबश हीजोलेत ३७॥स०॥दाड़िमकेदानेआनिभुलानेमुखहिलोभानेछ-

बिछलकी कैंधौंमुकुताहलखाइहलाहलभयेकलाहललखिभलकीं भौंरनकेछौनाकरतपिछौनाकरतनगौनापलदलकी शिवनाथनरी चीरत्नकिरीचीचंदमरीचीबलबलकी ३८ ॥ अथरसनावर्णनम् ॥दो०॥ कोमलअमलकमलछबिनीतिनेहगुणखानि कहिंशारदासेजसी राधारसनाजानि ३९ क०॥ शारदाकीसेजकैंधौंसुखकीसहेलीसो हैरसकीसिरानीकैंधौंकबितबिधानीहै कोमलअमलअमीअंशहीचो राइकैंधौंकमलाकलासीचारुचंदहिछपानीहै हरिसोंकहतबैनहास रसरीतिप्रीतिनीतिनिपुणाईकैंधौं निगमनिधानीहैकुशलसिंहकैधौं अरबिंदमेंनिवासकीन्होबिधिकीबरंगनासरसबरदानीहै४०॥ अथमु खबासवर्णनम् ॥ दो० ॥अगरअतरकीचाहनानगररहीनहिंकाहुबगर बगरकीडगरमेंतवमुखबासप्रबाहु४१॥स०॥सुगंधप्रबाहबहअब-लामुखज्योंमलयागिरिगंधप्रकासो चंपचँबेलीगुलाबजुही जहिकुं-कुमकेशरिपाइसुबासी चंदनओघनसारहिपैठिकियोइनबैठिबड़ो तपकासी भूतलतेभरिमैनबिलोकहिमुक्तभयेलहिनाककेबासी ४२ अथबाणीवर्णनम्॥ दो० बाणीबरणीबालकीसानीसुधासुधारि बाणी जानीवुद्धिबरबसिरसनाअनुसार ४३ ॥ क० ॥ बानीजगरानीकी बखानीनपरतकैसेज्ञानीसुनिसकलासयानीकोतजतहै श्रुतिसुख दानीचार्योमुक्तिकीबिधानीहिय हरतमलानीबरदानीसीबजतहै मोहमदभानीखानीगुणनकी शिवनाथमृदुलसोहानीध्यानीध्या-नहिंतजतहै हरिठकुरानीजगरानी सानीसुधारसबाणीवेदबिद्या सबयाहीकोभजतहै ४४ ॥ अथकपोलवर्णनम् दो०॥ मुकुरचंदद्युति बर्णियेअमलकमलसेगोल कोमलबिहँसतगाड़परिचिक्कनझलक कपोल ४५ ॥ क० ॥ मुकुरसेमंजुलझलकिरहेमाणिक्योंहँ सतपरतगाड़अमलअमोलये कमलकीकोमलाईलगतननेकजामें रसभरेचीकनेलटेतेबनेगोलये गदगदेगोरेभोरेकठिनईथोरेथोरेअ रुणाईयोंरेचोरेचितहिंबिलोलये अधरनकेप्यारेकैंधौंमानहूं केता-

रे शिवनाथछबिवारेचंदनिरखिकपोलये ४६ ॥ अथशीतलाटागबर्णन ॥
दो० ॥ दागशीतलाकेनहींमृदुलकपोलनमांह रूपसलोनोदेखि
कैगड़ीडीठिकीछांह ४७ ॥ क० ॥ चंदकीमरीचीकानतोरिबिथि
राइदीन्होंकैधोंहीराफोरिकैकनूकाधरिधरिगये कैधोंकाममंदिरकी
झंझरीबनाईबिधिकैधोंसोनजुहीकेपुहुपझरिझरिगये कामिनीम-
नोरथआलबालशिवनाथमैनकेमतंगमातेबेलिचरिचरिगये अमल
कपोलनपैदागनहींशीतलाके डीठिगड़िगड़िगईगाड़परिपरिगये
४८ ॥ अथस्वेदकणबर्णन ॥ दो० ॥ स्वेदकपोलनपैदुरयोभामिनि
दामिनिरूप कनकपत्रमानौलसैमोतीजड़ेअनूप ४६ ॥क०॥ कंच
नकेपत्रकैधोंमुकुताजड़ाइदीनो प्यारीकेबदनमैनमदसोंउयोपरै
बारिजदलनओसकुनसेबिराजमान शिवनाथमंजुलकपोलनछुयो
परै बीचबीचशीतलाकेदागनमेंदुरिरह्योजुरिकैउमड़िआनिकंचन
दुवोपरै राहकेरदनकेछदनबीचचंदनतेछलकिछलकिअमीबुंदन
चुयोपरै ५० ॥ अथचिबुकबर्णन ॥ दो० ॥ गोरीचिबुकागाड़परिभोरी
सोवरनारि नैनठगनिकोरूपयहमारतयाहीडारि ५१ ॥ क० ॥
चिबुकप्रकाशकैधोंइंदिराकोमंदिरहै कैधोंमैनसरजलभौंरछबिछाई
है कैधोंठोढीकाटिकैबनायबिधिरतिमुखताहीतेपड्योहैगाड़लग-
तसोहाईहै कैधोंहरिकंठमणिताकोप्रतिबिंबजानकैधोंभवकूपन-
रलोगनबनाईहै राजसुखयज्ञताकोकुंडयहैशिवनाथशंकासोंसनध
पाइआहुतिबनाईहै५२ ॥ अथगाड़तिलबर्णनम् ॥दो०॥ तिलशोभाक्यों
बरणियेचढ़ीचिबुककेअंग परेउगाड़अतिथकितह्वैमानोमन्मथअं-
ग५३ ॥ क० ॥ गाड़परेउकैधोंयहमदनमतंगमात्योकैधोंचंचरीक
अरबिन्दरसपाग्योहै कैधोंश्यामघटाकोकन्हकाटूटिगड़िगयोरस
बरसावनसरसअनुराग्योहै करतबिहारबैठिबालकेबदनपरकुश-
लसिंहदेखोयहरूपमददाग्योहै नैनठगहांसीफांसीडारिमारिर-
सिकमनताहीतेचिबुकगाड़कालिमासोलाग्योहै ५४ ॥ अथमुखमंडल

बर्णनं ॥ दो० ॥ मुखमंडलवाबालको बढ़िगायेतोउदोत राकाशशि अरबिन्दको बदनमलिनद्युतिहोत ५५ ॥ क० ॥ केंधौं शिवनाथउदयाचलउदितभयोसौरहौंकलातेपरिपूरणमयंकरी लोचनचकोरयेचलनलागेचारोंदिशिभरिभरिपियूषरसपीवतसिशंकरी सोतेयेकमलनयनीसकुचिनमितमुखगईमुरझाइफीकीपरीछबिपंकरी राधेकोबदनयेरीसदनसुधाढूकोतिल औडिठौनासोईकठिनकलंकरी ५६॥ अथग्रीवाबर्णनम् ॥ दो०॥ लकाकबूतरसेकहौं कंबुकपोतहिजानि सुभगग्रीववावालकी सोकबिकहतबखानि ५७ ॥ स०॥ लचकैंजिमिचारुकबूतरकंठहिरेखबिराजतकंबुकलासी देखिकपोलनफांसिदईउरजानियहैछबिभानमलासी हंसनकेचितचोपभईबिचरैंकरिआठहुयामतलासी योंशिवनाथबनीनवलाकमलाग्रहकंचनकीलवलासी ५८ ॥ अथ भुजबर्णनम् ॥दो०॥ भाईभाइभुजनपरसाईं क्योंनलोभाइ चलतहलतहलकतहियेयाहीयहीसुभाइ ५९॥क०हलतचलतकैंधौंक्षीरनिधिकीलहरिभाईसी भुजननँदलालनलोभाइगो गोरेसेअमलयेकमलकीसीकोमलाईहेरिहेरिसौतिनकोमुखकुम्हिलाइगो ऐरापतिकरकीसीतरासिरीशोभियतचोभियतचित्तमांहऐसीछबिछाइगो कंठकेबसैयाकैंधौंआनँददेवैया शिवनाथबरसैयारसलोचनअघाइगो ६० ॥ अथपाणिबर्णनम् ॥ दो० ॥ बाहुमृनालकमलकर नखमाणिकछबिपाइ राकाशशिकीबिमलताबसीहथेरीआइ६१ ॥क०॥ कमलसेकोमलअमलद्युतिचंदकीसीनखनमेंकैंधौं भौमसुतनबिलासकी कैंधौंकमलासनकोआसनकुशलसिंहज्योतिजगमगैशोभामाणिकप्रकाशकी प्यारीकेपरमपाणिनिरखतभवरभूलिकेतकीगुलाबतजिचाहतसुबासकी मोहनऔजोहनउचाटनऔबशिकरनउन्मदसहितपंचशायकनेबासकी ६२ ॥ मेंहदीबर्णन दो० ॥ युगुलपाणिशोभितभई नहदोमेहँदीवाल मनोकमलकेदलनपर इंदुबधूकीमाल ६३ ॥क० ॥ स्वच्छमकमलकरमेहँदी

लगाईबालकैधौंमनमोहनीकोसोहनीकीजालिका चित्रकैसीचातु-
रीसुरंगरंगशोभाधरेकैधौंशिवनाथजूसोहागकीबिशालिका कैधौं
अरबिन्दकेदलनमेंगवनकीन्हों छबनसमेतइन्दुबदनकीमालिका
रसबरसावनकेकारनकहनआईचंदकेभवनभूमिसुतहूकीबालिका
६४ ॥ अथकुचबर्णनम् ॥ दो० ॥ अमलकठोरेचीकने ऊंचेगो-
रेगोर अँचलेबामहरौलयेविचलेदलहिबहोर ६५ ॥ क० ॥ अ-
मलकठोरेगोरेचीकनेउतंगभोरेबरबशमरोरेमननेकनाडरोलयेशी
शपैझिलमडारिबदतनकाहूसंवालैशालकरैघावकठिनकरोलयेऐं
ड़िकैअड़तआनिखेतरसजूझहूमेंटरतनटारेभारेरतिकेहरोलये अ-
ड़ाअड़ीपरेतेअँचलापैचलाइदलकबिशिवनाथछीनिमैनकेशरौलये
६६ ॥ अथत्रिबलीनाभिबर्णनम् ॥ दो० उदरपानसोसोहिये त्रिबलीरे-
खबिराज नाभिगँभीरीहरतमन गंगभ्रमरछबिछाज ६७ ॥ क०
पानसोउदरतामेंत्रिबलीबिराजमान कैधौंत्रैलोकहूकीशोभामर्य्या
दरीनाभिकीगँभीरताबिलोकिमन भूलिजातसुरसरिसलिलकेभ्र-
मनछबिछादरी कोमलअमलद्युतिगोरीकीगोराई बरहेरिहेरिशिव
नाथनयननसीआदरी कैधौंपास्कूपयेअबलाउझकिउझकिउठत
तरंगकैधौंहरतबिषादरी ६८ ॥ अथरोमराजबर्णनम् ॥ दो० ॥ रोमाव-
लियाबालके उदगलसतयहिभांति नाभिकुंडमगुलेनको चलि
पिपीलिकापांति ६९ ॥ स० ॥ कैधौंशिंगारकीबलीबिराजतकै
इननयननफंदबनायो मैनपिपीलिकालेनचलीरसनाभिमनोमधु
कुंडसोहायो रामकीराजीबनीनवलातनत्योंमखतूलकेरामलजा-
यो कैमुखलोकनिसेनीबनीशिवनाथयहैबिधिवेदनगायो ७० ॥
अथपृष्टिबर्णनम् ॥ दो०॥कनकपटीकासीबनी परीपनारीपाइ बदलि
पत्रसीचीकनी क्योंकबिबरणिसिराइ७१ ॥क०॥ कंचनकीपाटी
तामेंसोहनकरयोहैकैधौं मोहनीकेमोहनकोमोहनकोबानरीकैधौं
बेनीभारतेपनारीपरिगईप्यारी देवनकुमारीबलिहारीछबिकान

री कुशलसिंहहेरिहेरिहाहाकरिखोलिखोलिबोलिबोलिदीन्हीवै अदीनीभरीमानरी नीठिनीठिपीठिप्यारीपरशतपरमपानिमानि मानिनेहकीन्हीप्रेमपहिंचानरी ७२ ॥ अथकटिबर्णनम् ॥ दो० ॥ खीनीकटिवाबालकी पीनीलईचोराइ छीनीछबिहरिलंककी स्वच्छप्रसोदरसाइ ७३॥स० ॥स्वच्छमलंकबिलोकतबालकीकेहरि जाइभयोबनबासी सूमकोदानकिगौरिकोमानसोछीनिछवोऋतु हैबिमलासी भूतनचित्तनयोचितचोरतकादरकीदृढ़ताजिमिनासी कुचभारनतेलचिजातअजौंशिवनाथभनैप्रियप्राणछमासी ७४ ॥ नितंबबर्णनम् ॥ दो० ॥ बर्णोंबालनितंबबरउच्चरचेबिधिहाथ मानोंकनकतंबूरद्वौ उलटिधरेरतिनाथ ७५ ॥ क० ॥ गानकरिमदनतँबूरनउलटिधरेकंचनवरणदोऊलगतसोहायेहैं चीकनेऊठौंहैमृदुबालकेनितंबबरमहिमानकहिजातऐसोछबिछायेहैं शोभाकोसमटिऔलपेटिसबउपमानचायनसहितबिधिइनहींबनायेहैंकैधौं जगजीतिरतिआपनीदोहाईफेरिनौबतिबजाइयेनगारेऔंधायेहैं ॥ ७६ ॥ अथजंघाबर्णनम् ॥ दो० ॥ जटाजूटबनमौनगहि कदलिखंभयकपाइ कियोबड़ोतपदीनह्वै लहैंनजंघसुभाय ७७ ॥ क० ॥ कैधौंमैनमंजिनीमतंगिनीकीसकुचछीनिकैधौंहंसहंसिनीबिहारकी चलनिहै कैधौंसुखसागरथहावतमयंकमुखीकैधौंनन्दलालमननमाणिकझलनिहै हरेहरेहेरिहेरिहठिहठिहरिननयनीझूमतझुकतकैधौंकेशरीमलिनहै शिवनाथकैधौंअनुरागमेंसोहागबेलिफहरिफहरिकैलिफूलनफलनिहै ७८ ॥ गतिबर्णन ॥ दो० ॥ सकुचन मैनमतंगिनी हंसराजगतिहोइ चालबालकीबर्णिये मन्दमन्द जियजोइ ७९ ॥ अथजंघाको ॥ क० ॥ कंचनकेखंभकैधौंईगुरसोंबोरिराखेगोरेगदगदेचारेचितहिंअमोलये केलिकेनिधानकैधौंमदनबिमानरूरेसरससवांरेप्यारेकरनकलोलये जंघनयुगुलदेखिकदलीलजाईबनगहनदुरीरहैबिराजीछबिनौलये करिहिंबिलोकिकैप-

टकिडारेबारबारऐसेसुखदायकअमलमृदुगोलये ८० ॥ अथचरण वर्णनम् ॥ दो० ॥ प्यारीपदपदवीपरखि इंगुरमनललचाइ परम नरमनवनीततो लखिजलजातलजाइ ८१ ॥ क० ॥ देखौशुभ बालापदसुन्दरबिशालामानोंइंगुरलजातजाकेदेखतचरणहैं जल जगुलाबांखिसियातदेखिकोमलाई सिर्सहुपुहुपमनमाहिंसकुचत हैं ऐसेपगप्यारीकेसकलछबिछीनिलियोंछबिनहिं काहूकीपदन-सरसतहैं उपमानकाहूकीसकलकबिढूंढ़िहारेमधुपतिजैसेप्यारी तेरेयेचरणहैं ८२॥ अथ चरण अंगुरीवर्णनम् ॥ दो० ॥ कनकबरणपद अँागुरीनवलालीछबिछाइ कमलदलनपरभौमदश बैठेसदसिब नाइ ८३ ॥ स० ॥ कोमलफूलमनोंअरबिन्ददोऊपदसुन्दरिके रसभीने ताकीअनूपमअंगुरियाछबिलेतसुवर्णकीमानहुंछीने अं-गुरीलालीलखीपदमेंजनुभूसुतबैठिसमाजहिकीने उपमारतिनाथ लखातनहींनिजहाथरचेपदअंगबिधीने ८४ ॥ अथजावकवर्णनम् ॥ दो० ॥ परखिअँगोकृतहरिहियेदियोअनदियोजानिएंड़ीलखिदु-चितीभई नायनिजावकपानि८५ ॥स० ॥ जावकनायनीदेनलगी ठकुराइनिपायनिकीछबिछाई जालखिचोंपिचबूटनटैचितलूटन कारणबेलिबनाई कोहरिशीशरसीपरसीउपमासुखमायहजातन गाई मोहनकेमनमोहनकोशिवनाथसोहागकीसुन्दरताई ८६ ॥ अथदीपवर्णनम्॥ दो० ॥ फुन्दनकंजकपूरबिधुतड़ितकेतिकीज्योति कैधोंमैंनमसालसीजगमगातछबिहोति ८७ ॥ क० ॥ गहगही गोरीकीगोराईगोरेगातनमेंलहलही लहकिज्योतियौबनबिशाल-सी महमहीमहकिमरीचिकासीझलमलैडहडहीडिगतनआभासु खसालसीकुन्दनकपूरचन्दतड़िततरेलूहोतदीपतिदधारीकैधोंमद नमसालसी शिवनाथअम्बुजगुलाबमेंनआबरही विधिरिधिरोंकि पहिनाईछबिमालसी ८८ ॥ दो०॥ नखशिखशोभामैंकही अपनी बुधिअनुमान यहढीठीशिवनाथकी क्षमियोसकलसुजान ८९ ॥

इतिश्रीशिरमौरकुशलसिंहविरचितायां रसवृष्टिअंगप्रतिशोभा वर्णनमूचतुर्दशमोरहस्यः १४ ॥

—०—

अथबसनभूषणादिशोभावर्णनम् ॥दो०॥ नूपुरअनवटबीछुवावजतमैन केभृङ्ग सजतसाजसबसुरनकोबसिअँगुरिनकेसंग १ ॥ क० ॥ सुरनकोसाजिकैयोंगतिनसमाजसोहैंमाहै मनमोहनकोऐसीधुनिका मेंहैंकमलकेदलनिमरालनकेबालन ज्योंलियोहैबसेरसोकमलमुखछामेंहै श्रुतिसुखकारकीबिहारकीनिपुणताईकारणबनायेबितालनकेयामेंहैंचितउचकावन लोभावनकुशलसिंहनूपुरबाजत कैयोंमदनदमामेंहैं२॥ अथपायलवर्णनम् दो०॥ कियेाहियेाहायलहहलिपायलझनकसुभायमायलह्वैवायलभयेाफरफरातपरिपाय३ कनकभँवरसेमदनकेवरणकमलरसपेतलटकिलटकिएंड़ीनसोंझटकिझटकिजीलेत ४ ॥ अथगूजरीवर्णनम् गौरमुखनपैअतिलसैपरी गूजरीपांइ घेरिलियेाज्योंकमलकोतरणिकिरणिकीआइ५पहिरि गूजरीगूजरीराकाशशिछबिपाइ मनोंसिंहिकासुतक्षुधितगयेाबीच सेाखाइ ६॥ लहंगावर्णन दो० ॥ कीनख.बलहँगेाबनेालंकलहरिया देतघिरिघिरिघूमतलंकपरफिरिफिरिमनहरिलेत ७ स०॥घेरिरह्योकटिघांघराघूमि मनेाघनघेारउठेाकरिशेारनचेांकिचितैवहिकुंजनतेचहुंओरनकूककरीबनमेारनबूटनलूटनप्राणलगेजरतारीकिनारीलगीसबछेारनप्रातचलीवृषभानललीलहकैलचिलंकपरीझकझेारन ८ ॥ अथनीबीवर्णन दो० लसतमनेाहरनाभिपरउपमाक्योंकहिजातमानेोंकलीगुलाबकीलालनलखिललचात९॥स०॥ बातकहैअबलाजबहींतबहींउचकैलखिमानभरीसी जेाहतदेतबधूमुखतैसइनाचतलाजहिंछांड़िछरीसी योंचुनिकैकसिराखतहैपियकेललचावनकाजधरीसी नींबीबिराजतनाभिमनेाहरकैशिवनाथसनाथकरीसी १० ॥ अथक्षुद्रघंटिकावर्णन ॥ दो०॥ क्षीणीकटिकिंकि

निलसैछीनीउड़गणज्योतिझनझनातमुखमधुरधुनिलालालचिल
चिहोति ११॥ शब्दसुनतहीश्रवणमेंकियोमोहनीमंत्र रुनझुनात
लचिलंकपैमनोकेलिकोतंत्र १२॥ अथमुंदरीछलाबर्णनम्॥ छलाछ-
बीलीआंगुरीछलतसबनकोचित्तछलकिछलकिछबिपरतसीमुंदरी
नगनसहित्त १३॥ पहिरिकनककीआरसीबदनबिलोकतबाल
मनोभानुमंडलबिमलधर्योचन्दयहिकाल १४॥ अथमेहंदीबर्णनम्॥
युगुलपाणिशोभितभईवहदीमेंहँदी बाल मनोकमलकेदलनपरइं
दुबधूकीमाल १५॥ अथपहुंचाबर्णनम्॥ प्यारीकीपहुंचीबनीप्यारेपहुं
चनमाहगड़ीडीठिपहुंचानिलोपहुंचीपहुंचीनाह १६॥ अथकंगनाबर्णन
रतनजटितकँगनापहिरिठाढ़ीअँगनामाह मुकुरमंजुकरपृष्टलौंच-
मचमातपरछांह १७॥ अथचूरीबर्णन॥ हरीहरीचूरीहरीहेरिहरीपरि
प्रान गोरेगदकारेकरनगड़ीबड़ीछबिजान १८॥ खिनकिखिन
किखिनखिनकरै खीनबापुरोचित्तघटतघटतघटिजातज्योंबड़ेधनि
नकोबित्त १९॥ अथछल्लबर्णनम्॥ सोहतचूरिनबीचमेंछल्लमहाछबि
देतछनछनातछकिजातमनछनकिछनकिनीलेत २०॥ भुजबल्ली
बर्णनम्॥ दो०॥ अंजनभुजबल्लीजटितघटितकियोमदरूपम
नोदामिनीमेंलसैउड़गणज्योतिअनूप २१॥ बाजूबँदछबियानमें
लगेफूलमखतूल मनोकनककमलकीमत्तभ्रमरद्वैझूल २२॥
टाडाबर्णन गड़ीटाड़प्यारीभुजनजगमगातछबिहोतिईशशीशतजिव
सिगईमनोबालबिधुज्योति २३॥ श्वेतकंचुकीबर्णन॥श्वेतकंचुकीअरु
णकुचकोरकनारीकोर होड़ाहोड़ीपरिगईचंदतड़ितचितचोर २४॥
नीलकंचुकीबर्णन नीलकंचुकीमेंलसैतियकुचकीपरछांहकनकपत्रकोडां
कज्योंदियाजमुर्रतमाह २५ अरुणकंचुकीबर्णन॥ अरुणकंचुकीअरुणाकु
चमिलीज्योतिसोंज्योतिकहौदुरायेक्योंदुरैनारंगीद्युतिहोति २६
पीतकंचुकीबर्णन पीतकंचुकीपीतकीहियकीहरनिनिदानज्योंसुरगिरि
केशृंगमेंआतपपर्योबिहान२७॥ हरीकंचुकीबर्णन हरीकंचुकीचुभिरही

लसतधसतपरिप्रानमरकतकीसीसीभर्योकेशरिकोरँगजान २८ जारीदारकंचुकीबर्णन जालरंधूमगह्वैकढ़ीतियकुचदीपतिज्योतिज्योंझँ झरीफानूसमेंदीपककीछबिहोति २९॥ हमेलबर्णन हीराजटितहमेल तियपहिरिचलीपियपास मनोंचक्रशशिपारयहकीन्होंचंगलबास ३० ॥ मोतीमालाबर्णन ॥कुचनबीचयोंझलमलैमुकुतामालबिराजयुगु लशैलकीसंधिज्योंसुरसरिसलिलसमाज ३१ ॥ चंद्रहारबर्णन ॥चंद्र हारउरबालकेहरनहारहरहीयकरनहारकुचकेलिके ऐसीलहैनपी य ३२ ॥ चंपकलीबर्णन ॥ चंपकलीअवलीअलीलटकनिहृदयबिचार कुचनमध्यशोभाबनीमोहैजगसंसार ३३ ॥ पचलरीबर्णन ॥पहिरिप चलरीकनककीबनकबनीबरबालतनकतनकधुनिसुनिपरै खनकन लागीमाल ३४ नगबर्णन ॥हरितमणिननगजगमगैहरितकियाइन प्रानहरितकियोशोभितभईगोरेगलहिनिदान ३५॥ कंठसिराबर्णन लसतकंठमणिजगमगैहैहियहरणिबिशेषि औरसबैश्रीहतभईकंठ सिरीछबिदेखि३६॥ कुमुदहारबर्णनकुमदहारसुकुमारतनमनहरिलि योनिदानबारिछांड़िआयोमिलनचंद्रमइत्रीजान३७॥ मालतीहारबर्णन कुशलसिंहनिजकरगुहीपहिराईनँदलालरतनमालछबिरदभई निरखिमालतीमाल ३८ कर्नफूलबर्णन कर्णफूलकामिनिकरनयोंरा जतछबिअंगमनोचंदमिसिउदितभोभृगुगुरुएकहिसंग ३९ करण फूलछबिजगमगैअमलकपोलनमाहमनोंमुकुरझांकतभईचंदकला परछांह ४० ॥ तरेउनाबर्णन हरीहरीसारीढक्योलसततरेउनाका नकालिंदीजलझलमलैबिधुप्रतिबिंबसमान ४१ नथबर्णन मोतीठ-गनथफांसरीचलनहलनहियहूलमारिलियोसबजगतकोलाललो लरींशूल४२॥ लटकनबर्णन थरथरातलालचभरोअधरसुधाकेहेतस्व च्छमताबैरिनिभईलटकिलटकिजीलेत४३ बुलाकबर्णन अधरपनारी मेंलसैमोतीज्योतिअनूपज्योंगुलाबकीपांखुरीओसकुंदकेरूप ४४ टीकाबर्णनचमचमातचूनीजड़ेटीकोभामिनिभाल भौमभवनआयोमि

लनभानुसुवनयहिकाल४५॥मांगमोतीबर्णन॥ मिलिटीकोभरिमांगते मोतीलरछबिबीर मनोनीलगिरिशिखरतेबहतसुरसरीनीर ४६॥ शीशफूलबर्णन शीशफूलअनुकूलछबिछूलकिछूलकिसीजातकालिंदी केसलिलज्योंलहलहातजलजात ४७॥शीशफूलशोभानिरखिग-योचंदहियहार मानोकज्जलशिखरपैधर्योदीपसोंबारि४८॥चोटी बर्णन बेनीमृगनैनीगुहीचोटीछोरलगाय झलमलातसारीढक्यौ बाहरछबिछहराइ ४९ ॥सारीबर्णन ॥ सारीडारीशीशपरलसत किनारीकोर शरदचंदज्योंचांदनीतड़ितचमकचहुंओर ५०॥क०॥ श्वेतसारीसोहतकिनारीदारजगमगी सारीसरीकोरनसों मोतिन कोसाजरी चंदथिरशरदकोमेघज्योंउमड़िआयोतड़ितसमेतकैधौं शोभामर्य्यादरी चांदनीतरैयानैनमृगनकीपालकीपैचढ़िचलीशि-वनाथसहितसमाजरी राकाकीसीमूरतिबिराजमानबालबरपाहु-नीपरमआईशरदकेआजरी ५१ ॥

इतिश्रीशिरमौरकुशलसिंहबिरचितायांरसवृष्टितन
भूषणादिशोभाबर्णनमूपंचदशमोरहस्यः १५ ॥

अथनवरसनिरूपणं॥दो०॥सुखसमूहदंपतिलहैपरिपूरणरतिभावरति रसमैंनिजबुधिकहौंसमुझतबढ़तसुभाव १ सोशिंगाररसहासरस रौद्रभयानकबीरओविभत्सअदभुततथामयकरुणामतिधीर २ नव रसकोबहुभेदहैबिविधिप्रकारबिचारसबकोकबिशिवनाथजूनायक हैशृंगार ३श्यामबरणशृंगाररसश्यामहिंकहियतईशबरणतकबि शिवनाथजूनायकबिनकोशीश ४ ॥ अथशृंगाररसबर्णनम् ॥दो०॥ सुखसमूहदंपतिलहैपरिपूरणरतिभाव सोशिंगाररसवर्णियेसुनत हाइचितचाव ५ द्वैबिधिहैशृंगाररसबरणतबुधजनलोग प्रथमहो तसंयोगहैबहुरोहोतबियोग ६ ॥ संयोगशृंगारबर्णन ॥होतप्रेमप्रीत

मप्रियहिउपजिपरतरतिरंग बिलसेंसुखयुतहरषिहियभरोबिनो-
दनअंग ७॥ स०॥ पतिसंगरच्योरतिरंगतियाबिथुरीअलकैं
गजगामिनिसीहैं आननसीकरसीसरसीयरसीमधुपैअहिभामिनि
सीहैं लोलबिलोचनलाड़भरैमदसोउनमत्तमुहागिनिसीहैं नीरद
दैउरस्थलसोंबरकामिनिचंचलदामिनिसीहैं ८॥ वियोगशृंगारवर्णन
दो०॥ पियबिछुरनकीपीरयहधरोंबीरकेहिठौर गईनींदद्युतिदेह
कीबरणतकबिशिरमौर ६॥ क०॥प्रीतमपयानोकैंपयानोकीन्हों
प्राननहींआननभईहैजेबयौबनजरदसी अंगनमेंजुरैअंगगेहरी
रह्योनजाइदेहरीदहनमारिकीन्होंहैशरदसी करिकारेघरबनकी
धावनिधूकनिधूपकरतकरेजेरेजेरेजेहवैदरदसी दामिनीलहक
लोकचुभिगईआंखिनमेंचोंकिचोंकिचीरिचीरिकाटतकरदसी १०
अन्यच्च॥ स०॥ जिनकेसँगकामकलाकरिकैहरिअंगनकोरसलूटि
लियो निशिबासरऔरकियोनकछूभरिनैननरूपपियूषपियो भुज
मेलिगरेमुखछ्वाइअनेकबिनोदनमोदनमोललियो तिनकेबिछुरे
शिवनाथअजोंफटिकोटिकटूकभयोनहियो ११॥ यथानिद्रा॥ कोटि
उपायकियेहुनआवतदूरिहितेअनुरागतिसीहैं नींदहरीहहिलैगयो
संगकियोंबिरहानिशिजागतिसीहैं चितमेंचितवैचकचोंधतसीपल-
कैंपलएकनलागतसीहैं प्राणप्रियाबिछुरयोसजनीइननैननआगे
हवैभागतसीहैं १२॥ अथहास्यरसवर्णनम्॥ दो०॥ बिहंसतलोचन
लोलमुखअधरकपोलनज्योति उरउमगतिआनंदभरिसोइहास्य
रसहोति १३॥ मुसक्यानिवर्णनम् मृदुमुसकीबालकीतीक्ष्णबि-
षमनिदान जौनअमीदायाकरैतौघालैयहप्रान १४॥ स०॥
अधरानहिमेंमुसकीवहबालबिलोकतप्रातकोबारिजलाजैं दन्तन
कोझलकीछबिनेकसोदाड़िमदामिनिकोमदभाजैं माधुरताबरसै
शिवनाथसुधाधरसीपरसीछबिछाजैं आनँदकंदसपूरनचंदमनो
सुखरूपीबिनोदनसाजैं १५॥ अथमन्दहास्य वर्णनम्॥दो०॥मंदहास

वाबालकोदशननछबिअनुकूल चमचमातचौकामनोछुटतफुलझ-
रीफूल १६ ॥ क०॥ हँसिहँसिब्यालख्यालकरतसखीनहूंसोंझरि
झरिपरतकैधोंमालतीकेफूलरी कंठलकलकीतीनौग्रामसेफिरत
जातशब्दझनकारसोतौसुरअनुकूलरी चौकाकिचमकदेखितड़ित
लजाइजाइघननदुराइरहीउठीउरशूलरी फुलझरीछुटतकैधोंछुट-
तचितशिवनाथकुटतशीशसोंतैंजानिसुखनिरमूलरी १७ ॥ अन्यच्च ॥
लरिलरिढुरि ढुरिझुकिझुकिरीझिरीझि आधेआधेवरनकहतकिल
कारीसो सुनतसोहातनेकोसमुझिपरतकैसो चुमकिचिबुकगाड़पर
तहहारीसो खेंचिखेंचिपीतपटलचिलचिगातउरअंबुयुतअंबुकउम
गिअरुणारीसोढीलीढीलीभौंहनरसीलीछबिशिवनाथदैदैकरतारी
प्यारीहँसिगिरिधारीसो १८॥ अथरौद्ररसवर्णनम्॥ दो०॥परमक्रोधमें
रौद्ररसबिग्रहहोयशरीर अरुणबरणअरुणतसबैजेकोबिदमतिधीर
१९ ॥क०॥कोपकरिबालावहभौंहनचढ़ायबैठीकामकेशरासनकी
त्रासछबिछीनीहैखंजमृगमीननकीकमलकुलीननकी हसनप्रवीन
नकीगतिहरिलीनीहै सौतिनकोभागसेसोहागलूटोमानकरिरतिर
णजीतीपतिमतियशकीनीहै मींजिमार्योबिरहजराइमार्योजात
रूपकाटिमार्योकपटसोनागरिनवीनीहै२० ॥ अन्यच्च ॥ केशीकिंस
बकासुरपूतनाकेप्राणलीन्हो अघासुरपैठिमुखबदनाबिदार्योहै
बानाबानएकहीपयानाकीन्होयमपुर जानिमारिअघकेतेअधमउ
धार्योहै इंद्रहूकेगर्बहिगलायदीनागिरिधारीगजकीपुकारसुनिन
क्रहिपछार्योहैकालीनाथ ब्रजनाथगोपीनाथशिवनाथबीरताबि-
दितचार्योवेदनपुकार्योहै २१ ॥ अथवीररसवर्णनम्॥ दो०॥होइधी
रतावीररसउत्सवकविशिवनाथ तनद्युतिरणगम्भीरतालोकलाज
तनसाथ २२ ॥ क० ॥ कलमलातशायकनिषंगनिमेंअंगनिमें
छलकिछलकिछबिपरैरघुबरकी शिवनाथचावचढ़ोआनँदउमगि
आयेझुमड़िझुमड़िझुकिझुकिझूमिझरकी भरकिभरकिउठैभौंहन

कीबंकताईतरकितरकिउठैतनीतनतरकी फरकिफरकिउठैभुजद-
ण्डकरिकरकरकिकरकिउठैकरीबखतरकी २३॥युद्धाबंग॥ छप्पय॥
युद्धबीररघुबीरसुवनहयधरिमनमाष्यो चकितनीलसुग्रीवऋक्ष
पतिअतिभयभाष्योपवनतनयलंकेशबालिसुतहियअभिलाष्यो अ
तिअगाधबिस्तारलवणसागरनिजनाष्यो मरुतमारुधरुधरुकरै
लवकुशधरतनशंकहिय समरजीति चास्योसुरस भुवनचतुर्दश
सुयशलिय २४ ॥ अथभयानकरसबर्णनम् ॥दो० ॥ जहांभूमिभयहोत
हैउरधरकततपरूप दुचिताशंकाकदरईकहतकबिनकैभूप २५ ॥
क० ॥ सतसनाहपरैपाखरतुरंगनिपैगरजनिशानसुनिलर-
जनरेशहैं अरिनगरीननपरावनेपरतजातलंपटकुटिलचोरदुरदे-
शदेशहैं धर्मराजधकयकशेशहूकेसकपकबिधिहकबकईशचकित
दिनेशहैं शिवनाथमृगयाकोरामकेकुमारचलैंलोकपतिदिगपतिशं
कितसुरेशहैं २६ ॥ अन्यच्च ॥ धौंसाकीधधकसुनिधीरनधरतअरि
नगरनगरभाजेबगरबगरके बधुनसमेतबनबनबनचारी ।येबग
बगबागेलागे मोहतअगरके बेलिनसोउरझिउरझिचीरिचीरिजात
कांकरीचुभतछरकंटकडगरके सिसिकीलैपतिसेकहतकुशलेशजू
केबैरकरिकैसेजलबसियेमगरके २७ ॥ यथा ॥ बनकीबरंगना
सीबनबिहरतफिरैंपानीबिनपानबिनभागनिजगोवती कुशलन-
रेशजूकेबैरतेबेहालभईहाथनमलतजातनैननबिलोवती गिरिगि-
रिगारनमेंहारनझटकिटूटिमोतिनकीलरीछरहरैमहिजोवती छपि
छपिलतामेंछपाकेरकीछबिछीनीझुकिझुकिझांकिझांकि बैरबधूरो-
वती २८ ॥ अथबिभत्सरसबर्णनम् ॥दो० ॥ कविशिवनाथविभत्सरस
नीलबरणद्युतिहोइकालइष्टतेहिजानियेबरणतबुधजनसोइ २९
छप्पय ॥ धरतखड्गअतिक्रुद्धयुद्धअरिदलदहपट्यो धरमसकत
धरिधरनधरततन्नगफनफट्यो कहूंरुण्डकहुंमुण्डकहूंभुजचरण
लपट्योगीधकागमड़रातखातहर्षातसुभट्यो समरधीररघुबीरसुत

लत्थपत्थबरबीरकिय मुंडमालउरधरनहितईशशोभरिबरद लिय ३० ॥ अथअद्भुतरसबर्णन ॥ दो० ॥ होइअचेतोअतिजहांकर मानीशिवनाथ सोअद्भुतरसहोतहैबरणतबुधजनगाथ ३१ स० ॥ माखनदूधबचैघरमेंनहिंजोबनजाउँतोधेनुचरावै जोयमुनातटजा- उँतोपैरतनंदपैजाउँतोगोदखेलावै यशुदापरदेनउराहनोजाउँपरे पलनाहरिलाड़लड़ावै देखिअचंभवहैसजनीसपनोयहसांचुकिमो हिंबतावै ३२॥ अन्यच्च ॥ हाथीकुट्योनहथ्यारनकेवलतारकातारक कौनपठायोगिद्धजटाइनयज्ञकियोगणिकाकबहींनिकीर्त्तनहायो पूतनापानकबैचरणामृतयोगकबैशेवरीसरसायो लैसँगनावधना भरिनीरसोईबलबीरहिपानकरायो ३३ अथकरुणारसबर्णन ॥दो० ॥हो तशोकमयकरुणारसढरकिपरैदृगनीरब्याकुलताउरशोचईकहतसु मतिकबिधीर ३४ ॥क०॥ यानचढ़िचलेकान्हघेरिलीन्होंब्रजबधु नभूषणबसनज्योतिछबिछहरातसी ढुरिढुरिनैननतेटपकिपरतबुंद मुंदहिचलतकैधोंबिरहबरातसी जोलौंरथरजकोप्रकाशदेखिदेखि रहीकुशलसिंहध्वजाओपताकाफहरातसी ओटपरिगयोप्राणगयो दृगकारनलौंबिरहपयोधिपरीबूड़ततरातसी ३५ अन्यच्च ॥बारेहीते कियोनेहकारेहीजुरोसनेहआपनीही ओरतेनिवारेउप्राणप्यारेको दूरितेनआयोयाहीगोकुलकोजायोक्षीरहाथनपियायोलैलैसांझअ सकारेको पाननखवायोअंगअंगनलगायोलोकलाजबिसरायोवैझ कैयाद्वारेद्वारेको चलतकीबारऐसीधरीनिठुराईबीरआखिरअहीर कान्हबगरहमारेको ३६॥ अन्यच्च ॥शोचहैनमाखनचोराइबेकोशिव नाथशोचहैननीरभरीगागरीकेढारेकोशोचहैनदधिकेलुटाइबेकोगा रिनकोशोचहैनमेरीबीरचीरफारिडारेकोशोचहैनमोतिनकीलरीच टकाइबेकोशोचहैनककाकिसोबालककेमारेको शोचहैनरूखीरू खीसांवरेकीबातनकोशोचहैसखीरीएकऔचकसिधारेको ३७॥दुसं- धीरस बर्णनस्दो०॥एककहतअनुकूलहैकहतएकप्रतिकूलहोतदुसंधी

रसतहांसकलरसनकोमूल ३८ ॥ स० ॥ गोरससोरसबेचतिहौं नहिंगोरससोरसबेंचनजाहीं गोरसलेहुउधारकरौनहिंसोरसदेउं धरोंपलमाहीं गोरसकीसीनसोरसदीहौं दीहौंतोकहाघटिजाइगा काहीं गोरसचाहतहौंमनमोहनगोरससोरसचाहतनाहीं ३९ ॥ अन्यच्च ॥ आईकहांतेकहापरितोहिजुजाहुकितैतिरछैकछुहेरो देहु जुदानदियोहममोहनक्योंबचिहौंकरिहौंकहिमेरो दधिबेंचनजैहौं घरैफिरिजैहौंकहाअठिलातहमैंजनिछेरो रंचकचीरफटैशिबनाथ ललाघरबारबिकाइगोतेरो ४० ॥ अन्यच्च ॥ देदधिदीन्होदेखावत लाकुटी काछनियांतनियांतनहेरो हेगेकहूंबछरानकोजाइसोना-हकको बनितानकोघेरो घेरोकियोघरिचारिलौं मोहनमोतीप्रहार छुवोजनिमेरो मेरोकह्योकरिजाहुनतोलुटिजायगोसाँवरेगाँवरेतेरो ४१ ॥ अथकृष्णजूकोशांतरसबर्णनम् ॥ दो० ॥ औरकछूनसोहाइय हएकहिरसअनुराग सोसमरसबरणतसुकबि उरउपजतबैराग ४२ ॥ स० ॥ दाड़िमदाखनऊखनभूखनमाखनचाखनकीबिस-राई कंदनखंदनगंधनबंधनचंदनचंपकिचंदनिभाई जोअधरामधु माधवचाखिलगीरदलालअमोलमिठाई तंदिनतेशिवनाथउठाइ उठाइधरीबसुधाकीसुधाई ४३ ॥ राधेजूकोशांतरस ॥ क० ॥ जादिनतेपीरीसीपिछौरीओढ़ेदेख्योतुम्हैंतादिनतेबिनादेखेपीरीत नपरिगई अंगनिअँगीठीसीअँगारनकीतपैताहिसखिनसोंबोलि चालिखेलिबोबिसरिगई लगोजकजकीबकबकीटकटकीलालमूर तितिहारीप्यारीप्राणनमेंभरिगई असनबसनबासचंदनतेचंपकते चंद्रमातचांदनीतेचौगुनकजरिगई ४४ ॥ अन्यच्च ॥ कामक्रोधलोभ मोहदंभनितभाषतहै औगुणकहानीकहैंचाखैपटरसको करैततची रधीरनेकनाधरतउरबिषयकीबड़ाईकरिगावैनरयशको साधनतेच रचानाकरैरीजातेहरैअघबोलतकुबालबाकजाइपापबशको रसना हठीलीहठछोड़िशिवनाथकबि कबधौंपरैगोतोहिंरामनामचसको

को ४५ ॥ यथा ॥ क० ॥ मणिनकेमालऔबिशालदृगखंजनसेभं-
जनपिनाकदुखगंजनजनकको कुंडलअमोलगोलबिहँसतकपोल
मोललेतमनचंददूकोकंकनकनकको सियसुखकारीजाकोसेवतपु-
रारीऐसोभयोमदहारीऔबिहारीजनमनको एरीमतिबौरीकितधा
वतिभ्रमतिदौरीकिनगावैशिवनाथयशदशरथसुवनको४३॥यथा॥
क० ॥ नामतेनरककीधरकधरोउरमेंननामबिनजनमबिकाइगोन
सूकाको नामतेनेवाजेकेतेअयमकुशलसिंहनामबिनपछितातजैसे
स्वादमूकाकोनामहीकेनौकाचढ़िनौबतिबजाइजनक्षणकमेंपारहो
तनिडरडरूकाको सघनगहनकुंजपापकेपहारपुंजतूलसेजरतपरे
अगिनिकनूकाको ४७॥ यथा ॥स० ॥ नामहिंतेगनिकागनिसाध
नबाघनकाटिगईहरिधामहिं धामहिंधौलसुदामहिदैपढयोप्रभु
पासकोहाइकैबामहिं बामहिंगौतमकीगतिपाइभईशिवनाथस-
पूरणकामहिं कामहिकामगयेदिनबीतिअरेमनमूढ़भजोहरिनाम-
हिं ४८ ॥ यथा ॥तातनभ्रातनपुत्रनबित्तनरहैतनयौबनरूपगुमा-
नमें राजनसाजसमाजकितेगजराजगयेपरिकालदहानमेंबागत-
ड़ागबिभूतिनबीरताधीरताधामनआवेकहानमें हरिनामचलैसँग
हीशिवनाथसोनेकीबदीरहिजातजहानमें ४९ ॥ दो० ॥ नवरस
बर्णनहौंकियो अपनीबुद्धिबिचारि भावभेदरसमोदकोबुधजनलेहु
सुधारि ५० ॥ बरणयोंनायकनायका अपनीमतिअनुमान यहढी-
ठीशिवनाथकीक्षमियोसकलसुजान ५१ ॥ राधाराधारवनकेबर-
णेकछुकबिलाश कियोग्रंथरसवृष्टिहै कबिजनकरोप्रकाश ५२ ॥
जोरसवृष्टिपढ़ैगुनैजानैनवरसरीति उपजैज्ञानबिबेकरसकृष्णचं-
रणसोंप्रीति ५३ ॥

इतिश्रीशिरमौरकुशलसिंहबिरचितायांनवरस
बर्णनमूरसवृष्टिसमाप्तमूषोड़शरहस्यः १६ ॥

नामकिताब	नामकिताब	नामकिताब
कालिंजरमाहात्म्य	प्रेमरत्न	सतीविलास
वद्यक भाषा	युगुलविलास	**मुतफ़र्क़ात**
निघंट	चित्तचन्द्रिका	शनिश्चर की कथा
अमरविनोद	बारहमासाबलदेवप्रसाद	ज्ञानमाला
वैद्यजीवन	मनोहरलहरी	गोपीचन्दभरतरी
औषधिसंग्रहकल्पवल्ली	गंगालहरी	कथाश्रीगंगाजीकी
अमृतसागर बड़ा	यमुनालहरी	अवधयात्रा
तथा छोटा	जगद्विनोद	भरतरीगीत
वैद्यमनोत्सव	शृङ्गारबत्तीसी	दानलीला नागलीला
नाटक	पद्मावत	रासलीला द्वारकाप्रसाद कृ०
प्रबोधचंद्रोयद	**राग**	दोहावली रत्नावली
रामाभिषेक	रागप्रकाश	गोकर्णमाहात्म्य
आनन्द रघुनन्दन	लावनी	श्रीगोपालसहस्रनाम
वेदान्त	**क़िस्सा वग़ैरह**	कथासत्यनारायण
योगवाशिष्ट	नानार्थनोसंग्रहावली	हनुमान बाहुक
आनन्दाऽमृतवर्षिणी	ब्रह्मसार	जनकपच्चीसी
सांख्यतत्वकौमुदी	शिवसिंहसरोज	हरिहरसगुण निर्गुणपदावली
काव्य	भक्तमाल	बनयात्रा
सूरसागर	इंद्रसभा	कायस्थवर्णनिर्णय
कृष्णसागर	विक्रमविलास	बिहारवृन्दाबन
विश्रामसागर	वैतालपच्चीसी	समरविहारवृन्दाबन
प्रेमसागर	पद्मावतीखण्ड	कल्पभाष्य
ब्रजविलास बड़ावा छोटा	शुकबहत्तरी	**दरसी**
कृष्णप्रिया	बकावली सुमन	अक्षरावली
विजयमुक्तावली	चहारदरवेश	स्वयम्बोध
अनेकार्थ छन्दोर्णवपिङ्गल	क़िस्साहातिमताई	ज्ञानचालीसी
कविकुलकल्पतरु	अपूर्व्वकथा	दोहावली
रसराज	क़िस्सागुलसनोवर	बालाबोध
सत्सई मूल तथा सटीक	सहस्रजनीचरित्र	विद्यार्थीकीप्रथमपुस्तक
सभाविलास	सिंहासनबत्तीसी	किताबजंची
तुलसीशब्दार्थ	राविन्सन्क्राइतिहास	गणितकामधेनु
भजनावली	सीताहरण	लीलावती

नामकिताब	नामकिताब	नामकिताब
पटवारियोंकीपुस्तकें ४ भाग	मुहूर्त्तदीपक	रीडर नम्बर १
ज्योतिषभाषा	वृहज्जातकसटीक	रीडर नम्बर २
जातकचन्द्रिका	जातकालंकार	सीक्वेल
जातकालंकार	जातकाभरण	कालिंजर माहात्म्य
दैवज्ञाभरण	होरामकरन्द	सुधामन्दाकिनी
ज्ञानस्वरोदय	**संस्कृतउर्दू टीका सहित**	रामविनय शतक
रमलसार	मनुस्मृति	नारीबोध
इन्द्रजाल	विष्णुहारीत	प्रताप बिनोद
संस्कृतकीपुस्तकें	महिम्नस्तोच	सतीबिलास
लघुकौमुदी	व्रतार्क	मनमोजचरित्र
सिद्धान्तचंद्रिका	याज्ञवल्क्यस्मृति	भविष्योत्तरपुराण
अमरकोषतीनोकांडसटीक	**संस्कृतभाषाटीका सहित**	स्कन्दपु०का सेतुबन्धखण्ड
पञ्चमहायज्ञ	अमरकोष	मनोहर कहानी
निर्णयसिंधु	याज्ञवल्क्यस्मृति	भ्रमजालक नाटक
संग्रहशिरोमणि	संध्यापद्धति	सीताबनबास
भगवद्गीतासटीक	व्रतार्क	किस्सामर्द औरत
दुर्गापाठमूल	भगवद् गीताटीकाह०बं०	नवीनसंग्रह
दुर्गापाठ सटीक	भगवद् गीताटीकाआ० गि०	सुदामाचरित्र
विष्णु भागवत	गीतगोविन्द	ज्ञानतरंग
अपराधभंजनस्तोच	कथा सत्यनारायण	सप्तशतिका
दुर्गास्तोच सटीक	परमार्थसार	विजयचंद्रिका
कायस्थकुलभास्कर	शार्ङ्गधरसंहिता	रामायणबाल्मीकी
कायस्थधर्मनिरूपण	पाराशरीसटीक	भुवनेश भूषण
तथा छोटा	शीघ्रबोध सटीक	महाभारतभाषा सबलसिंह
मथुरा सभा	लघुजातक	चौहान कृत
तुलसीतत्वभास्कर	षट्पञ्चाशिका	सुन्दरबिलास
रामविवाहोत्सव	सामुद्रिक	गीतरसिका
ज्योतिष	**नवीनकितावें**	कवित्तावलीरामायण सटीक
मुहूर्त्तगणपति	सौदागरलीला	इलाजुलगुरबा भाषा
मुहूर्त्तचक्रदीपिका		रसायनप्रकाश
मुहूर्त्तचिन्तामणि स०		रामचंद्रिका सटीक
मुहूर्त्तमार्त्तण्डसटीक		वाराह पुराण

